THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 266 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.3 2081 बुधवार, 18 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शंभू बॉर्डर खोलने पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

चंडीगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। किसान आंदोलन की वजह से 10 महीने से बंद हरियाणा और पंजाब की शंभू बॉर्डर खोलने पर कल (18 दिसंबर) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसके अलावा 22 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत पर भी कोर्ट सुनवाई करेगा। डल्लेवाल एमएसपी कानून की मांग को लेकर अनशन पर हैं।

हालांकि पहले 17 दिसंबर को सुनवाई होने की सूचना सामने आई थी। मामले से जुड़े सीनियर एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य ने बताया कि पिछली बार कोर्ट ने मौखिक रूप से 17 तारीख कही थी, लेकिन जब ऑर्डर जारी हुआ था तो उसमें 18 तारीख मेंशन थी।

लोकतंत्र पाताल तक गहरा : शाह

> इसने कई तानाशाहों का अहंकार-गुमान चूर-चूर किया > हम दुनिया की 5वीं बड़ी इकोनॉमी बने

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में संविधान पर चर्चा में मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने अपनी बात रखी। शाह ने कहा कि देश में लोकतंत्र की जड़ें पाताल तक गहरी हैं।

इसने अनेक तानाशाहों के अहंकार-गुमान को चूर-चूर किया है। जो कहते थे भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाएंगे हम आज दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। यह हम सबके लिए गौरव लेने का पल है। संकल्प लेने का पल है।

शाह ने कहा, संविधान के दोनों सदन में चर्चा हुई है। वो हमारे किशोरों के लिए युवाओं के लिए है। आने वाले समय में सदन में बैठकर देश के भविष्य का फैसला करने वालों के लिए महत्वपूर्ण होगी। यह भी तय होगा, जब जब जनता ने जिस पार्टी को शासन दिया, उसने संविधान का सम्मान किया या नहीं। शाह ने कहा कि आज मैं जब यहां आया हूं कि आज हम जिस मुकाम पर खड़े हैं, स्वामी विवेकानंद और अरविंद की भविष्यवाणी सत्य होती दिख रही है। हमारा संविधान संविधान सभा की रचना और दुनिया में अनूठे हैं। हमारे यहां दुनिया का सबसे ज्यादा विस्तृत और लिखित संविधान है। इस संविधान सभा में 299 सदस्य 22 जाति धर्म के सदस्य रहे हैं। सभी समाजों के प्रतिनिधित्व के साथ संविधान बनाया गया। दुनिया में शायद ही ऐसा संविधान होगा, जिसका ड्राफ्ट जनता को कमेंट के लिए दिया गया। और कमेंट्स के आधार पर सुधार किया गया। हम सबको अपने संविधान पर गर्व है।

'एक देश-एक चुनाव' पर लोकसभा में वोटिंग

✻ पक्ष में 269 ✻ विरोध में 198 वोट पड़े ✻ कोविंद बोले-2034 तक एकसाथ चुनाव संभव

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का मंगलवार (17 दिसंबर) को 17वां दिन है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा के पटल पर 'एक देश, एक चुनाव' के लिए 129वां संविधान संशोधन बिल पेश किया। एक देश, एक चुनाव बिल पेश होने के बाद सांसदों को इस पर बोलने का समय दिया गया। कई पार्टियों की आपत्ति के बाद बिल को दोबारा पेश करने को लेकर वोटिंग हुई।

ज्यादा वोट पड़ने के बाद बिल पेश किया गया। अमित शाह ने सदन में कहा कि बिल जब कैबिनेट में आया था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजना चाहिए। कानून मंत्री ऐसा प्रस्ताव कर सकते हैं। विरोध में सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन बिल, बीजेपी की देश में तानाशाही लाने की कोशिश है।12:10 बजे केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पेश किया।

शत प्रतिशत घरों तक नल से पानी पहुंचेगा : पीएम मोदी

> नदी जोड़ने की योजना में देरी की जिम्मेदार कांग्रेस
> मोहन यादव-भजनलाल की फोटो याद रखी जाएगी

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (17 दिसंबर) को जयपुर में पार्वती-कालसिंध-चंबल-ईआरसीपी परियोजना का शिलान्यास किया। भजनलाल सरकार के एक वर्ष पूरा होने के कार्यक्रम में पहली बार राजस्थान-मध्य प्रदेश की परियोजना के समझौते को भी सार्वजनिक किया गया। पीएम ने इस परियोजना में देरी के लिए पूर्व की कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समाधान की बजाय राज्यों के बीच जल विवाद को ही बढ़ावा देती रही।

मोदी ने कहा कि इस परियोजना के समझौते पर हस्ताक्षर वाली मप्र और राजस्थान के सीएम की फोटो कोई सामान्य नहीं है। आने वाले सालों में देशभर के लोग ये फोटो दिखाकर उनके राजनेताओं से पूछेंगे कि आप पानी पर राजनीति ही करते रहे। पानी समुद्र में बह गया, लेकिन एक कागज पर दस्तखत क्यों नहीं कर पाए। इस मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि ये 20 साल पुराना झगड़ा था। दोनों प्रदेश में ये जल की सौगात पीएम मोदी की वजह से ही पूरी हो पाई है। वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस परियोजना से राजस्थान के 21 जिलों का फायदा होगा। यहां की 2.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर भी सिंचाई हो सकेगी। इस दौरान पीएम ने केंद्र और राज्य की 46 हजार करोड़ से ज्यादा योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया।

जल विवाद के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

प्रधानमंत्री ने ईआरसीपी और पहले के जल विवादों को लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि लोग उनसे जरूर पूछेंगे कि कौनसे कर्म की वजह से ईआरसीपी समझौता नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि आज जो हुआ है वो बहुत ही असाधारण घटना है।

पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को किया याद :

मैं जब गुजरात का मुख्यमंत्री था तब हमने बिना किसी झगड़े के नर्मदा का पानी राजस्थान को दिया। उस समय भैरोंसिंह जी-जसवंत सिंह जी मिलने के लिए आए थे। भैरोंसिंह जी की तो उंगली पड़कर हम कई लोग बड़े हुए हैं। वह आकर मेरे सामने बैठे नहीं, वह मेरा सम्मान करना चाहते थे, मैं यह देखकर मैं अवाक था। ताजा समझौते से राजस्थान को पानी मिलने का दावा भी किया।

एक देश एक चुनाव विधेयक का विपक्ष ने किया विरोध

> कहा-यह संविधान के मूल ढांचे पर हमला

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। लेकसभा में मंगलवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने एक देश एक चुनाव विधेयक का विरोध किया। उन्होंने इसे संविधान के मूल ढांचे पर हमला बताया। इसके साथ ही विपक्ष ने सरकार पर देश को तानाशाही की तरफ ले जाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाना चाहिए। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले संविधान (129वां समशोधन) विधेयक 2024 और उससे जुड़े संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 को पुनः स्थापित करने के लिए संसद के निचले सदन में रखा। विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने बताया कि संविधान के बुनियादी पहलू हैं जिसमें संशोधन इस सदन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उन्होंने इस विधेयक को संविधान के बुनियादी ढांचे पर हमला बताया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इस सदन के विधायी अधिकार क्षेत्र से परे है। उन्होंने भारत को राज्यों का संघ बताते हुए कहा कि केंद्रीकरण का यह प्रयास पूरी तरह संविधान विरोधी है। इसके साथ ही उन्होंने इस विधेयक को वापस लेने का आग्रह किया। विधेयक का विरोध करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के धर्मेंद्र यादव ने कहा, दो दिन पहले सत्तापक्ष ने संविधान पर चर्चा के दौरान बड़ी-बड़ी कसमें खाई थीं। अब दो ही दिन के अंदर संविधान के मूल ढांचे और संघीय ढांचे को खत्म करने के लिए यह विधेयक लाए हैं। उन्होंने दावा किया कि यह संविधान की मूल भावना को खत्म करने का प्रयास है। सपा नेता ने कहा कि यह तानाशाही की तरफ ले जाने वाला कदम है। धर्मेंद्र यादव ने कटाक्ष करते हुए कहा, जो लोग दो राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ नहीं करा पाते हैं, वे पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की बात कर रहे हैं। उन्होंने भी इस विधेयक को वापस लेने की अपील की। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी ने भी इस विधेयक को संविधान के मूल ढांचे पर हमला बताया। उन्होंने इसे अल्टा वायरस कहा। टीएमसी सांसद ने दावा किया कि इस विधेयक को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कल्याण बनर्जी ने कहा, राज्य विधानसभाएं केंद्र और संसद के अधीनस्थ नहीं होती हैं, यह बात समझने की जरूरत है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बीवाई विजयेंद्र को राहत

बेंगलूरू, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक भाजपा प्रमुख बीवाई विजयेंद्र और अन्य को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी राहत मिली है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने तत्कालीन उपाध्यक्ष और वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया। उन पर चुनावी बॉन्ड की आड़ में कथित तौर पर धन उगाही करने का आरोप था। मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अन्य लोगों के साथ सह-आरोपी हैं।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने किरेन रिजिजू के खिलाफ पेश किया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस पेश किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार (13 दिसंबर) को सदन में महुआ मोइत्रा को लेकर एक टिप्पणी की थी।

इस नोटिस पर टीएमसी, समाजवादी पार्टी, डीएमके समेत अन्य दलों के सांसदों ने भी हस्ताक्षर किए हैं।

क्या हुआ था :

महुआ मोइत्रा ने किरेन रिजिजू पर लोकसभा में उन्हें धमकाने का आरोप लगाया था। यह तब हुआ जब टीएमसी सांसद भारतीय संविधान के 75 साल पूरे होने पर एक बहस में भाग ले रही थीं। मंत्री रिजिजू ने न्यायाधीश बी एच लोया की मौत का जिक्र करने पर मोइत्रा के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी। यह मामला पहले ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुलझा लिया गया था।

ताजा नोटिस पेश करने का फैसला तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा गुरुवार को रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश करने के नोटिस के कुछ ही दिनों बाद आया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने विपक्षी सदस्यों के संसद में रहने के लायक नहीं होने के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

टीएमसी की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने कहा कि उन्होंने विपक्षी दलों के सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस पेश किया है, जिसमें रिजिजू से माफी मांगने और विपक्षी सदस्यों के बारे में उनकी टिप्पणी को हटाने की मांग की गई है। जस्टिस लोया का मामला उठाने पर कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया था और कहा था कि इस मामले को 3 जजों की बेंच सेटल कर चुकी है। इसलिए सदन में ऐसा बार बार नहीं कहा जा सकता और कहने पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ उपयुक्त संसदीय कार्रवाई होनी चाहिए। रिजिजू स्पीकर से मांग भी की थी कि वह बयान का संज्ञान लें।

क्या आरक्षण को आर्थिक आधार पर बदल देना चाहिए?

संविधान पर चर्चा के दौरान बोले पूर्व पीएम देवेगौड़ा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस नेता एच डी देवेगौड़ा ने मंगलवार को संसद में इस पर विचार करने का आह्वान किया कि क्या जाति के आधार पर आरक्षण जारी रखना चाहिए या इसे आर्थिक आधार पर बदल देना चाहिए। राज्यसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा करते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि सदन को यह सोचना होगा कि अतीत में क्या हुआ और क्या हमें इस देश में सिर्फ गरीबी के आधार पर आरक्षण देना चाहिए।

देवेगौड़ा का आरक्षण को लेकर सुझाव :

देवेगौड़ा ने राज्यसभा में आरक्षण प्रणाली को लेकर सुझाव दिया कि सदन को इस पर विचार करना चाहिए कि क्या आरक्षण को पहले जैसा जारी रखना चाहिए या केवल उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी जाए जो सबसे ज्यादा गरीबी से पीड़ित हैं और जिनकी जीवन स्थिति बहुत खराब है। उन्होंने कहा कि जो आरक्षण अतीत में दिया गया, उसके बावजूद लोग अभी भी संघर्ष कर रहे हैं और जिनकी हालत खराब है, उन्हें कोई राहत नहीं मिली। एचडी देवेगौड़ा ने आगे कहा कि अगर सदन इस मुद्दे पर विचार करता है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर फैसला कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है।

अहंकार दूर रखें, नहीं तो गड्ढे में गिरेंगे : भागवत

पुणे, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि व्यक्ति को अहंकार से दूर रहना चाहिए नहीं तो वह गड्ढे में गिर सकता है। पुणे में हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए समाज के सभी वर्गों को मजबूत बनाना जरूरी है। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि हर व्यक्ति में एक सर्वशक्तिमान ईश्वर होता है, जो समाज की सेवा करने की प्रेरणा देता है, लेकिन अहंकार भी होता है। राष्ट्र की प्रगति केवल सेवा तक सीमित नहीं है। सेवा का उद्देश्य नागरिकों को विकास में योगदान देने में सक्षम बनाना होना चाहिए। भागवत ने कहा कि सभी को लगता है समाज में सब कुछ गलत हो रहा है, लेकिन हर नकारात्मक पहलू के लिए समाज में 40 गुना ज्यादा अच्छी और शानदार सेवा की जा रही है। इस बारे में लोगों को बताना जरूरी है।

प्रगति का कोई अंत नहीं है। इंसान पहले सुपरमैन, फिर देवता और उसके बाद भगवान बनना चाहता है, लेकिन अभी यह नहीं समझना चाहिए कि बस अब हो गया। उन्हें लगातार काम करते रहना चाहिए, क्योंकि विकास का कोई अंत नहीं है। कांग्रेस ने भागवत के इस बयान को पीएम मोदी के लिए बताया था। चुनाव के बाद बाहर का माहौल अलग है। नई सरकार भी बन गई है। ऐसा क्यों हुआ, संघ को इससे मतलब नहीं है। संघ नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता। लोगों ने जनादेश दिया है, सब कुछ उसी के अनुसार होगा। क्यों? कैसे? संघ इसमें नहीं पड़ता। दुनियाभर में समाज में बदलाव आया है, जिससे व्यवस्थागत बदलाव हुए हैं। यही लोकतंत्र का सार है। जो अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मर्यादा की सीमाओं का पालन करता है, जो अपने काम पर गर्व करता है, फिर भी अनासक्त रहता है, उसमें अहंकार नहीं होता है, ऐसा व्यक्ति वास्तव में सेवक कहलाने का हकदार है। समाज नष्ट न हो इसलिए सभी को कम से कम 3 बच्चे पैदा करना जरूरी है।

देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके मुताबिक जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा। अब कोई इंसान 0.1 पैदा तो नहीं होता... इसलिए यह कम से कम तीन होना चाहिए। एक साल से मणिपुर शांति की राह देख रहा है। इससे पहले 10 साल शांत रहा और अब अचानक जो कलह वहां पर उपजी या उपजाई गई, उसकी आग में मणिपुर अभी तक जल रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है। इस पर कौन ध्यान देगा? प्राथमिकता देकर उसका विचार करना यह कर्तव्य है।

महाकाल मंदिर में भक्तों ने खूब चढ़ाया धन इस साल मिला 165 करोड़ का चढ़ावा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में इस वर्ष श्रद्धालुओं ने दिल खोलकर चढ़ावा चढ़ाया है। साल 2024 में अब तक महाकाल मंदिर प्रबंध समिति को 1 अरब 65 करोड़ से अधिक का दान प्राप्त हुआ है। जबकि साल खत्म होने में अभी 15 दिन का समय बाकी है। साल के अंतिम दिनों में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में मंदिर समिति की आय में इजाफा होगा।

नकद दान और सोना-चांदी से बढ़ी आय :

उज्जैन में महाकाल लोक बनने के बाद से यहां श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ी हैं। अभी जो आय सामने आई है, उसमें चार किलो चांदी और 1300 ग्राम के करीब सोने की प्राप्ति हुई है। नकद धनराशि की बात करें तो दान पेटियों से करीब 44 करोड़ रुपये, शीघ्र दर्शन से 49 करोड़, अभिषेक पूजन से 5 करोड़ 93 लाख, अन्न दान से करीब साढ़े 12 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

इसके अलावा, मंदिर समिति की धर्मशाला से साढ़े 5 करोड़, भस्म आरती बुकिंग से 90 लाख, फोटोग्राफी मासिक शुल्क से साढे 7 लाख, भाग एवं ध्वजा बुकिंग से 7 लाख 92 हजार, उज्जैन दर्शन बस सेवा से करीब 7 लाख और अन्य मदों से करीब 24 करोड़ रुपये की आय हुई है। बीते एक साल में महाकाल मंदिर में करीब 400 किलो चांदी और डेढ़ किलो सोना भी दान के रूप में मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 3 करोड़ ये अधिक आंकी गई है। श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर नीरज सिंह ने बताया कि अभी तक विभिन्न माध्यमों से लगभग 165 करोड़ की आय हुई है, जिसमें लड्डू प्रसाद भी शामिल है। इस धनराशि का उपयोग यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए किया जाएगा।

उद्धव ने सीएम से की मुलाकात, आदित्य भी रहे मौजूद

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को नागपुर में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से विधान भवन में उनके कक्ष में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, उद्धव ठाकरे के साथ शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे, अनिल परब और वरुण सरदेसाई भी मौजूद थे। बता दें कि उद्धव ठाकरे राज्य विधानमंडल के चल रहे शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए मंगलवार को नागपुर पहुंचे थे।

फडणवीस से मुलाकात के बाद बोले आदित्य :

सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा आज हमारे पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मुलाकात की। यह एक कदम आगे है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के लिए काम करते समय, दोनों (सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष) को देश और राज्य के हित के लिए एक साथ काम करने के लिए राजनीतिक परिपक्वता दिखानी चाहिए। इसके साथ ही आदित्य ठाकरे ने ये भी कहा कि मुलाकात के दौरान विपक्ष के नेता के पद पर कोई चर्चा नहीं हुई।

मुलाकात के बाद बोले महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख :

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस सीएम हैं, हम भी उनसे मिलते हैं और अब वह (उद्धव ठाकरे) उनसे मिले हैं, इसमें क्या मुद्दा है? बता दें कि 15वीं विधानसभा में विपक्ष का नेता नहीं है क्योंकि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की तीनों पार्टियां 20 नवंबर को हुए चुनाव में 10 प्रतिशत सीटें नहीं जीत पाईं। शिवसेना (यूबीटी) को 20, कांग्रेस को 16 और एनसीपी (एसपी) को 10 सीटें मिलीं। गौरतलब है कि भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 288 में से 230 सीटें जीतीं, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी केवल 46 सीटों पर सिमट गया।

उद्धव का हमला :

इससे पहले नागपुर पहुंचने के साथ ही उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान राज्य सरकार से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक लागू करने से पहले पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया की मांग की। साथ ही कहा कि चुनाव आयुक्तों का चयन भी चुनावों के माध्यम से होना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इसे कैसे किया जा सकता है।

सरकार की इस योजना पर कसा तंज

ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार की लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि पिछले महीने विधानसभा चुनाव के दौरान किए वादे के अनुसार देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को लड़की बहिन योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपये देना चाहिए। बता दें, फिलहाल महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने दिए जाते हैं।

सपा सांसद बर्क के घर पहुंची पुलिस

कड़ी सुरक्षा के बीच आवास पर लगा बिजली मीटर, पीएसी और आरएएफ की गश्त जारी

संभल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सपा के संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास पर मंगलवार को स्मार्ट मीटर लगाने के लिए फोर्स के साथ अधिकारी पहुंचे। एएसपी ने बताया कि एहतियाती तौर पर फोर्स को लगाया गया है। पुराना मीटर हटा कर स्मार्ट मीटर लगाया गया है। शहर एसडीओ संतोष त्रिपाठी ने बताया कि केबल खींचने और स्मार्ट मीटर लगाए जाने का काम दीपासराय में किया जा रहा है।

इसी क्रम में सांसद के आवास पर मीटर बदला गया है। सांसद के आवास पर लगे मीटर में कोई गड़बड़ी नहीं पकड़ी गई है। आसपास के घरों में भी स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। एसडीओ ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने से बिजली चोरी के मामले आसानी से पकड़े जा सकेंगे। कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकेगी। बताया कि 100 से ज्यादा घरों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। केबल भी खींची गई है। मालूम हो 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में सांसद नामजद आरोपी बनाए गए हैं। भीड़ को भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। इस कार्रवाई के बाद से लगातार पुलिस प्रशासन का शिकंजा सांसद पर कसता जा रहा है।

इससे पहले डीएम और एसपी के नेतृत्व में शनिवार को बिजली विभाग की टीम ने नखासा तिराहा, खग्गू सराय, रायसत्ती रोड और दीपा सराय में 49 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। इसमें चार मस्जिद और एक मदरसा भी शामिल है। बिजली विभाग ने 1.30 करोड़ रुपये की जुर्माना रिपोर्ट बनाई है। जो बिजली चोरी के आरोपियों से वसूली की जाएगी। डीएम ने बताया कि संभल शहर में सबसे ज्यादा लाइनलॉस इन्हीं इलाकों में होता है। हर महीने करोड़ों रुपये की बिजली चोरी की जाती है। इसलिए यह कार्रवाई सुबह की गई थी। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार ने बताया कि चेकिंग के दौरान 200 से ज्यादा कटिया कनेक्शन थे लेकिन कार्रवाई शुरू होते ही लोगों ने केबल हटा दिए या काट दिए। इसकी भी जांच कराई जाएगी।

पूर्व सीएम के करीबी नेता के घर ईडी के छापे, 18 गाड़ियों से पहुंची टीम

देहरादून, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम के करीबी माने जाने वाले एक कांग्रेस नेता के घर ईडी की छापेमारी से हड़कंप मचा हुआ है। ये छापेमारी उत्तराखंड के देहरादून स्थित चमन विहार में कांग्रेस नेता व प्रॉपर्टी डीलर राजीव जैन के ठिकानों पर चल रही है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह चार बजे ही ईडी की 18 गाड़ियां राजीव जैन के घर के बाहर पहुंच गई थी। राजीव जैन के घर पर ईडी की कार्रवाई चल रही है। इन 18 गाड़ियों के काफिले से ईडी और सीआईएसएफ की टीम राजीव जैन के घर पहुंची। आज सुबह चार बजे से राजीव जैन के घर पर ईडी की छापेमारी चल रही है। ईडी की टीम राजीव जैन के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। कई दस्तावेज अब तक ईडी ने बरामद कर लिए हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। हालांकि अभी तक अधिकारियों ने इस छापेमारी के बारे में कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। ईडी की छापेमारी से पूरे राज्य में चर्चाओं का दौर चल रहा है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के दौरान करोड़ों की जमीन के दस्तावेज और कुछ नकदी भी बरामद हुई है। राजीव जैन पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के करीबी रहे हैं। बताया जा रहा है कि राजीव जैन पर करोड़ों के धन शोधन का मामला भी बन सकता है। हालांकि शाम तक इस कार्रवाई की पूरी डिटेल सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

भाभी को चुपके-चुपके ताक रहा था देवर, बड़े भैया ने टोका तो ले आया कुल्हाड़ी, फिर कर डाला क्राइम

गुना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गुना में रिश्तों को तार-तार कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक युवक ने अपने मामा के दो बेटों को कुल्हाड़ी से हमला करके मार डाला। तीसरे ने जैसे-तैसे वहां से भागकर अपनी जान बचाई। युवक मामा के बेटे की पत्नी यानि अपनी ही भाभी को रात के समय चुपके-चुपके ताक रहा था। भाई ने जब उसे ऐसा करते देख लिया तो उसने उसे खूब लताड़ लगाई। बस यही बात युवक को पसंद नहीं आई। वो गुस्से में अपने घर गया। वहां से वो कुल्हाड़ी उठाकर लाया। साथ ही वो अपने सगे भाइयों को भी ले आया। जिस भाई ने उसे डांटा था, पहले उस पर कुल्हाड़ी से हमला किया। इससे भाई की मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर अन्य दो भाई भी बीच बचाव के लिए आए। युवक ने उन पर भी हमला कर दिया। एक की मौत हो गई, जबकी दूसरा वहां से भाग गया। इससे उसकी जान बच गई। फिलहाल चारों आरोपी फरार हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

पहले सबरीमाला पहाड़ की चढ़ाई की, फिर नीचे लगा दी छलांग, अय्यपा मंदिर में श्रद्धालु ने की आत्महत्या

पत्तिनमथिट्टा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के पत्तिनमथिट्टा जिले के सबरीमाला के प्रसिद्ध अय्यपा मंदिर में एक पत्तिनमथिट्टा श्रद्धालु ने आत्महत्या कर ली। मरने वाले व्यक्ति की पहचान तमिलनाडु के तिरुवल्लुवर जिले के जगन संपत के रूप में हुई है। मंदिर परिसर में श्रद्धालु द्वारा आत्महत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार की शाम को जगन संपत ने सबरीमाला पहाड़ की चढ़ाई की थी। इसके बाद मंदिर परिसर में बने घी अभिषेक काउंटर की छत से उन्होंने अचानक छलांग लगा दी। नीचे मौजूद लोगों ने तुरंत मंदिर प्रबंधन को अलर्ट किया। इसके बाद उन्हें चिकित्सकीय सहायता दी गई, लेकिन अधिक खून बह जाने के चलते अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मृत्यु हो गई है। खुदकुशी के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। सबरीमाला पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बंद कमरे में गैर मर्द के साथ थी पत्नी

पति हो गया आपे से बाहर, युवक की कर दी पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में युवक की पीट-पीटकर हत्या का सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दरअसल, सोमवार को पति ने अपनी पत्नी को युवक के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया। उसके बाद पति अपना आपा खो बैठा और रिश्तेदारों के साथ मिलकर पीड़ित युवक हत्या कर दी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक यह घटना शास्त्री पार्क इलाके की है। इस वारदात को आरोपी ने उस समय अंजाम दिया जब उसने अपनी पत्नी को घर में पराये युवक के साथ आपत्तिजनक हालात में देख लिया। इसके बाद पति अपना आपा खो बैठा। उसने पत्नी के साथ पकड़े गए 21 वर्षीय युवक की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी।

'तुम बोलो तो बैठूं, बोलो तो खड़ा रहूं'

छगन भुजबल ऐसा आदमी नहीं है', पूर्व डिप्टी सीएम ने खोला अजीत पवार के खिलाफ मोर्चा

नासिक, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में फडणवीस कैबिनेट में मंत्री नहीं बनाए जाने पर एनसीपी (अजीत पवार) गुट के सीनियर नेता छगन भुजबल ने पार्टी प्रमुख अजीत पवार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नासिक में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद छगन भुजबल ने अजीत पवार पर जमकर निशाना साधा। भुजवल ने कहा कि तुम बोलो तो बैंठू, तुम बोलो तो खड़ा रहूं।। छगन भुजबल ऐसा आदमी नहीं है। मैं कोई खिलौना नहीं हूं। आज मैंने अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत की, मेरे कार्यकर्ता काफी दुखी है, व्यथित हैं।

पार्टी पर अपमानित करने का लगाया आरोप

नासिक में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद छगन भुजबल ने कहा कि मेरी नाराजगी मंत्री पद को लेकर नहीं है लेकिन जिस तरह से नजरअंदाज किया गया वह उचित नहीं था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी चाहते थे कि मैं उनके मंत्रिमंडल में रहूं। उन्होंने कहा कि मुझे मंत्रिमंडल में शामिल इसलिए नहीं किया गया क्योंकि मैंने मराठा नेता मनोज जारांगे पाटिल के खिलाफ बोला था। भुजबल ने अपमानित किए जाने का आरोप लगाया।

अजीत पवार पर लगाया ये आरोप

भुजवल ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मुझे एक महीने तक लटका कर रखा गया, पहले कहा गया आप चुनाव लड़ोगे फिर महीने भर तक मेरे नाम का ऐलान नहीं किया गया। विधानसभा चुनाव का टिकट देते वक्त भी इंतजार करवाया गया। अब कह रहे हैं कि राज्यसभा चले जाओ।। मैंने विधानसभा चुनाव में लोगों से वादा किया है। लोगों की समस्याओं का समाधान किए बिना राज्यसभा कैसे जा सकता हूं। छगन भुजबल ने कहा कि वह कल अपने सभी समर्थकों के साथ मुलाकात करेंगे

अजीत पवार के ऑफर को ठुकराया

महाराष्ट्र में नई महायुति सरकार में शामिल नहीं किए जाने से निराश छगन भुजबल ने दावा किया है कि उन्हें आठ दिन पहले राज्यसभा सीट की पेशकश की गई थी लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया था। भुजबल ने कहा कि उन्होंने राज्यसभा सीट के प्रस्ताव को खारिज कर दिया क्योंकि यह उनके विधानसभा क्षेत्र के साथ विश्वासघात होगा, जिसे उन्होंने पिछले महीने राज्य चुनाव में जीता था। बता दें कि भुजवल विधानसभा के शीतकालीन सत्र को बीच में ही छोड़कर नासिक लौट आए हैं।

अमृतसर के इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन के पास हुआ तेज धमाका

स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल

अमृतसर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर के इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन के पास मंगलवार तड़के तेज संदिग्ध धमाके की आवाज सुनी गई। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 3 बजे इस धमाके की आवाज से लोगों की नींद खुल गई। इलाके के लोगों में दहशत फैल गई। थाना इस्लामाबाद के पुलिस अधिकारी जसबीर सिंह ने कहा कि हमने भी आवाज सुनी है, लेकिन थाने में कोई विस्फोट नहीं हुआ है। इसके बाद से ये पता लगाया जा रहा है आखिर विस्फोट कहां हुआ है? इस मामले पर स्थानीय पुलिस अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। वहीं, इस ब्लास्ट की जिम्मेदारी गैंगस्टर जीवन फौजी ने ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विस्फोट करीब तीन बजे हुआ है। विस्फोट इतना तेज था कि घर के अंदर दीवार पर लगी तस्वीर भी गिर गई। हालांकि, अब तक पंजाब पुलिस ब्लास्ट की जिम्मदारी लेने वाले गैंगस्टर के बारे में कुछ भी पुष्टि नहीं की है। पिछले कई दिनों से पंजाब में पुलिस स्टेशन के पास ही ऐसे ही धमाके किए जा रहे हैं। पुलिस स्टेशन के पास धमाके की ये छठी घटना है। 4 दिसंबर को अमृतसर के मजीठा थाने में धमाका हुआ था। हाल ही में अजनाला थाने के बाहर भी एक आईईडी बरामद हुआ था। अमृतसर पुलिस कमिश्नरेट के गुरबक्श नगर पुलिस चौकी के अंदर भी धमाका हुआ था।

पंजाब में किसान आज करेंगे 'रेल रोको' आंदोलन

सरवन सिंह पंढेर ने किया बड़ा ऐलान

चंडीगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। शंभू बॉर्डर पर प्रगर्शन कर रहे किसानों ने बुधवार को 'रेल रोको'आंदोलन का आह्वान किया है। अमृतसर में किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने मंगलवार को कहा कि पंजाब में बुधवार को दोपहर 12 बजे से तीन घंटे के लिए 'रेल रोको' आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने पंजाब के लोगों से विरोध प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की। पंढेर ने कहा कि कल हम पंजाब में रेल रोकेंगे। मैं सभी से दोपहर 12 से 3 बजे तक रेलवे रोकने का आग्रह करता हूं।

सरवन सिंह पंढेर ने केंद्र पर बोला हमला

उन्होंने सभी से किसानों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि किसानों का अधिक से अधिक समर्थन करें। पंढेर ने कहा कि पंजाबियों को एक होकर लड़ने की जरूरत है। पंधेर ने कहा कि 13

जनवरी से शुरू हुए किसान मजदूर मोर्चा को आज 309 दिन हो गए हैं और डल्लेवाल की भूख हड़ताल 22वें दिन में प्रवेश कर गई है। फिर भी मोदी सरकार हठधर्मिता पर अड़ी है। उन्हें लगता है कि वे इसमें सफल होंगे हमारी मांगों को दबा रहे हैं।

पंजाब के लोगों से की ये अपील

पंढेर के आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर किसानों की आवाज दबा रहे हैं। मैं कल के ट्रैक्टर मार्च के लिए हरियाणा के किसान-मजदूरों को धन्यवाद देता हूं। मैं पंजाब के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे कल दोपहर 12 से 3 बजे तक रेलवे क्रॉसिंग और रेलवे स्टेशनों को अवरुद्ध करें। जगजीत सिंह डल्लेवाल की भूख हड़ताल के बारे में पूछे जाने पर पंधेर ने कहा कि डल्लेवाल की स्वास्थ्य स्थिति गंभीर है। पंधेर ने कहा कि अगर डल्लेवाल को कुछ हुआ तो इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पर 140 करोड़ भारतीयों, 3 करोड़ पंजाबियों और 2.5 करोड़ हरियाणवियों का दबाव है। हमारी 12 मांगें हैं।

पति की जमानत के लिए महिला ने बेच दी बेटी, दादी की शिकायत पर खुला राज

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की माटुंगा पुलिस ने मुंबई, गुजरात और कर्नाटक में फैले अंतरराज्यीय बाल तस्करी रैकेट में शामिल आठ महिलाओं समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तार महिलाओं में एक 32 वर्षीय महिला ने अपने ही बच्चे को एक लाख रुपये में बेच दिया था। महिला ने बताया कि उसने अपनी बेटी को इसलिए बेचा क्योंकि उसके पास जेल में बंद पति की जमानत कराने के पैसे नहीं थे। महिला की सास की शिकायत के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, रेलवे पुलिस की ओर से चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए गर्भवती महिला के पति ने बायकुला जेल में मुलाकात के दौरान महिला से जमानत राशि की जरूरत पर चर्चा की थी। इसके बाद उसने कथित तौर पर धन जुटाने के लिए अपने बच्चे को बेचने का फैसला किया।

आंत में छुपाकर दुबई से सोना ला रही थी महिला दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने पकड़ा

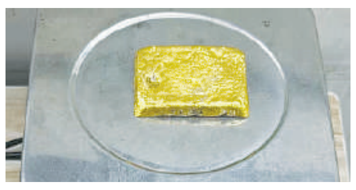

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 770 ग्राम गोल्ड पेस्ट के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र की रहने वाली महिला यात्री दुबई से बैंकाक, बैंकाक से नेपाल और नेपाल से भारत के आईजीआई एयरपोर्ट पर यह सोना लेकर पहुंची थी। महिला ने गोल्ड पेस्ट को तीन कैप्सूल में भरकर अपनी आंत में छुपाया हुआ था। कस्टम विभाग ने महिला को गिरफ्तार कर सोना सीज कर लिया है। वहीं बरामद सोने की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, कस्टम विभाग को इंटेलीजेंस इनपुट मिला था, जिसके बाद महिला की जांच की गई। पिछले दो दिनों में दिल्ली एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग मामलों में कस्टम विभाग ने गोल्ड स्मगलिंग के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। कस्टम डिपार्टमेंट ने अपने एक बयान में बताया है कि खुफिया जानकारी के आधार पर दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने दो लोगों को रोका।

उनकी तलाशी ली गई। इस दौरान एक शख्स के अंडरगारमेंट्स में छिपा सोने का पेस्ट बरामद किया गया। इसके बाद विस्तार से तलाशी में पेस्ट युक्त थैलियां मिलीं, जिनमें से 24 कैरेट सोना निकाला गया है। एक अधिकारी ने बताया कि उनके पास से कुल 931.57 ग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 68.93 लाख रुपये है। दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अन्य मामले में इलेक्ट्रिक एडॉप्टर में छिपाकर लाया गया 300 ग्राम सोना जब्त किया गया है।

आप विधायक चैतर वसावा हिरासत में लिए गए; आत्मसमर्पण करने जा रहे थे

अहमदाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के नर्मदा जिले में मंगलवार को आप विधायक चैतर वसावा और उनके करीब 100 समर्थकों को हिरासत में लिया गया। कार्रवाई उस वक्त की गई, जब वह अपने खिलाफ दर्ज एक मामले में पड़ोसी भरूच के एक पुलिस थाने में आत्मसमर्पण करने जा रहे थे। डेडियापाड़ा पुलिस थाने के निरीक्षक प्रकाश पंड्या ने बताया कि विधायक बिना किसी नोटिस के पुलिस के सामने पेश होने जा रहे थे। इस वजह से कानून और व्यवस्था की चिंताओं के कारण उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। पंड्या ने बताया कि कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखकर हमने वसावा और उनके करीब 100 समर्थकों को नवगाम में हिरासत में लिया। वे 10 दिसंबर को विधायक के खिलाफ दर्ज एक एफआईआर के सिलसिले में अंकलेश्वर के एक पुलिस थाने जा रहे थे। आदिवासी नेता वसावा पर 3 दिसंबर को भरूच जिले के अंकलेश्वर जीआईडीसी (गुजरात औद्योगिक विकास निगम) में एक औद्योगिक इकाई के परिसर में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। यहां बॉयलर में विस्फोट होने से चार श्रमिकों की मौत हो गई थी।

अंकलेश्वर जीआईडीसी पुलिस स्टेशन में 10 दिसंबर को दर्ज की गई एफआईआर में वसावा पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। इन धाराओं में सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालना, सरकारी कर्मचारी को चोट पहुंचाने की धमकी, आपराधिक अतिक्रमण और गलत तरीके से रोकने के आरोप लगाए गए थे। एफआईआर में कहा गया कि वसावा और उनके समर्थकों ने बचाव अभियान के दौरान जबरन फैक्ट्री परिसर में प्रवेश किया। वे मृतक श्रमिकों के रिश्तेदारों से मिलने गए। उन्होंने पुलिस और अन्य अधिकारियों को उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोका। यहां तक कि उन्होंने फैक्ट्री अधिकारियों को धमकाया। एफआईआर में कहा गया कि उन्होंने पुलिस और सरकार के खिलाफ श्रमिकों के रिश्तेदारों को भी भड़काया। इस बीच वसावा ने कहा कि वह एफआईआर के सिलसिले में पुलिस के सामने पेश होने जा रहे थे, क्योंकि उन्हें गलत तरीके से फंसाया गया था।

गुजरात में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और बस की जोरदार टक्कर, छह लोगों की मौत

भावनगर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के भावनगर सोमनाथ नेशनल हाईवे पर त्रापज गांव के पास खड़े रेत से भरे ट्रक के पीछे एक निजी लक्ज़री बस घुस गई और इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद अलंग पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद चीख पुकार मची है। हादसे में घायलो का इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक सोमनाथ नेशनल हाईवे पर त्रापज गांव से आगे खड़ा ट्रक अचानक लक्ज़री बस से टकरा गया। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और 108 एंबुलेंस का काफिला पहुंचा और घायलों को तलाजा अस्पताल भेजा गया है। अलंग पीएसओ ने टेलीफोनिक बातचीत में बताया कि, मंगलवार की सुबह के समय त्रापज गांव के पास बायपास रोड के पास खड़ा ट्रक और बस के टकराने की घटना हुई। इसमें कुछ लोगों की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं। तलाजा सीएचसी के सुपरिटेंडेंट एम।बी। साकिया ने टेलीफोन पर बताया कि इस हादसे में छह शव अस्पताल लाए गए हैं और 7 से 8 घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

अरविंद केजरीवाल के चुनाव लड़ने पर प्रवेश वर्मा बोले- 'पूर्व सीएम अब आम आदमी होने का दावा नहीं कर सकते'

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा सीट से आप और कांग्रेस का उम्मीदवार तय होने के बाद पश्चिमी दिल्ली से दो बार सांसद रहे प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने बीजेपी का प्रत्याशी कौन, के सवाल का चौंकाने वाला जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी उन्हें नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ाना चाहती है। वह आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित को कड़ी टक्कर के लिए तैयार हैं। दिल्ली के पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा ने कहा, लोगों ने 11 साल तक केजरीवाल पर भरोसा किया। उन्हें अपना कीमती वोट देकर नई दिल्ली से वोट दिया, लेकिन उन्होंने मतदाताओं को धोखा दिया। लोग उन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। दिल्ली के मतदाता इस बार उनकी जमानत जब्त कराने की तैयारी में है। प्रवेश वर्मा ने यह बयान आप द्वारा अपने उम्मीदवारों की अंतिम सूची घोषित करने और नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल को उम्मीदवार बनाने के बाद दिया है। बीजेपी नेता ने कहा, अरविंद केजरीवाल खुद को आम आदमी नहीं कह सकते। केजरीवाल ने अपने बंगले के जीर्णोद्धार पर 100 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा, कोई उन्हें आम आदमी कैसे कह सकता है? आप बड़े कपड़े पहनकर, कलम रखकर और फटे जूते पहनकर आम आदमी नहीं बनते, बल्कि झुग्गी-झोपड़ियों के लोगों को सुविधाएं देकर आम आदमी बनते हैं। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने 2013 और 2015 के विधानसभा चुनावों में शीला दीक्षित को हराया था। जबकि उन्होंने 2020 के चुनावों में बीजेपी के सुनील कुमार यादव को हराया। बता दें कि दिल्ली की 70 विधानसभा की सीटों पर चुनाव अगले साल की शुरुआत में होने की उम्मीद है। इस बार दिल्ली विधानसभा का चुनाव त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है।

बहरीन जा रहे विमान के टायर में गड़बड़ी; कोचिन एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई

कोच्चि, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कोचिन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बहरीन के लिए उड़ान भरने वाले एक यात्री विमान को तकनीकी समस्या की वजह से वापस लौटना पड़ा। विमान के टायर में संदिग्ध समस्या की रिपोर्ट के बाद उसे वापस बुला लिया गया। हवाई अड्डे के एक सूत्र ने बताया कि मंगलवार को समस्या का पता उड़ान भरने के तुरंत बाद ही चल गया था। एहतियात के तौर पर विमान को यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोचिन एयरपोर्ट पर वापस लौटने का निर्देश दिया गया। हवाई अड्डे के प्रवक्ता के मुताबिक, टायर में समस्या के संदेह के चलते बहरीन जाने वाले एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को सुरक्षित उतार लिया गया।

मंदिर-मस्जिद के बीच हो रहे निर्माण पर चला बुलडोजर, इलाके में भारी पुलिसबल तैनात

उज्जैन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक बार फिर मोहन सरकार का बुलडोजर एक्शन देखने को मिला है। यहां प्रसिद्ध चामुंडा माता मंदिर के पास स्थित एक मस्जिद के पास हो रहे अवैध निर्माण पर नगर निगम ने कार्रवाई की है। यह कार्रवाई एक हिंदू संगठन की शिकायत पर की गई। शिकायत मे बताया गया था कि मंदिर और मस्जिद के बीच दुकानों और गोडाउन का अवैध निर्माण कराया जा रहा था, जिसे हटाया जाना चाहिए। शिकायत मिलने के बाद नगर निगम अफसरों की टीम ने मौके पर जाकर जांच की, जिसमें उन्होंने शिकायत को सही पाया। नगर निगम की टीम ने फिर बुलडोजर बुलवा कर दुकानों और गोडाउन को जमींदोज करवा दिया। इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा। हिंदू जागरण मंच ने नगर निगम और पुलिस प्रशासन से इस बारे मे शिकायत की थी। इसमें उनका साथ स्थानीय लोगों ने भी दिया। संगठन के कार्यकतार्ओं ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने अवैध निर्माण को लेकर आपत्ति जताई थी और उसे हटाने की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा था कि अगर यह अवैध निर्माण हटाया नहीं गया तो वह एक बड़ा आंदोलन भी करेंगे। इसके बाद नगर निगम की टीम ने जेसीबी की सहायता से इन अवैध हिस्सों को हटाया। बता दें कि, यह अवैध निर्माण विवेक पुरोहित नाम का व्यापारी करवा रहा था जिसे नगर निगम ने कई बार नोटिस जारी कर चुका है।

जामिया मिलिया इस्लामिया में गूंजा एक बार फिर आपत्तिजनक नारा, लगे दिल्ली पुलिस मुर्दाबाद के नारे

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कैंपस में एक बार फिर आपत्तिजनक नारे लगने की बात सामने आ रही है। जामिया कैंपस एक बार फिर आपत्तिजनक नारेबाजी से गूंज उठा, जब जामिया हिंसा की पांचवीं बरसी पर एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन के दौरान ला इलाहा इल्लालाहा जैसे नारे लगे। साथ ही दिल्ली पुलिस मुर्दाबाद के भी नारे भी सुनाई दिए। बता दें कि 15 दिसंबर को जामिया में कुछ छात्र संगठन सीएए विरोधी प्रदर्शनों और 2019 में दिल्ली पुलिस के कैंपस में घुसने की पांचवीं बरसी मना रहे थे। इसी दौरान ये नारे कैंपस में सुनाई दिए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों को तेरा मेरा रिश्ता क्या, ला इलाहा इल्लल्लाह, नारा ए तकबीर अल्लाह हू अकबर और हम लेके रहेंगे आजादी जैसे नारे लगाते हुए देखा गया। इसके साथ ही जामिया प्रशासन मुर्दाबाद, दिल्ली पुलिस मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए। यह नारे 15 दिसंबर को हुए सीएए विरोधी प्रदर्शनों और 2019 में दिल्ली पुलिस के कैंपस में घुसने की पांचवीं बरसी के अवसर पर लगाए गए थे। हालांकि यूनिवर्सिटी ने एक दिन पहले 15 दिसंबर को सभी कक्षाओं को निलंबित कर दिया था, साथ ही लाइब्रेरी व कैंटीन को बंद करने का नोटिस जारी किए थे। गौरतलब है कि 15 दिसंबर 2019 को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली पुलिस जामिया परिसर में घुसी थी, जिसके बाद छात्रों के साथ मारपीट हुई थी। इस घटना को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुआ था। सीएए विरोधी प्रदर्शनों और पुलिस बर्बरता की बरसी पर एक स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगाए गए।

छात्र संघठन ने झाड़ा पल्ला

हालांकि इसे लेकर एनएसयूआई जामिया प्रेजिडेंट अदनान ने कहा कि हमने तो शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था, ये शाम में हुआ था प्रदर्शन। इस तरह के नारे न हमने लगाए न हमें इनकी जानकारी है। जामिया प्रशासन ने 15 दिसंबर को सेंट्रल लाइब्रेरी और कैंटीन मेंटेनेंस के नाम पर बंद कर दी थी जिससे भी छात्र नारा थे क्योंकि प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है।

'जल्द सभी थानों के अंदर बने मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों की लिस्ट दें'

हाईकोर्ट ने एमपी सरकार को दिए आदेश

जबलपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की सरकार को जल्द ही राज्य के सभी थानों में बने मंदिर या फिर अन्य धार्मिक स्थलों की लिस्ट हाइकोर्ट के आगे पेश करना होगा। मध्य प्रदेश के जबलपुर हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश शासन को आदेश दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई की।

शासन से पूछा सवाल?

बेंच ने मामले में कहा कि जल्द से जल्द राज्य सरकार पूरे प्रदेश के थानों के अंदर बने मंदिर और अन्य धार्मिक स्थलों की पूरी सूची पेश करे। हाईकोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है कि प्रदेश के किस थाने में कब मंदिर बनाए गए और मंदिर बनाने के लिए आखिर किसने आदेश दिए थे? इसके जवाब के लिए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए 7 दिन की आखिरी मोहलत दी है। इससे पहले 19 नवंबर और इसके पहले 4 नवंबर को भी हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा था।

डाली गई थी एक याचिका

याचिकाकर्ता ओपी यादव ने जबलपुर शहर के सिविल लाइन, लार्डगंज, मदनमहल और विजय नगर थाने में बने मंदिरों की फोटो भी याचिका में लगाई। उन्होंने बताया था कि पुलिस अफसर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। एक महीने पहले याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैथ की डिवीजन बेंच ने प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन और डीजीपी को नोटिस देकर जवाब मांगा था।

लगाई गई थी रोक

नोटिस गृह विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग को भी दिए गए। एक महीने पूर्व भी इस मामले पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने थानों में बन रहे मंदिरों पर रोक लगाई थी। मामले पर सरकार ने प्रारंभिक आपत्तियां भी बताई थीं जिसे हाईकोर्ट ने मानने से इंकार कर दिया है। अब सरकार जल्द ही इस पर रिपोर्ट सौंप सकती है या फिर कोर्ट से समय की मांग कर सकती है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 18 दिसंबर, 2024

सु वि चा र: जो स्वयं को हर परिस्थितियों के अनुसार ढालना जानता है, उसे जीवन जीने की कला आ जाती है

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/एससी/179-188/2024/ओटी, दि. 11-12-2024

पीआरओ/1248/24

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 10-01-2025 को 14.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 01. ई-निविदा सं. : 179_एन_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनों : एसडब्ल्यूडी-1 : एमएजीएच, एन/केजेडजे एवं पीडीपीएल पर पी.वे. स्टोरेज फेसिलिटीज/ ऑफिस में सुधार/विकास और ओपीएल जेएमकेटी एवं पीडीपीएल पर ट्रॉली शेड, एसडब्ल्यू-2 : एसकेजेडआर स्टेशन पर एसएसई/पी.वे./ ऑफिस में स्टोर शेड का प्रावधान। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 2,72,72,030/-, **पूधरा** : रु. 2,86,400/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 12, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36.

क्रम सं. 02. ई-निविदा सं. : 180_एन_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शन : एसडब्ल्यू-1 : रेचिनी स्टेशन पर : पीक्यूआरएस साइडिंग के लिए रिटेनिंग वॉल एवं अप्रोच रोड का प्रावधान। एसडब्ल्यू-2 : i) जम्मीकुंटा स्टेशन पर : पीक्यूआरएस साइडिंग के लिए साइड ड्रेन का प्रावधान, ii) कोलानुर एवं मंदामर्री स्टेशन पर : पीक्यूआरएस साइडिंग के लिए रिटेनिंग वॉल का प्रावधान। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु.6,79,66,639/-, **पूधरा** : रु. 4,89,900/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 12, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36

क्रम सं. 03. ई-निविदा सं. : 181_एन_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शन : एसडब्ल्यू-1 : सिरपुर टाउन स्टेशन पर बैलेस्ट डिपो पर रेलवे विनिर्देशन के अनुसार 50 एमएम गेज हार्ड एवं ड्यूरेबल मशीन से तोड़े हुए स्टोन बैलेस्ट की आपूर्ति एवं भण्डारण एवं उसकी यांत्रिकी साधनों द्वारा रेलवे हुप्पर्स/ट्रैफिक बैलेस्ट वैगनों में लोडिंग (मात्रा : 1,00,000 सीयूएम) एसडब्ल्यू-2 : सिरपुर टाउन स्टेशन : i) नये बैलेस्ट साइडिंग का प्रावधान, ii) बैलेस्ट साइडिंग के लिए बफ़र छोर और फॉर्मेशन, अप्रोच रोड, यार्ड ड्रेन का प्रावधान (दो लिफाफा प्रणाली), **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 13,13,38,204/-, **पूधरा** : रु. 8,06,700/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 27, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 45 (दिन).

क्रम सं. 04. ई-निविदा सं. : 182_डब्ल्यू_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : एसडब्ल्यू-1 : एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन : एडीईएन/टीडीयू सेक्शन के अन्तर्गत एलसी गेटों पर सड़क सतहों की मरम्मत एवं अन्य मूलभूत सुविधाएँ। एसडब्ल्यू-2 : एससी-डब्ल्यूडी सेक्शन : एडीईएन/वीकेबी सेक्शन के अन्तर्गत एलसी गेटों पर सड़क सतहों की मरम्मत एवं अन्य मूलभूत सुविधाएँ। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 1,09,16,226/-, **पूधरा** : रु. 2,04,600/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 04, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 06

क्रम सं. 05. ई-निविदा सं. : 183_बीआरएस_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : एसडब्ल्यू-1 : एससी डिवीज़न बड़े पुलों की विशेष मरम्मत - डीकेजे - एमयूजीआर सेक्शन में पुल सं. 81, 83, 85, 86, 92, 100, 102, 106, 107, 114, 125, 145, 155, 9 केके एवं 155, वीकेबी - पीआरएलआई में पुल सं. 33, 182ए, 130ए, एसएनएफ - एमएलवाई सेक्शन में पुल सं. 6, 7, 8, एससी - केजेडजे सेक्शन में पुल सं. 255बी, केजेडजे - बीपीक्यू सेक्शन में 8ए मेन लाइन आरयूबी, पुल सं. 8ए लूप एवं एमटीएमआई- जेपीटीएन सेक्शन में पुल सं. 53 पर ट्रैक के समानांतर साइड पाथ वे की आपूर्ति, फेब्रिकेटिंग एवं फिटिंग्स। एसी - डब्ल्यूडी सेक्शन। एसडब्ल्यू -2 : एससी - डब्ल्यूडी सेक्शन के एससी - एचएसजे स्टेशनों के मध्य किमी 190/37-41 पर स्पैन 4X17.19 मीटर्स के पुल सं. 239 अप के गर्डरों के जीर्ण टाप फ्लेंज का बदलाव। एसडब्ल्यू-3 : एससी - डब्ल्यूडी सेक्शन के एससी - एचएसजे स्टेशनों के मध्य किमी 190/38-42 पर स्पैन 4X17.19 मीटर्स के पुल सं. 239 डाउन के गिर्डरों के जीर्ण टाप फ्लेंज का बदलाव। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 3,23,29,122/-, **पूधरा** : रु. 3,11,700/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 12, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36

क्रम सं. 06. ई-निविदा सं. : 184_सीओ_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : एसएसई/डब्ल्यू/एससी, एसएसई/डब्ल्यू/एचवाईबी एवं एसएसई/डब्ल्यू/संचालन भवन सेक्शन के अंतर्गत, सीवरेज सिस्टम, जिसमें प्रिवेंटिव साथ ही ट्रबल शुटिंग शामिल है का नियमित रखरखाव (2 वर्ष के लिए)। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 1,61,07,153/-, **पूधरा** : रु. 2,30,600/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 24, **रखरखाव अवधि महीनों में** : कुछ नहीं

क्रम सं. 07. ई-निविदा सं. : 185_सीओ_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : सिकन्दराबाद कोचिंग डिपो - अवरचना सुविधाओं का विकास - सिकन्दराबाद पर विद्यमान शेड साइज 36X23 मी को विधिवत ध्वस्त कर ईओटी क्रेन सुविधाओं के साथ आईओएच शेड साइज 50X23 मी का निर्माण। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 6,10,16,487/-, **पूधरा** : रु. 4,55,100/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 15, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36

क्रम सं. 08. ई-निविदा सं. : 186_सीओ_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : सिकन्दराबाद कोचिंग डिपो - आधारभूत ढाँचा सुविधाओं का विकास, आईओएच शेड स्टोर्स के कर्मचारी के लिए 60.00X8.00 एम (जी+1) के सर्विस बिल्डिंग, वाहन पार्किंग शेड (50X5 एम), गैरेज शेड (25X12 एम) एवं पथ वे का निर्माण। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 4,61,14,660/-, **पूधरा** : रु. 3,80,600/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 15, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36

क्रम सं. 09. ई-निविदा सं. : 187_एनडब्ल्यू_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : एसडब्ल्यू-1 : बीदर पर अतिक्रमण वाले असुरक्षित स्थानों पर बाउंड्री वाल की मरम्मत एवं पुन:बंहाली, एसडब्ल्यू-2 : पर्ली वैजनाथ (पीआरएलआई) पर स्टाफ क्वार्टर्स, कॉलोनी सड़कों, रनिंग रूमों की बड़ी मरम्मत एवं पानगाँव (पीएनएफ) पर स्टाफ क्वार्टर्स एवं कॉलोनी सड़कों की मरम्मत। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 1,28,23,179/-, **पूधरा** : रु. 2,14,200/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 09, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 06

क्रम सं. 10. ई-निविदा सं. : 188_सीआर_एससी_24_ओटी. **कार्य का नाम** : एससी - केजेडजे सेक्शन : केजेडजे स्टेशन पर वड्डेपल्ली लेक से केजेडजे तक पाइप लाइन नेटवर्क की मरम्मत। **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 1,44,01,149/-, **पूधरा** : रु. 2,22,100/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में** : 06, **रखरखाव अवधि महीनों में** : 36

1. निविदादाताओं को केवल ई-निविदाकरण के माध्यम से भाग लेना होगा और कोई भी मैनुअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि पूर्व धरोहर राशि केवल ऑनलाइन पेमेंट्स/बीजी के माध्यम से प्रेषित करें।
3. रेलवे बिना कोई कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि जीएसटीआईएन पहचान नंबर प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें।

सीनि. डीईएन/को-आर्ड/सिकन्दराबाद

A1599

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

कोमुरावेली मल्लिकार्जुन स्वामी कल्याणोत्सव में भाग लेने का अनुरोध

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को विधानसभा में अपने कार्यालय में आमंत्रित किया, उनसे कोमुरावेली मल्लिकार्जुन स्वामी के कल्याणोत्सव में आने का अनुरोध किया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री को वेदशिर्वचन दिये तथा स्वामी का अंगवस्त्र, तीर्थप्रसाद एवं चित्र भेंट किया। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी को मंदिर आयोजकों ने मल्लन्ना कल्याणोत्सवम के लिए आमंत्रित किया था। इससे पहले, मंदिर अधिकारियों ने कोमुरावेली मल्लन्ना के कल्याण के लिए मंत्री सुरेखा को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर आमंत्रित किया था। मंत्री को वेदशिर्वचन भेंट किए गए और तीर्थप्रसाद, अंगवस्त्र और स्वामी का चित्र अर्पित किया गया। कोमुरावेली मंदिर के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि मेला 29 दिसंबर को सुबह 10.45 बजे 19 जनवरी 2025 से 23 मार्च 2025 तक 10 (रविवार) सप्ताह तक भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने सीएम को कल्याण एवं मेलों के अवसर पर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों के बारे में बताया। मंत्री कोंडा सुरेखा मंदिर के कार्यकारी अधिकारी बालाजी से कल्याणोत्सव की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। कल्याण मंच पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया गया है। मंत्री सुरेखा ने स्वामी के कल्याण और मेलों में आने वाले भक्तों की बड़ी संख्या को देखते हुए ईओ को बुनियादी सुविधाओं के निर्माण का आदेश दिया। इस कार्यक्रम में जनगांव जिला कांग्रेस अध्यक्ष कोम्मुरी प्रताप रेड्डी, कोमुरावेली मल्लन्ना मंदिर ईओ बालाजी, पुजारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

फॉक्सकॉन तेलंगाना से कहीं नहीं जा रही है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने इस बात पर जोर दिया है कि ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स अनुबंध निर्माण फर्म फॉक्सकॉन तेलंगाना में मजबूती से स्थापित है और उन्होंने विपक्षी दलों से अनुरोध किया है कि वे कंपनी के बारे में भ्रामक जानकारी प्रसारित करने से बचें। मंगलवार को विधानसभा सदस्य द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा, कृपया फॉक्सकॉन के बारे में गलत सूचना न फैलाएं। यह स्पष्ट है कि कंपनी तेलंगाना में ही है। उन्होंने आगे कहा कि फॉक्सकॉन एक महत्वपूर्ण इकाई है जिसका मुख्यालय बेंगलोर में है और वह भारत भर के अन्य राज्यों में निवेश की योजना बना रही है। मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि कंपनी निकट भविष्य में तेलंगाना में पर्याप्त निवेश करने का लक्ष्य रखती है और जल्द ही इन निवेशों के बारे में घोषणा करेगी। श्रीधर बाबू ने कंपनियों के जाने के बारे में विपक्षी दलों के निराधार दावों की निंदा की और कहा कि ऐसे दावे डर पैदा करते हैं और तेलंगाना में नए व्यवसायों के आगमन में बाधा डालते हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार आईटी क्षेत्र की उन्नति के लिए समर्पित है। श्रीधर बाबू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हाल ही में हैदराबाद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को आकर्षित करने और स्टार्टअप कंपनियों को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया गया था। मंत्री ने कहा कि आईटी क्षेत्र प्रतिभा द्वारा संचालित है और संकेत दिया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समूहों के लिए आईटी रोजगार में उनके प्रवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं।

मालकपेट में गांजा ले जा रहे 5 सदस्यीय गिरोह अरेस्ट

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकपेट पुलिस ने मंगलवार को धूलपेट में गांजा ले जा रहे 5 सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 30 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, मालकपेट पुलिस की एक टीम ने मालकपेट चौराहे पर एक कार को रोका और वाहन में छिपाए गए गांजे के पैकेट बरामद किए। यदाद्री के रहने वाले पांच व्यक्ति इक्कीरी भास्कर (27), अला भरत कुमार (32), वी वामशी (25), जिड्डा किरण (22) और बोइनी वामशी (28) इसे खरीदने के बाद बलेनो कार में खेप ले जा रहे थे। डीसीपी (दक्षिण पूर्व) पाटिल कंथिलाल ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मंत्री ने चयनित साड़ियों के नमूने का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने कक्ष में स्वयं सहायता समितियों की महिलाओं को दी जाने वाली चयनित साड़ियों के नमूने का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्री सीतक्का, पोन्नम प्रभाकर, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पीसीसी अध्यक्ष एमएलसी महेश कुमार गौड़, सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, विधायक, एमएलसी और उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

तेलंगाना के 2 मजदूरों सहित 9 लोगों की मौत

जगतियाल, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दुबई में दुर्घटना में तेलंगाना के 2 मजदूरों सहित 9 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा रविवार रात फुजैराह शहर के पास कुर्पाखान घाट रोड पर एक बस के पलट जाने से हुआ। मेडिपल्ली मंडल के दम्मक्कापेटा के मूल निवासी शेरू येरन्ना (50) की मौत हो गई, उसी गांव के गजुला गंगाराजू घायल हो गए।

एक अन्य मृतक के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल पाई है। परिजनों के अनुसार, फुजैराह स्थित दुर्वेश इंजीनियरिंग एमिरेट्स कंपनी में काम करने वाले करीब 73 मजदूर रविवार को कंपनी की बस से अजमान शहर गए थे। शाम को वे खरीदारी करके अपने कैंप में वापस आ गए। जब वे कुर्पाखान घाट रोड पर पहुंचे तो ब्रेक फेल होने से बस पलट गई। इस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और करीब 30 लोग घायल हो गए। इसके अलावा तेलंगाना से दो, राजस्थान से तीन, पंजाब से दो, उत्तर प्रदेश से एक और पाकिस्तान से एक व्यक्ति की इस दुर्घटना में मौत हो गई।

विकास कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए : इलांबर्ती

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने अधिकारियों को शहर में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किए गए कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को आयुक्त ने जीएचएमसी मुख्यालय सीई भास्कर रेड्डी और डिप्टी सीई पनासा रेड्डी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जोनवार जल जमाव बिंदुओं, वर्षा जल धारण संरचना, फुट ओवर ब्रिज कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने आदेश दिया कि शहर में लोगों की जरूरतों के लिए किये जा रहे कार्यों को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा किया जाये, जिससे लोगों को कोई परेशानी नहीं हो। वे चाहते हैं कि फुट ओवर ब्रिज निर्माण के लिए आवश्यक स्थानों की पहचान की जाए। 141 जल जमाव वाले स्थानों को कम करने के लिए स्थायी संरचनाओं के प्रस्ताव तैयार किए जाएं और आने वाले बरसात के मौसम में बिना किसी समस्या के कदम उठाए जाएं। वर्षा जल धारण संरचना के तहत किये गये निर्माण को तत्काल पूरा करने का निर्देश दिया गया। प्रथम चरण में 12 जल धारण संरचनाएं ली गयीं, जिनमें से 4 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष कार्य प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं, अधूरे कार्यों को जनवरी माह तक पूरा करने का आदेश दिया गया है। होल्डिंग संरचना की व्यवहार्यता की पहचान की जानी चाहिए। 125 जंक्शनों के विकास के मद्देनजर भूमि अधिग्रहण और यूटिलिटी शिफ्टिंग की समस्या के समाधान के लिए इंजीनियरिंग, टाउन प्लानिंग, इलेक्ट्रिकल, विज्ञापन और यूबीडी विभागों के अधिकारियों की एक समिति बनाई गई है। जबकि शहर में 124.68 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 195 सौंदर्यीकरण कार्य किए गए हैं, 28 कार्य पूरे हो चुके हैं और विभिन्न क्षेत्रों में 167 कार्य विकासाधीन हैं। अधूरे फुट ओवर ब्रिज निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए तथा तकनीकी व्यवहार्यता वाले स्थानों पर नए फुट ओवर ब्रिज निर्माण के प्रस्ताव तैयार किए जाएं ताकि जहां आवागमन हो वहां पैदल यात्रियों को कोई परेशानी न हो। बैठक में सहायक अभियंता पृथ्वी, बालाजी, जोनल एसई रत्नाकर, महेश रेड्डी, नित्यानंद, शंकर नाइक, चिन्ना रेड्डी, ईई और अन्य ने भाग लिया।

पॉक्सो मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम थाना क्षेत्र के एक पॉक्सो मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आंध्र प्रदेश के रहने वाले आरोपी डब्बागोटी वेंकटेश ने साहेब नगर, वनस्थलीपुरम पुलिस स्टेशन की सीमा में रहने वाली एक नाबालिग लड़की के साथ प्यार के नाम पर शारीरिक संबंध बनाए और उससे शादी करने का भरोसा दिया था। इस मामले में पास्को एक्ट के तहत उम्रकैद की सजा दी गई। इस मामले में वनस्थलीपुरम पुलिस स्टेशन में बलात्कार और पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जिला, एलबी नगर के फास्ट ट्रैक विशेष न्यायाधीश आरोपी को दोषी ठहराया। इस मामले में आरोपी को आजीवन कारावास और 13 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई।

सीएम व राज्यपाल ने राष्ट्रपति का स्वागत किया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शीतकालीन अवकाश के लिए राज्य में आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हकीमपेट वायु सेना स्टेशन पर गर्मजोशी से स्वागत किया। मंत्री सीतक्का, सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल, सरकार की मुख्य सचिव शांतिकुमारी और अन्य ने राष्ट्रपति का स्वागत किया।

भगदड़ मामले में थिएटर प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने संध्या थिएटर के प्रबंधन को 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर पूछा है कि थिएटर को जारी 'सिनेमैटोग्राफी लाइसेंस' क्यों न रद्द कर दिया जाए। पुलिस ने उन चूकों का हवाला दिया जिनके कारण 4 दिसंबर की रात को पुष्पा-2 फिल्म के प्रीमियर शो के दौरान भगदड़ मची थी।

संध्या 70 एमएम थियेटर की रेणुका देवी को नोटिस जारी किया गया। नोटिस की एक प्रति थियेटर परिसर में भी चिपकाई गई। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद द्वारा जारी दो पृष्ठ के नोटिस में पुलिस ने महिला सुरक्षाकर्मियों की अनुपस्थिति, तलाशी न लेने और प्रबंधन द्वारा अनुचित सुरक्षा व्यवस्था सहित कई कथित खामियों की ओर इशारा किया है। पुलिस ने यह भी कहा कि प्रबंधन ने प्रशंसकों को थिएटर में इकट्ठा होने और बड़ी-बड़ी फ्लेक्सी लगाने की अनुमति दी। पुलिस ने प्रबंधन से नोटिस मिलने के दस दिन के भीतर जवाब देने को कहा।

भगदड़ मामले में थिएटर प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने संध्या थिएटर के प्रबंधन को 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर पूछा है कि थिएटर को जारी 'सिनेमैटोग्राफी लाइसेंस' क्यों न रद्द कर दिया जाए। पुलिस ने उन चूकों का हवाला दिया जिनके कारण 4 दिसंबर की रात को पुष्पा-2 फिल्म के प्रीमियर शो के दौरान भगदड़ मची थी।

संध्या 70 एमएम थियेटर की रेणुका देवी को नोटिस जारी किया गया। नोटिस की एक प्रति थियेटर परिसर में भी चिपकाई गई। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद द्वारा जारी दो पृष्ठ के नोटिस में पुलिस ने महिला सुरक्षाकर्मियों की अनुपस्थिति, तलाशी न लेने और प्रबंधन द्वारा अनुचित सुरक्षा व्यवस्था सहित कई कथित खामियों की ओर इशारा किया है।

मेयर ने सौंदर्यीकरण कार्यों की शुरूआत की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि शहर के लोगों को सुखद वातावरण प्रदान करने के लिए शहर में बड़े पैमाने पर सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं। मंगलवार को गदवाल विजयलक्ष्मी ने सेरिलिंगमपल्ली विधायक अरेकापुडी गांधी के साथ सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र के कई जंक्शनों पर सौंदर्यीकरण और विकास कार्यक्रमों की शुरूआत की। उसी के एक भाग के रूप में, महापौर ने रागा फाउंडेशन द्वारा निर्मित पशु शवदाह गृह का उद्घाटन किया, जो एक सीएसआर पद्धति है। बाद में जेआरसी जंक्शन के सौंदर्यीकरण जैसे मूर्तियां, फव्वारे और झरने का काम शुरू हुआ। बायोडायवर्सिटी जंक्शन का विकास, मूर्तियां, फव्वारे, झरने, प्रकाश व्यवस्था में सुधार का काम शुरू किया गया है। रोडा मिस्त्री कॉलेज से लेकर तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग कार्यालय तक सड़क फर्नीचर और सड़क सजावट का काम शुरू हो गया है। गच्चीबोवली स्टेडियम में रोटरी का विकास, मूर्तियों और फव्वारों के साथ रोटरी के सौंदर्यीकरण का काम शुरू हो गया है। खाजागुड़ा जंक्शन सौंदर्यीकरण में मूर्तियां, फव्वारे और लाइटिंग का काम शुरू हो गया है। जोनल कमिश्नर उपेन्द्र रेड्डी, एस.ई. शंकर नाइक, पार्षद और अन्य लोग शामिल हुए।

राज्य ऋण को लेकर कांग्रेस और बीआरएस में नोकझोंक

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा सत्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली, जो मुख्य रूप से राज्य के ऋण बोझ पर केंद्रित थी। राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) ऋण पर चर्चा के दौरान बहस बढ़ गई। सत्र की शुरूआत अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद द्वारा प्रश्नकाल की अध्यक्षता करने के साथ हुई। इस दौरान वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने पूर्व मंत्री हरीश राव द्वारा एफआरबीएम ऋण के संबंध में पूछे गए प्रश्न का जवाब दिया। भट्टी ने खुलासा किया कि राज्य सरकार ने नवंबर 2024 तक 51,200 करोड़ रुपये के ऋण की गारंटी दी है। हालांकि, हरीश राव ने भट्टी के बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई। दावों का खंडन करते हुए हरीश राव ने कहा कि राज्य के कर्ज को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और कांग्रेस सरकार पर एक साल के भीतर 1.27 लाख करोड़ रुपये उधार लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान कर्ज 4,17,486 करोड़ रुपये था, जो 7 लाख करोड़ रुपये के कर्ज के आरोपों को खारिज करता है। हरीश राव ने कर्ज के मुद्दे पर विशेष चर्चा की मांग की और विधानसभा को राजस्व सृजन में उनकी विशेषज्ञता के बारे में कांग्रेस के चुनाव पूर्व आश्वासन की याद दिलाई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अब कर्ज को दोष देकर अपने वादों से मुकर रही है। जवाब में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सदन को गुमराह करने के लिए बीआरएस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने बीआरएस को राज्य की वित्तीय स्थिति पर बहस के लिए चुनौती दी, जिस पर हरीश राव ने तुरंत सहमति जताई। भट्टी ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार ने कर्ज की स्थिति पर पहले ही श्वेत पत्र जारी कर दिया है और बीआरएस की अचानक चिंता पर सवाल उठाया। मामले को आगे बढ़ाते हुए हरीश राव ने स्पीकर से रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ दायर विशेषाधिकार प्रस्ताव को अनुमति देने का आग्रह किया। उन्होंने वास्तविक कर्ज और सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के बीच विसंगतियों का हवाला देते हुए जोर दिया कि सत्र समाप्त होने से ठीक पहले कर्ज पर चर्चा की जानी चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने पलटवार करते हुए बीआरएस पर पाखंड का आरोप लगाया और पिछले एक दशक में उनके अपने शासन के तौर-तरीकों को याद दिलाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस ने 40,000 करोड़ रुपये के लंबित बिल छोड़ दिए हैं और नागरिक आपूर्ति में 18,000 करोड़ रुपये के बकाया का भुगतान करने में विफल रही है।

बस ने मिनी ट्रॉली वैन को टक्कर मारी, 4 घायल

सिद्दीपेट, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गजवेल के निकट रिम्मनगुडा में मंगलवार को एक आरटीसी बस ने टाटा ऐस मिनी ट्रॉली वैन को टक्कर मार दी, जिससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें गजवेल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। आरटीसी बस में सवार यात्रियों को भी मामूली चोटें आईं। मामला दर्ज कर लिया गया है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.VSKP-ELECTG-24-25-WC-20, दिनांक : 10.12.2024

कार्य का नाम: (क) विशाखापट्टनम न्यू गुड्स कॉम्प्लेक्स (VNCW) में गुड्स शेड सुविधाओं का उन्नयन। (ख) कंटकापली (KPL) गुड्स शेड का उन्नयन।

निविदा मूल्य (रुपये में): 51,10,727.32, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 1,02,200/-, पूरा होने की अवधि: 180 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 02.01.2025 को 1330 बजे, निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 02.01.2025 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(G), वाल्टियर

PR-806/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-West-WAT-41-2024, दिनांक : 12.12.2024

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में माल्लिगुड़ा एवं किरन्डुल स्टेशन के बीच कि.मी.219.20 से कि.मी.401.254 (पैचों में) तक 30.071 TKM लम्बाई के लिए डीप स्क्रीनिंग एवं मानक स्तर तक बैलास्ट कुशन को ऊँचा करने के साथ थ्रू बैलास्ट नवीकरण।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 1,22,47,932.20, EMD(रुपये में): 2,11,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 06.01.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-805/P/24-25

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PADAM KUMARI KARUPOTHU W/o. CHINA NARASIMHA MURTHY KARUPOTHU R/o. H.No. 5-95/342/343, P.S. Rao Nagar, Dammaiguda, Nagaram. Changed My Name As MARY RATNA SUNDAR GRACE PADMA KUMARI KARUPOTHU.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

डॉल्फिन का ठिकाना बनी राप्ती नदी शांत वातावरण में बढ़ रहा कुनबा

गोरखपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। गोरक्षनगरी की हवा और राप्ती नदी का पानी गंगा डॉल्फिन को काफी पसंद आ गया है। यही कारण है कि डॉल्फिन ने राप्ती नदी को अपना ठिकाना बना लिया है। शांत वातावरण में यहां पर इनका कुनबा भी लगातार बढ़ रहा है। हाल-फिलहाल 15 डॉल्फिन देखी गई हैं। राप्ती नदी के रामघाट और नौवा अव्वल गांव के पास डॉल्फिन का ठिकाना है। 2022 में ये पहली बार यहां देखी गई थीं। चिड़ियाघर और वन विभाग की संयुक्त टीम को पर्यवेक्षण के दौरान नदी में देखने को मिलीं। इसके बाद उन्होंने उसे अपने आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया।

इसके बाद से इन्हें संरक्षित किया जा रहा है, जिसका नतीजा है कि अब इनका कुनबा भी बढ़ रहा है। चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ। योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि राप्ती नदी, गंगा की सहायक नदियों में से एक है। इसका पानी डॉल्फिन के प्रजनन के लिए अनुकूल है। इसी का नतीजा है कि बहकर आने के बाद ये यहां पर रुक गईं। इनको यहां पर एक शांत वातावरण मिला है।

वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर धीरज कुमार सिंह ने बताया कि राप्ती का पानी पिछले कुछ समय में साफ हुआ है। इसकी वजह से डॉल्फिन ने अपना ठिकाना बनाया है। यह आमतौर पर सूर्योदय के समय बाहर निकलती हैं। इसी समय इनको देखा जा सकता है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके पहुंचे बोधगया

महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की; सुरक्षा चाक-चौबंद

गया, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन-दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके मंगलवार को परिभ्रमण के लिए बोधगया पहुंचे। जहां महाबोधि सोसायटी के सदस्यों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान गया के डीएम और एसएसपी समेत कई आलाधिकारी कैंप कर रहे है। स्वागत के बाद राष्ट्रपति महाबोधि मंदिर पहुंचे और भगवान बुद्ध की दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना किया। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात

हालांकि श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के आगमन को लेकर जिला पुलिस अलर्ट पर है। एयरपोर्ट से लेकर महाबोधि मंदिर तक चप्पे-चप्पे पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। उनके आगमन से पहले ही एयरपोर्ट से लेकर बोधगया सड़क मार्ग को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है।

आम लोगों को मंदिर प्रवेश पर रोक

वहीं इस संबंध में गया के डीएम डॉ त्याग राजन एसएम ने बताया कि मंगलवार की सुबह श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के आगमन को लेकर साढ़े दस बजे तक आम श्रद्धालुओं को महाबोधि मंदिर प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। श्रीलंका के राष्ट्रपति के जाने के बाद आम श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। मालूम हो कि दिसंबर माह में विभिन्न देशों के बौद्ध श्रद्धालु बोधगया पहुंचते हैं और भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना करते हैं।

तीन दिनों की अधिकारिक यात्रा पर हैं

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत की तीन दिनों की अधिकारिक यात्रा पर हैं। सितंबर माह में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। बोधगया आने से पहले दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई दिग्गज नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

आरजेडी विधायक फतेह बहादुर सिंह के विवादित बयान से बिहार में छिड़ा सियासी संग्राम

बीजेपी ने कह दी बड़ी बात

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। आरजेडी विधायक फतेह बहादुर सिंह मंदिरों को लेकर दिए गए अपने बयान से विवादों में घिर गए हैं। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने उन पर हमला बोला है। फतेह बहादुर के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि जिस सनातन को महात्मा गांधी ने जीवन पर्यन्त माना, जिस सनातन का स्वामी विवेकानंद ने पूरी दुनिया में प्रचार किया, उस सनातन का इंडिया गठबंधन, कांग्रेस और आरजेडी के लोग नाश करना चाहते हैं। ये आपके बूते या बस की बात नहीं। अब बिहार का हिंदू जग चुका है।

बिहार की जनता वोट के माध्यम से ऐसे नेताओं की वाणी पर लगाम लगाने का काम करेगी। बीजेपी प्रवक्ता ने तेजस्वी यादव का नाम लेते हुए आगे कहा कि क्या आपने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लिया है? आपने धर्मान्तरण कर लिया है? जो ऐसे विधायकों पर आप चुप हैं? आपको अपना मुंह खोलना चाहिए और ऐसे विधायक को अपनी पार्टी से निकालना चाहिए, कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का निर्माण ही सनातन का समूल नाश करने के लिए हुआ है, लेकिन इस देश और राज्य का हिंदू जग चुका है। इनके (आरजेडी) विधायक सनातन को गाली देते हैं। लालू यादव महिलाओं को गाली देते हैं। ये लोग पूरी संस्कृति और सभ्यता को समाप्त करना चाह रहे हैं।

पहले फिलिस्तीन, अब बांग्लादेश

प्रियंका गांधी की बैग पॉलिटिक्स पर आरएलडी चीफ जयंत चौधरी ने शेयर की कविता

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा फिलस्तीन के लोगों के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए सोमवार को एक ऐसा हैंडबैग लेकर संसद पहुंचीं जिस पर 'फलस्तीन' लिखा हुआ था। वह कई मौकों पर गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाती और फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त करती रही हैं। मंगलवार को प्रियंका गांधी समेत विपक्ष के अन्य सांसद बांग्लादेश के समर्थन वाला बैग लेकर पहुंचे। इस पर लिखा था- बांग्लादेश के हिन्दुओं और इसाइयों के साथ खड़े हों। उन्होंने जो हैंडबैग लिया हुआ था उस पर अंग्रेजी में 'पेलेस्टाइन' (फिलस्तीन) लिखे होने के साथ फलस्तीन से जुड़े कई प्रतीक भी बने हुए थे। अब इस पर केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी ने बिना नाम लिए प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक कविता शेयर करते हुए जयंत चौधरी ने लिखा- बैग में क्या है? इससे पहले हैंडबैग मुद्दे पर वायनाड की सांसद पर निशाना साधते हुए भाजपा के लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर ने आश्चर्य जताया कि वह क्या संदेश देना चाहती थीं। उन्होंने दावा किया, ''प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन फलस्तीन लिखा बैग के साथ एक फैशन स्टेटमेंट बनाना चाहती हैं।

प्रियंका ने दी ये प्रतिक्रिया

भाजपा नेताओं द्वारा इस हैंडबैग का मुद्दा उठाने के बारे में पूछे जाने पर, प्रियंका गांधी ने कहा, ''उन्हें बताएं कि उन्हें बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों - हिंदुओं और ईसाइयों - पर हो रहे अत्याचारों के बारे में कुछ करना चाहिए। बांग्लादेश सरकार से बात करें और इन्हें रोकें।'' नई दिल्ली में फिलस्तीनी दूतावास प्रमुख आबिद अलरजाक अबू जाजर ने पिछले हफ्ते प्रियंका गांधी से मुलाकात कर कांग्रेस नेता को केरल के वायनाड से उनकी हालिया चुनावी जीत पर बधाई दी थी।

संभल में 50 साल पुराने नक्शे से हो रही जांच, मौके पर पहुंची टीम कब्रिस्तान, ग्राम समाज, आबादी का कर रही निरीक्षण

संभल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में राजस्व विभाग की टीम 50 साल पुराने नक्शे से ज़मीनों की चेकिंग कर रही है। खग्गू सराय में जहां बन्द मंदिर मिला था उसके आसपास के इलाके को लेखपाल अपने राजस्व विभाग के नक्शे से मिला रहे हैं। राजस्व विभाग कब्रिस्तान, ग्राम समाज, आबादी सब स्थानों की स्थलीय निरीक्षण कर रहा है। 1960-61 का राजस्व विभाग का यह नक्शा है। 1978 में संभल में बलवा हुआ था जिसके बाद से इस इलाके से हिन्दू समुदाय के लोग धीरे धीरे मकान बेचते गए और 2006 तक सभी परिवार यहां से चले गए थे। जिसके बाद मंदिर बन्द हो गया था। अब एक बार फिर मंदिर खुल गया है और पूजा अर्चना शुरू हो चुकी है। उधर, मस्जिद के बाहर बने चबूतरे को बीते रोज तोड़ा गया था और आज एक बार फिर खुदाई शुरू हो गयी है। कॉन्ट्रैक्टर तसलीन कल पत्थर कटिंग की गयी थी और आज खुदाई की जा रही है।

'संभल में मुस्लिम आबादी ज्यादा, अगर वह चाहते तो 46 दिन में मंदिर बदल जाता

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क का बड़ा बयान

संभल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का संभल जिला पिछले कुछ दिनों से काफी चर्चा में है। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर से करीब 200 मीटर दूर शिव मंदिर मिला है। इसमें अब पूजा भी होने लगी है। आज इस मंदिर के पास से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। वहीं, अब इस मामले पर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क का बड़ा बयान सामने आया है।

अगर वह चाहते तो 46 दिन में मंदिर बदल जाता

सपा सांसद ने कहा, 'संभल ने जो मोहब्बत का पैगाम दिया है, उसे लोगों को बताया जाए। संभल में मुस्लिम आबादी ज्यादा है। अगर वह चाहते तो 46 दिन में मंदिर बदल जाता, लेकिन मुसलमानों ने दिखाया कि वो किसी मंदिर पर कब्जा नहीं करते हैं। संभल में मुस्लिम मुहल्लो में बने मंदिर महफूज (सुरक्षित) रहते हैं।'

मंदिर के पास मिले दो कुआं

बता दें कि संभल के कण-कण से सनातन के रोज नए सबूत मिल रहे हैं। अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान पहले 46 साल से बंद मंदिर मिला है, फिर मंदिर के पास कुआं मिला है। कल मंदिर से महज 50 मीटर की दूरी पर एक और कुआं मिला है। इधर, संभल में प्रशासन का अतिक्रमण के खिलाफ नॉनस्टॉप एक्शन जारी है। शिव मंदिर के परिक्रमा पथ पर बने अवैध निर्माण को गिराया जा रहा है।

तीन ओर से खुला है परिक्रमा पथ

दरअसल, परिक्रमा पथ तीन ओर से खुला है, जबकि एक तरफ से अतिक्रमण कर लिया गया है। उसे हटाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन की नोटिस के बाद मकान मालिक खुद अतिक्रमण को हटा रहे हैं। मकान पर बड़े-बड़े त्रिपाल लगाए गए हैं ताकि मकान तोड़ते वक्त मलबा मंदिर या कुएं के ऊपर गिरकर उसे नुकसान न पहुंच सके।

हनुमान जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

सरकार की ओर से संभल में मंदिर के पास अतिक्रमण हटाने का काम तेज कर दिया गया है। सरकार के डर से अब मंदिर के पास बने अवैध निर्माण को मकान मालिक लोग खुद ही अपने से गिरा रहे हैं। मंदिर में हनुमान जी के दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है।

सिंगर उदित नारायण पर कोर्ट ने लगाया जुर्माना

पहली पत्नी ने लगाया यह आरोप, कहा- अब अदालत पर ही भरोसा

सुपौल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सुपौल के परिवार न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान मशहूर पार्श्व गायक उदित नारायण झा को 10 रुपए का जुर्माना सुनाया है। साथ ही निर्धारित तारीख पर उदित नारायण झा और उनके वकील की गैरहाजिरी को लेकर भी नाराजगी जताई है। दरअसल, रंजना नारायण झा ने सुपौल के परिवार न्यायालय में उदित नारायण झा के विरुद्ध वर्ष 2020 में परिवाद दायर किया था। सोमवार को कोर्ट में इसकी सुनवाई थी। लेकिन उदित नारायण झा और उनके वकील, दोनों ही कोर्ट के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। जिसके बाद परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश राहुल उपाध्याय ने उदित नारायण झा को जवाब दाखिल करने के लिए अगली तारीख दी है। लेकिन उदित नारायण झा की तरफ से न वो खुद उपस्थित हुए और न ही जबाब दाखिल किया गया। जिसके बाद परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश राहुल उपाध्याय द्वारा उदित नारायण झा को दस रुपये का दंड अधिरोपित करते हुए 28 जनवरी को जबाब दाखिल करने के लिए अंतिम मौका दिया गया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 28 जनवरी 2025 को होगी।

कांग्रेस-आरजेडी में सीटों के बंटवारे को लेकर 2025 में फंसेगा पेंच! तेजस्वी यादव का आया बड़ा बयान

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। सीट शेयरिंग के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन में शामिल आरजेडी और कांग्रेस में खींचतान के आसार नजर आने लगे हैं। दरअसल, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने विधानसभा चुनाव के लिए 70 सीटों की मांग की है जिसको लेकर तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 70 सीटों की मांग पर कोई अधिकारिक चर्चा अभी नहीं हुई है, डिसीजन मेकर की ही बात होनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने सहरसा में पत्रकारों से बात कर रहे थे। वे कार्यकर्ता संवाद यात्रा के तहत पहुंचे थे। अखिलेश प्रसाद सिंह पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा कि बिहार की राजनीति में जिसको कोई नहीं पहचानता उसकी बात की जा रही है। बिहार की राजनीति में जो खुद कुछ तय नहीं कर सकता, उसकी बात क्या करना, जो डिसीजन मेकर है उसकी बात होनी चाहिए।

इन मुद्दों पर भी कांग्रेस-आरजेडी में बढ़ी तल्खी

इससे पहले इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर और 'माई बहिन मान' योजना को लेकर भी आरजेडी और कांग्रेस में जुबानी जंग देखने को मिली है। दअरसल, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व की मांग की थी। उनकी मांग का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने समर्थन किया था।

उन्होंने कहा था कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व दे देना चाहिए। इस पर कांग्रेस नेताओं ने आरजेडी पर हमला बोला था। दूसरी ओर तेजस्वी यादव ने 'माई बहिन मान' योजना की घोषणा की है जिसके तहत उन्होंने महागठबंधन की सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने उनके बैंक खाते में 2500 रुपये देने की बात कही है। यही नहीं उन्होंने यह भी कहा है कि सरकार बनने के महज एक महीने के अंदर योजना शुरू कर दी जाएगी। इसको लेकर कांग्रेस के नेता हमला कर चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह का कहना है कि महिलाओं को 2500 से ज्यादा रुपये भी दिए जा सकते हैं लेकिन पहले सरकार तो बने। पहले सरकार बनाने की लड़ाई लड़नी चाहिए।

मुलायम परिवार में गूंजेगी शहनाई

अखिलेश यादव के चचेरे भाई आर्यन यादव बचपन की दोस्त शिरिंग संग 6 मार्च को लेंगे सात फेरे

इटावा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के परिवार में जल्द ही शहनाई गूंजने वाली है। उनके छोटे भाई राजपाल यादव के बेटे आर्यन यादव 6 मार्च को अपनी बचपन की दोस्त शिरिंग संग परिणय सूत्र में बंधेंगे। हाल ही में दिल्ली में रिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें मुलायम परिवार के सभी प्रमुख सदस्य शामिल हुए। आर्यन यादव समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चचेरे भाई हैं। वह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमलता यादव के बेटे अंशुल यादव के भाई हैं। आर्यन और शिरिंग की दोस्ती स्कूल के दिनों से है, जो धीरे-धीरे प्रेम में बदल गई। शिरिंग लद्दाख से हैं और वर्तमान में दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रही हैं। उनके पिता एक प्रतिष्ठित कारोबारी और ठेकेदार हैं। दिल्ली में आयोजित रिंग सेरेमनी में के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव व सांसद प्रो। रामगोपाल यादव, विधायक शिवपाल सिंह यादव, सांसद डिंपल यादव, सांसद धर्मेंद्र यादव, सांसद आदित्य यादव, करहल विधायक तेज प्रताप यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमलता यादव और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। इस खास मौके पर मुलायम परिवार ने नवयुगल को शुभकामनाएं दीं।

कितनी और किन-किन शहरों में प्रॉपर्टी जमा किये बैठे हैं आईएएस संजीव हंस?

ईडी ने नागपुर, दिल्ली और जयपुर में 7 संपत्ति जब्त की

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। आईएएस संजीव हंस और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 7 अचल संपत्तियों को ईडी ने अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। जब्त अचल सम्पतियों की कुल राशि लगभग 23.72 करोड़ बताई जा रही है। जब्त संपत्तियां नागपुर में 3 भूमि पार्सल, दिल्ली में 1 फ्लैट और जयपुर में 3 फ्लैट के रूप में शामिल है। ईडी के अनुसार, आपराधिक गतिविधि के जरिए आय से अर्जित की गई है ये सम्पत्ति जब्ती की कार्रवाई संजीव हंस और उनके सहयोगी प्रवीण चौधरी, पुष्पराज बजाज और उनके परिवार के सदस्यों के विरुद्ध की गई है। यह कारवाई पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। बता दें कि बिहार के वरिष्ठ आईएस अधिकारी संजीव हंस के खिलाफ ईडी मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की टीम ने पिछले दिनों दिल्ली, गुड़गांव, कोलकाता, जयपुर और नागपुर में आईएएस अधिकारी संजीव हंस और अन्य के खिलाफ 13 जगहों पर छापेमारी की थी। ये छापेमारी संजीव हंस के करीबी सहयोगियों और रियल एस्टेट और सेवा क्षेत्र में शामिल अन्य पार्टियों के परिसरों पर की गई थी। इससे पहले पिछले दिनों ईडी संजीव हंस और राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव की पत्नियों को समन भेजा था। प्रवर्तन निदेशालय ने दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया था। ईडी ने नोटिस के बाद संजीव हंस की पत्नी पूछताछ के लिए पटना स्थित ईडी दफ्तर पहुंची थीं हालांकि गुलाब यादव की पत्नी पूछताछ के लिए नहीं पहुंची थीं। अब ईडी ने संजीव हंस और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में करीब 23.72 करोड़ की 7 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। सोशल मीडिया एक्स पर ईडी ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि संजीव हंस ने मोहाली में जमीन का एक बड़ा प्लॉट और कसौली में आलीशान विला खरीद रखा है। मोहाली का प्लॉट व्यावसायिक है जिसे हंस ने करीब 90 लाख की कीमत पर पंचकूला के एक प्रापर्टी डीलर जतिंदर कुमार सांगरी के माध्यम से कमलकांत गुप्ता के नाम पर खरीदा था। बालतेज से भी संजीव हंस से तोहफे में मिली मर्सिडीज गाड़ी के साथ ही अन्य संपत्ति के बारे में सवाल पूछे गए थे।

अतीक अहमद के बेटे की बढ़ी मुसीबत, अली समेत 10 गुर्गों पर होगी ये कार्रवाई

प्रयागराज, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली समेत 10 लोगों की मुश्किल पुलिस ने बढ़ा दी है। करेली पुलिस अब इन लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज करने जा रही है। इसके तहत आरोपियों की अवैध संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई भी होगी। पुलिस की रिपोर्ट में अली के अलावा उसके साथी सैफ माया, आरिफ कचौली, तालिब, कुल्लू और अन्य शामिल हैं। करेली पुलिस ने अली और सैफ माया के खिलाफ सबसे पहले रंगदारी के मामले में शिकंजा कसा था। आरोप था कि अतीक के कहने पर अली अपने साथियों के साथ बुलडोजर लेकर करेली के जिशान के प्लॉट पर पहुंचा था। जिशान से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी और रकम न देने पर जमीन अली की मां शाइस्ता परवीन के नाम करने की धमकी दी गई थी। इस दौरान हुई झड़प में पुलिस ने सैफ माया समेत दो लोगों को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया था। फरार अली पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था, हालांकि बाद में उसने आत्मसमर्पण कर दिया।

यूपी में कड़ाके की ठंड ने दी दस्तक

इन जिलों में अलर्ट जारी, शीतलहर की संभावना

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के राज्य शीतलहर की चपेट में रहे। उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। तापमान में लगातार दर्ज की जा रही गिरावट के कारण ठिठुरन भी बढ़ी है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में तापमान गिरने के साथ शीतलहर जारी है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। कानपुर, प्रयागराज, हापुड़, संभल और गाजियाबाद में सुबह के वक्त कोहरा देखा गया है। यूपी और बिहार में मौसम में बदलाव होने के साथ ही तापमान में गिरावट आएगी। दोनों प्रदेश के कई जिलों में कोहरे और शीतलहर की आशंका है। इसको देखते हुए मौसम विभाग के ओर से अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौसम विभाग की माने तो इस सप्ताह के अंत तक राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। इसके अलावा कई जिलों में घना कोहरा होने के साथ तापमान में ज्यादा कमी आने की आशंका है।

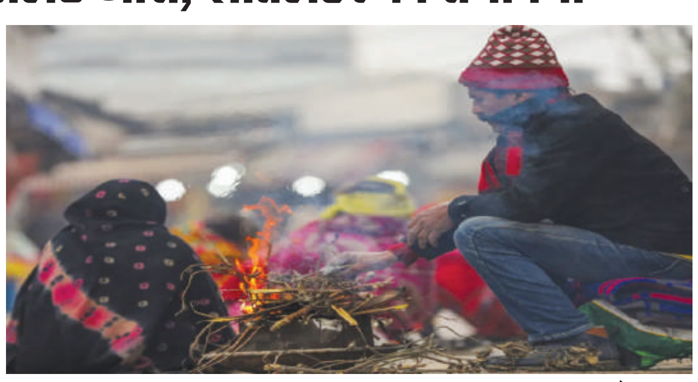

कई जिलों में अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर और गोंडा जिले में घना कोहरा छाने की संभावना है। बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और बागपत जिले में भी घना कोहरा छाने का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं और उसके आसपास के इलाकों में भी घना कोहरा का अलर्ट है। बता दें कि पहाड़ी इलाके में हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाके में भी दिखने लगा है। आने वाले दिनों में भी तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा। वहीं दिल्ली से लगे राज्य के कुछ इलाकों में प्रदूषण का स्तर भी बढ़ा है। इस वजह से ग्रैप-4 लागू कर दिया गया है।

ऑनलाइन पोर्नोग्राफी बढ़ा रहे यौन अपराध
सुप्रीम कोर्ट में दायर अर्जी पर नोटिस जारी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर केंद्र और अन्य संबंधित एजेंसियों को नोटिस जारी किया है जिसमें देश भर में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिशा-निर्देश बनाने की गुहार लगाई गई है। यह मामला जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुयान की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने इस याचिका पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि कुछ मांगें क्रूर हैं और संभवतः अदालत इस पर विचार नहीं करेगी। इस पर याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील महालक्ष्मी पवनी ने स्वीकार किया कि याचिका की मांगें कोर्ट की सहूलियत के अनुसार सीमित की जा सकती हैं। अगली सुनवाई जनवरी 2025 को होगी। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार और अटॉर्नी जनरल के ऑफिस के जरिए नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता- सुप्रीम कोर्ट महिला वकील संघ (एससीडब्ल्यूएलए) की अध्यक्ष महालक्ष्मी पवनी ने तर्क दिया कि यह याचिका विशेष रूप से उन कमजोर महिलाओं के लिए है, जिन्हें न्याय नहीं मिल पाता, जैसे कि जैसे सड़क पर रहने वाली महिलाएं। उन्होंने

कहा कि सख्त कानून और दंड तो हैं लेकिन इनका कार्यान्वयन सवालों के घेरे में है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कुछ मांगें नई और अहम हैं। सार्वजनिक परिवहन में सामाजिक आचरण के लिए दिशा-निर्देश जारी करना एक रचनात्मक विचार है। उन्होंने यह भी कहा कि इसे बसों, मेट्रो, रेलवे और हवाई अड्डों पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं

याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट वीमेन लॉयर्स असोसिएशन की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट महालक्ष्मी पवनी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं जो अक्सर दबा दी जाती हैं या रिपोर्ट नहीं की जातीं। याचिकाकर्ता ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या का मामला उठाया। पवनी ने दलील में कहा कि इस तरह की 95 घटनाएं हुई हैं, जो सामने नहीं आ पाई हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कैंडिनेवियाई देशों यानी नॉर्दर्न यूरोप के देशों की तरह अपराधियों को केमिकल कैस्ट्रेशन जैसी सजा दी जानी चाहिए। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि याचिका में की गई कुछ गुहार कठोर और बर्बर हैं जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।

याचिका में यह भी दावा किया गया है कि ऑनलाइन पोर्नोग्राफी और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध अनफिल्टर्ड सामग्री यौन अपराधों को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। इसमें कार्यस्थलों पर सीसीटीवी को जरूरी बनाने, रेप और यौन उत्पीड़न के मामलों का फास्ट ट्रैक ट्रायल और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आरोपी सांसदों/विधायकों को बरी होने तक चुनाव लड़ने से रोकने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने परेंस पैट्रिए सिद्धांत का हवाला देते हुए अदालत से आग्रह किया कि वह महिलाओं, बच्चों और थर्ड जेंडर के अधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इन वर्गों की सुरक्षा, सम्मान, और शारीरिक अखंडता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

कोर्ट ने कहा, बस-मेट्रो में सोशल बिहेवियर के नियम बनने चाहिए

इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने सुझाव दिया कि सार्वजनिक परिवहन जैसे बसों, मेट्रो और ट्रेनों में उचित सोशल बिहेवियर के नियम बनाए जाने चाहिए और लागू किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह न केवल सिखाया जाना चाहिए, बल्कि सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। हाल ही में एयरलाइन्स में भी अनुचित व्यवहार की घटनाओं को लेकर चिंता जताई गई है। निर्भया कांड की बरसी के संदर्भ में पवनी ने 2012 की निर्भया केस का हवाला दिया, जिसमें 23 वर्षीय मेडिकल इंटर्न के साथ गैंगरेप और क्रूरता हुई थी। उन्होंने सवाल उठाया कि कड़े कानूनों और दिशा-निर्देशों के बावजूद उनका कार्यान्वयन कहां विफल हो रहा है? बेंच ने कहा कि इसे देखना होगा कि दंडात्मक और दंड विधानों के कार्यान्वयन में कहां कमी हो रही है।

दरिंदगी के तीन मामलों से हिल गया देश

भरुच, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के 3 राज्यों में 2 बच्चियों और एक बच्चे से दरिंदगी किए जाने का मामला सामने आया है। एक घटना गुजरात के भरुच की है, जहां 10 साल की बच्ची से रेप किया गया। दूसरी घटना बिहार के भोजपुर की है, जहां 9 साल की बच्ची की रेप के बाद पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। तीसरी घटना उत्तर प्रदेश के लखनऊ की है, जहां 5 साल के बच्चे को किडनैप करके कुकर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई। एक मामले का आरोपी फरार है। दूसरे का दबोच लिया गया है। तीसरे केस का आरोपी अस्पताल में भर्ती है। तीनों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। परिजनों के बयान दर्ज करके फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बिहार के केस में आरोपी को फांसी देने की मांग की गई है। रिपोर्टर ठाकुर भूपेंद्र सिंह से मिली जानकारी के अनुसार, गुजरात के भरुच जिले के जघड़िया तहसील के एक गांव में 10 साल की बच्ची को हवस का शिकार बनाया गया। बच्ची के साथ उसी इलाके के व्यक्ति ने बलात्कार किया। बच्ची रोती बिलखती मिली तो मां ने उसे संभाला। उसके प्राइवेट पार्ट से खून निकल रहा था तो मां उसे अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टरों ने बच्ची की मेडिकल किया तो उसने रेप की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने ही पुलिस को बुलाकर वारदात के बारे में बताया। पुलिस ने बच्ची की मेडिकल रिपोर्ट लेकर उसके बयान दर्ज किए। बच्ची की मां के बयान भी लिए गए।

सदन में टूट रहीं परंपराएं, अपनी ही सरकार पर भड़के पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह

भोपाल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। इस दौरान पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह अपनी ही सरकार पर भड़के और अपने क्षेत्रीय इलाके सागर जिले के मालथौन में एक अशासकीय स्कूल के संचालन में अनियमितता का मुद्दा उठाया और संसद में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना दी। भूपेंद्र सिंह ने कहा, कल ध्यानाकर्षण के माध्यम से हम ने अपने विधानसभा क्षेत्र में बिना मान्यता के चल रहे स्कूल का मुद्दा सामने रखा। प्राइवेट स्कूल के जरिए सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है और अनेक प्रकार की अनियमितताएं हैं तो उस पर कार्रवाई के संबंध में हमारा ध्यानाकर्षण था। साथ ही उन्होंने कहा, प्रदेश में ऐसे कई शिक्षण संस्थाएं चल रहे हैं जिनमें अनियमितताएं हैं जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस के साथ ही कुछ स्कूलों में दुर्भाग्य जनक घटना हुई। कहीं बच्चों के साथ यौन शोषण का मामला हुआ है। भूपेंद्र सिंह ने कहा, सदन में परंपराएं टूट रही हैं, पहले ध्यानाकर्षण के सवाल को लेकर विधायकों की मंत्रियों से बात हो जाती थी, जिससे संवादहीनता की स्थिति नहीं होती थी लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। मैंने जो कल ध्यानाकर्षण लगाया था। अपने क्षेत्र में एक स्कूल को लेकर लगाया था वहां पर प्राइवेट स्कूल के द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। हाल ही में वहां पर यौन शोषण की घटनाएं बढ़ी है। मैंने सदन में भी यही बात कही थी, लेकिन स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि वहां जन आक्रोश हो यह सही नहीं है। तो क्या यौन शोषण की घटनाओं पर मैं खुश हूं ? हाल ही में प्रदेश में यौन शोषण की घटनाएं बढ़ी है। उन्हें रोकने के लिए सही नीति बनाने की आवश्यकता है। भूपेंद्र सिंह ने कहा, मैं इस ध्यानाकर्षण के माध्यम से सरकार से यह ही निवेदन कर रहा था कि हम लोगों को एक ऐसी नीति बनाने की आवश्यकता है जो गैरकानूनी अशासकीय शिक्षण संस्थान चल रहे हैं उनको रोका जाए। जो अच्छी चल रही हैं उनको हम प्रोत्साहित करें, लेकिन जिनमें अनियमितताएं हो रही हैं, जिनमें जगह नहीं है, खेल की जगह नहीं है उनको रोका जाए। सरकार इस बारे में कोई नीति बनाने के बारे में विचार करें। उन्होंने आगे कहा, पीएम मोदी ने नई शिक्षा नीति बनाई है, हमारे प्रदेश में भी नई शिक्षा नीति लागू है, कई सुधार हुए हैं, लेकिन इसके बाद भी नई शिक्षा नीति में यौन शोषण रोकने का कोई नियम थोड़ी बना हुआ है।

मेट्रो में घुसकर भीख मांगने लगा शख्स लोगों ने इसे भी बता डाला नया स्टार्टअप

बेंगलुरु, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पीक लाइफ के वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। लेकिन इस बार जो वीडियो सोशल मीडिया पर देखा गया वह बेंगलुरु शहर में पहली बार हुआ। दरअसल, बेंगलुरु मेट्रो में एक शख्स भीख मांगते हुए नजर आया। जिसका वीडियो मेट्रो में सवार लोगों ने अपने कैमरे में कैद कर लिया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। वीडियो के वायरल होने के बाद लोग भड़क गए और मेट्रो में भीख मांगने के लिए शख्स पर कार्रवाई करने की मांग करने लगे। जिसके बाद मेट्रो के अधिकारियों ने इस मामले की जांच करने की बात कही है।

वायरल वीडियो पर अधिकारियों ने बैठाई जांच

वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक दिव्यांग शख्स टोपी पहने ट्रेन में घूम रहा है और यात्रियों से भीख मांग रहा है। घटना शनिवार की बताई जा रही है। हालांकि मेट्रो प्रशासन इस घटना की तारीख और सही वक्त जानने के लिए जांच में जुटा हुआ है। मेट्रो के एक अधिकारी ने बताया कि, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह शख्स ट्रेन में कहां से चढ़ा था क्योंकि यह क्लियर नहीं है कि स्टेशन में प्रवेश करते वक्त उसने टोपी पहन रखी थी या नहीं।

वीडियो देख हैरान रह गए लोग

इस वायरल वीडियो को सोशल साइट एक्स पर @कर्नाटकपोर्टफ नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। जिसे खबर लिखे जाने तक हजारों लोगों ने देखा और सैकड़ों ने इस पर कमेंट किया है। जिसमें कई लोगों ने ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की। कुछ ने कहा कि इसके पास जब मेट्रो में सफर करने के लिए टिकट के पैसे हैं तो फिर भीख मांगने की क्या जरूरत है। कई अन्य लोगों ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा कि इसे एक नए तरह का स्टार्टअप बताया। कई लोग तो इस बात पर अचंभा है कि कोई मेट्रो में कैसे भीख मांग सकता है, जबकि मेट्रो में बगैर टिकट के घुसना भी लगभग नामुमकिन है।

कोयंबटूर बम धमाकों के मास्टरमाइंड बाशा की मौत

शवयात्रा को लेकर स्टालिन सरकार-भाजपा में तनातनी

कोयंबटूर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कोयंबटूर में 1998 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के मास्टर माइंड एसए बाशा की सोमवार शाम को मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि एसए बाशा को उम्र संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बाशा के परिजन उसकी शवयात्रा निकालने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। इसे लेकर स्टालिन सरकार और भाजपा में तनातनी हो गई है। भाजपा ने एक अपराधी और आतंकी की शवयात्रा निकालने की अनुमति देने का विरोध किया है। एसए बाशा प्रतिबंधित संगठन अल-उम्मा का संस्थापक-अध्यक्ष था। उसने 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों की योजना बनाई थी। इसमें 58 लोगों की जान चली गई थी। जबकि 231 लोग घायल हुए थे। मई 1999 में अपराध शाखा सीआईडी की विशेष जांच टीम ने बाशा के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। उस पर भाजपा नेता लालकृष्ण

आडवाणी की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। बाशा और उसके संगठन के 16 अन्य लोगों को 1998 के बम धमाकों के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हाल ही में मद्रास उच्च न्यायालय ने उसे पैरोल दी थी। पुलिस ने बताया कि वह पैरोल पर था और पिछले कुछ समय से उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। तबीयत बिगड़ने पर उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और 35 साल जेल में रहने के बाद सोमवार शाम को उसकी मौत हो गई। बाशा के परिजन दक्षिण उक्कदम से फ्लावर मार्केट स्थित हैदर अली टीपू सुल्तान सुन्नत जमात मस्जिद तक उसकी शवयात्रा निकालने की योजना बना रहे हैं। इसलिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

भाजपा ने किया विरोध

भाजपा तमिलनाडु के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने कहा कि पुलिस को शवयात्रा निकालने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। अगर किसी अपराधी, आतंकी, हत्यारे को शहीद घोषित किया गया तो इससे समाज में एक गलत मिसाल कायम होगी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि किसी भी निर्मम हत्यारे के अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। यह बड़े सम्मान के साथ नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि वे इसके हकदार नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि कट्टरपंथी विचार, हिंसा और सांप्रदायिक समस्याएं 1998 के कोयंबटूर बम विस्फोटों से शुरू हुईं और बाशा इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार था। आज भी विभिन्न राजनीतिक दलों और आंदोलनों में ऐसे सैकड़ों लोग हैं जो प्रतिबंधित अल-उम्मा के सदस्य रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि उसकी शवयात्रा 1998 की भूली-बिसरी यादें ताजा कर सकती है। इससे भविष्य में सांप्रदायिक मुद्दे बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन यह तय करें कि उसका जुलूस न निकले और मारे गए आतंकी बाशा का अंतिम संस्कार सिर्फ उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही किया जाए।

मंगेतर को वीडियो कॉल कर युवती ने लगा ली फांसी, सुसाइड को लेकर सामने आई ये जानकारी

ग्वालियर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक युवती ने फांसी लगाकर सुसाइड कर ली। सुसाइड से पहले उसने अपने मंगेतर को वीडियो कॉल किया और फिर गले में फंदा डाल लिया। इस घटना से घबराए मंगेतर ने तत्काल मामले की जानकारी युवती के चचेरे भाई को दी। चचेरा भाई भी दौड़कर घर पहुंचा लेकिन तब तक युवती फांसी के फंदे पर लटक चुकी थी। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई और मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को फांसी के फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया। युवती के परिजनों ने आशंका जताई है कि मंगेतर उसे परेशान कर रहा था। इसके चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के ललितपुर की रहने वाली 22 वर्षीय युवती ग्वालियर के बहोड़ा पुर के विनय नगर इलाके में अपने चाचा ,चचेरे भाइयों और अन्य परिजनों के साथ रहकर पढ़ाई कर रही थी। 4 अक्टूबर को उसकी सगाई गुढ़ा का नाका इलाके में रहने वाले अर्जुन कुशवाहा से हुई थी।

इंडियन नेवी दुश्मनों के लिए और होगी घातक, हाइपरसोनिक मिसाइलें युद्धपोतों पर तैनात होंगी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना अब और भी मजबूत, दमदार और दुश्मन के लिए कहीं ज्यादा घातक होने वाली है। नेवी की क्षमताओं को कई गुना बढ़ाने के लिए अब 1,500 किलोमीटर तक मार करने वाली लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल पहले वॉरशिप पर और इसके बाद परमाणु पनडुब्बी पर तैनात की जाएगी। यह एडवांस हथियार प्रणाली इंडो-पैसिफिक रीजन में भारतीय नौसेना की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाएगी। डिफेंस सूत्रों से मिली

जानकारी के अनुसार, लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम भारतीय नौसेना की सर्फेस फ्लीट से शुरू होगा। युद्धपोत, अपने बड़े प्लेटफॉर्म और अत्याधुनिक वर्टिकल लॉन्च सिस्टम के कारण, इन हाइपरसोनिक मिसाइलों को तैनात करने के लिए सबसे अधिक अनुकूल हैं। इस शुरुआती तैनाती के माध्यम से नौसेना इस नई शक्तिशाली क्षमता को जल्द से जल्द अपनी ऑपरेशनल रणनीति में शामिल कर सकेगी। सबमरीन पर लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम की तैनाती के लिए कुछ तकनीकी चुनौतियां मौजूद हैं, जिस पर जल्द काम किया जाएगा। वर्तमान में भारतीय नौसेना की किसी भी पनडुब्बी में वर्टिकल लॉन्च सिस्टम की सुविधा नहीं है। इस कमी को दूर करने के लिए 2036 तक हाल ही में स्वीकृत न्यूक्लियर अटैक सबमरीन प्रोग्राम के तहत नई पनडुब्बियों का निर्माण किया जा रहा है। इन पनडुब्बियों में हाइपरसोनिक मिसाइलों के लॉन्चिंग के लिए वर्टिकल लॉन्च सिस्टम होंगे, जो भारत की हाइपरसोनिक स्ट्राइक क्षमताओं में एक मजबूत मेरिटाइल डाइमेंशन को जोड़ेंगे, जिससे कि भारत की स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी और भी ज्यादा खतरनाक बने। लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम परमाणु हथियार नहीं है, लेकिन बावजूद इसके ये दुश्मन को काफी नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखती है। इसे हाई इंपैक्ट वाले पारंपरिक हमलों के लिए डिजाइन किया गया है। हाल ही में इन मिसाइलों का परीक्षण भी करके देखा गया है, जिसमें इस मिसाइल ने अपनी क्षमता और काबिलियत साबित की है। ये मिसाइल सिस्टम भारतीय नौसेना की दूसरी हथियार प्रणालियों को भी ऑपरेशंस के दौरान सपोर्ट करेगा, जिनमें लॉन्ग-रेंज सबसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल हैं। ये भीलंबी दूरी तक मार करने वाली एक मिसाइल है। इनकी मिसाइलों की रेंज 1,000 किलोमीटर से ज्यादा होती है। ये मिसाइल सिस्टम दुश्मन के इलाकों और युद्धपोतों को निशाना बनाने में सक्षम होंगी। इस कॉम्बिनेशन के जरिए नौसेना को कई प्रकार के खतरों से निपटने के लिए एक वर्सेटाइल और शक्तिशाली मिसाइल रेंज मिलेगी। युद्धपोतों और पनडुब्बियों में 1,500 किलोमीटर की लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम का प्रस्तावित शामिल होना भारतीय नौसेना के आधुनिकीकरण और युद्धक तैयारियों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दिल्ली चुनाव से पहले हरकत में आई पुलिस दबोचे 8 भगौड़े क्रिमिनल्स

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में चरमराई कानून व्यवस्था के बीच आउटर डिस्ट्रिक्ट जिला पुलिस अपराधियों को काबू करने की मुहिम में पिछले कुछ दिनों से जुटी है। इस मुहिम में पुलिस को बहुत हद तक सफलता भी मिली है। बाहरी जिले के अलग-अलग थानों की टीमों ने 8 भगौड़े घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान को चलाने का निर्देश बाहरी जिले के डीसीपी ने दिया था। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि बाहरी दिल्ली की जिला पुलिस को भगौड़े क्रिमिनल्स को पकड़ने का आदेश दिया गया था। उसके बाद से थानों की पुलिस टीमें सूत्रों को सक्रिय कर उनके बारे में जानकारियों को विकसित करने में जुटी थी। साथ ही टेक्निकल सर्विलांस की सहायता से भी भगौड़ों को ट्रैक करने की कोशिश में लगी थी।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Dated : 18.12.2024

Notice is hereby given to the general public that **Sri. Paleti Srinivasa Rao President** and **Treasurer** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana under the name and style of **Rudra Peoples Power Party** with location of its head office H. No. 1-7-1/155, Plot No - 155, Srinivasa Colony, RP Nilayam, Alwal, Secunderabad-500010, Telangana State. Under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1). Sri. Paleti Srinivasa Rao President** and **Treasurer 2). Smt. Paleti Bhulakshmi, Vice President 3) Smt. Verisani Sugunamma, General Secretary.** Objections, If any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C.Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **Rudra Peoples Power Party** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

President & Treasurer
Rudra Peoples Power Party

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी रवि राजेश प्रोप. ऑफ अन्नदाता एग्रो एजेंसी पताः डी नंबर 7/638 सब्जी मंडी, बालाजी कॉम्प्लेक्स, अनंतपुर रोड गूटी जिला, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश–515401, एवंः डी नंबर 53/12–13 वेंकटनारायण, यांगनापल्ली, गूटी जिला अनंतपुर, आंध्र प्रदेश–515401, CC No. 17617/2018 U/S: 138 NI Act, पुलिस थानाः प्रसाद नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि राजेश प्रोप. ऑफ अन्नदाता एग्रो एजेंसी,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि राजेश प्रोप. ऑफ अन्नदाता एग्रो एजेंसी,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **रवि राजेश प्रोप. ऑफ अन्नदाता एग्रो एजेंसी, CC No. 17617/2018 U/S: 138 NI Act पुलिस थानाः प्रसाद नगर, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.01.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री श्रेया सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16503/CD/2024
(Court Matter)

इस्लाम पर आपत्तिजनक बयान के बाद हिंगोली में भड़की हिंसा, 15 लोग गिरफ्तार

हिंगोली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मोहम्मद पैगंबर पर किए गए आपत्तिजनक पोस्ट के बाद महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में हिंसा भड़क उठी है। भीड़ ने जमकर मचाया है। घटना रविवार 15 दिसंबर की है जब कैलास काबरा नाम के एक व्यापारी ने व्हाट्सएप ग्रुप पर इस्लाम और मोहम्मद पैगंबर को लेकर एक विवादित पोस्ट किया था। कुछ ही देर में यह पोस्ट वायरल हो गया और नाराज मुस्लिम लोगों की भीड़ शहर में इकट्ठा होने लगी। भीड़ ने कैलाश काबरा के घर पर जमकर पथराव किया और शहर के कुछ अन्य हिस्सों में भी जमकर बवाल काटा, सड़क पर टायर्स जलाए गए। विवादित पोस्ट और हिंसा मामले में पुलिस ने अबतक कुल तीन एफआईआर दर्ज किए हैं। दंगा करने के मामले में करीब 50 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दंगा करने वाले 15 आरोपी अबतक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। विवादित पोस्ट करने वाले कैलाश काबरा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है, पुलिस ने बताया कि काबरा फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। शहर में फिलहाल शांति है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मोंढा में रविवार की शाम को हुए पथराव में वासमत उप-विभागीय पुलिस अधिकारी राजकुमार केंद्रे भी घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि 50 लोगों की भीड़ ने एक दुकान पर पथराव किया और वे व्यापारी कैलाश काबरा के घर में भी तोड़फोड़ करना चा रहे थे। जब राजकुमार केंद्रे और उनकी टीम ने पथराव को रोकने की कोशिश की तो उन्हें भी चोट पहुंची। घटनास्थल पर अतिरिक्त बल भेजा गया और पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। बता दें कि पिछले महीने नवंबर में भी जलगांव में एकादशी की पूजा के दौरान दो गुटों में तनाव और पत्थरबाजी की घटना सामने आई थी, जब दो समुदाय के बच्चों के बीच छोटी सी बात पर विवाद हुआ था। इस मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

मध्य प्रदेश शीतकालीन सत्र: सवाल पूछने में विधायक नहीं ले रहे रुचि, 56 विधायकों ने नहीं पूछा एक भी सवाल

भोपाल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हो गई है। ये साल 2024 का आखिरी विधानसभा सत्र है। 20 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में पांच बैठकें होंगी। इस सत्र में 142 विधायकों ने कुल 1766 सवाल पूछे हैं, जबकि 56 विधायकों ने तो एक भी सवाल नहीं पूछा है। चुनाव के दौरान वोट बटोरने के खातिर रैलियों, सभाओं में खूब गरजने वाले माननीय विधानसभा में जनता के मुद्दे उठाने में रुचि नहीं ले रहे हैं। अपने क्षेत्र और प्रदेश के जनहित के तमाम मुद्दे होने के बावजूद उन्होंने सदन में सरकार से सवाल पूछने में रुचि नहीं दिखाई।

एक साल में विधानसभा के तीन सत्र होते हैं। कुल 163 विधायक ऐसे हैं जिन्होंने तीनों सत्र में लगातार सवाल नहीं पूछे हैं। इन में बीजेपी विधायकों की संख्या 143 और कांग्रेस के विधायकों की संख्या 20 है। भारत आदिवासी पार्टी के एक मात्र विधायक ने तीनों सत्र में सवाल पूछे हैं। वहीं, 16 दिसंबर से शुरू हुए शीतकालीन सत्र में 142 विधायकों ने कुल 1766 सवाल पूछे हैं। इनमें भी 37 विधायक ऐसे हैं जिन्होंने पांच दिन के सत्र में 20 सवाल पूछे हैं। दरअसल, एक विधायक एक दिन में अधिकतम 4 सवाल पूछ सकता है। जिन 56 विधायकों ने एक भी सवाल नहीं पूछा उनमें बीजेपी के कद्दावर नेता कहलाने वाले दो पूर्व मंत्री जयंत मलैया और भूपेंद्र सिंह भी शामिल हैं। हालांकि, भूपेंद्र सिंह ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना दी है। विधानसभा अध्यक्ष और मंत्री मंडल के 31 मंत्रियों को छोड़ दिया जाए तो बाकी के 198 विधायकों में से 142 विधायकों ने कुल 1766 सवाल पूछे हैं। इनमें से बीजेपी के 83 तो कांग्रेस के 58 विधायक शामिल हैं। भारत आदिवासी पार्टी के कमलेश्वर डोडियार ने इस सत्र में भी सवाल पूछे हैं। खास बात ये है कि बीजेपी और कांग्रेस के 37 विधायकों ने एक दिन में 4 सवाल पूछे हैं। इनमें से कांग्रेस के 24 तो बीजेपी के 12 विधायक हैं। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कुल 1766 सवाल लगे हैं। इनमें से 1070 सवाल विधायकों ने ऑनलाइन लगाए हैं, जबकि 697 सवाल ऑफलाइन लगाए हैं। तारांकित सवाल 888 और अतारांकित सवाल 878 हैं। इस सत्र में चालू वित्त वर्ष का अनुपूरक बजट भी पेश होगा। मध्य प्रदेश विधानसभा का रिकॉर्ड देखे तो पता चलता है कि 1998 से लेकर जुलाई 2024 तक इन 26 सालों में बैठकों की संख्या 93% घट गई है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 18 दिसंबर- 2024

संगीत को सूना कर गए उस्ताद

शास्त्रीय होते हुए भी कोई तबला उस्ताद या पंडित या महाराज आम लोगों में इतना पॉपुलर नहीं हो सका जितना ज़ाकिर हुसैन हुए। गुदई महाराज (पंडित सामता प्रसाद), किशन महाराज और खुद ज़ाकिर के पिता उस्ताद अल्लारखा जैसे नामी तबला वादक भी नहीं। जहां तक तबला में उनकी उस्तादी की बात है तो वे सबसे निराले थे। बडे- बड़े उस्ताद और पंडित पुराने क़ायदे या परन ही बजाते थे। उनमें कुछ सुधार या नया खटका भी ले आते थे, लेकिन ज़ाकिर हमेशा नया करते थे। उन्होंने अपने पिता के साथ जुगलबंदी तो की ही, शास्त्रीय संगीत की चार पीढ़ियों के साथ संगत भी की। पंडित रविशंकर, पंडित जसराज, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, पंडित शिवकुमार शर्मा, उस्ताद अमजद अली और पिया बसंती रे... गाने वाले सारंगी उस्ताद सुल्तान खां साहब के बाद उनके बेटे साबिर खां के साथ भी उन्होंने तबला बजाया। उनकी उँगलियों पर कभी तबला के जरिए मदमाता हाथी आता था। कभी विश्वनाथ मंदिर से टकराती गंगा मैया का वेग, तो कभी बनारस की गलियों में घूमते लोग भी आते थे। मंदिर का घंटा, झाँझ- मंजीरे, ढोल और शंख ध्वनि भी वे एक साथ तबला से निकाल देते थे। परन और रेलों में उनकी उँगलियाँ ऐसे चलती थीं जैसे पानी का रेला हो या कोई झरना। वे राधा का ग़ुस्सा भी क़ायदे में बताते थे। उनके घुँघरुओं को परन में उकेरते थे और कृष्ण की लीला भी कभी बाएँ, तो कभी दाएँ से समझाते थे। कितनी ही तेज रफ़्तार में आप उनकी हर उँगली को अलग सुन सकते थे। यही उस्ताद का कमाल था। बड़े और छोटे खयाल की शास्त्रीयता के साथ हवेली संगीत और लोक गीतों पर भी उन्होंने वही ताल दी जो लोक की माँग होती थी। तबले का कायदा उन्हें घुट्टी में मिला था। पिता अल्लारक्खा कुरैशी मशहूर तबलावादक थे। संगीत के माहौल में ही उनकी परवरिश हुई थी। मगर जाकिर हुसैन जैसे पैदा ही तालवाद्य के लिए हुए थे। बचपन से ही उनकी अंगुलियां थिरकनी शुरू हो गई थीं। पिता ने उन्हें तबले की तालीम देनी शुरू की। बारह साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने वह काबिलियत हासिल कर ली थी कि अमेरिका के संगीत समारोह में अपना हुनर दिखा सकें। अमेरिका के पहले कार्यक्रम में ही उन्हें ऐसी शोहरत मिली कि फिर उन्होंने पीछे मुंड कर नहीं देखा। जाकिर हुसैन ने उसे वाद्य के रूप में नहीं साधा, बल्कि तबले को उन्होंने जीया भी था। तबले में जितनी संभावनाएं और बारीकियां उन्होंने उजागर कीं, उनसे पहले किसी तबला नवाज ने नहीं किया था। हर तरह के तालवाद्य और तारवाद्य के साथ उन्होंने जुगलबंदी की, देश और दुनिया के हर नामचीन गायक और वादक के साथ उन्होंने संगत की अपनी पहले की पीढ़ी के भी, अपने समय और अपने बाद की पीढ़ी के भी। जाकिर हुसैन न केवल अद्भुत तबलावादक थे, बल्कि उनका बजाने का अंदाज भी अनोखा था। तबला बजाते हुए उनके लंबे बाल जिस अंदाज में लहराते, लगता कि उनके बाल और ताल जुगलबंदी कर रहे हों। उनका वह अंदाज सभी को मोहता था। भारतीय शास्त्रीय संगीत के अलावा उन्होंने अमेरिकी जैज में भी अपने तबले से नया रंग भर दिया। इसका नतीजा था कि इसी साल अप्रैल में उन्हें एक साथ तीन ग्रेमी अवार्ड प्राप्त हुए। इससे पहले उन्हें दो ग्रेमी मिल चुके थे। ग्रेमी अवार्ड संगीत की दुनिया का सबसे बड़ा सम्मान माना जाता है। उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय भी किया था, कई विज्ञापन उनके अभिनय से यादगार हो गए। भारत सरकार उन्हें तीनों पद्म सम्मानों से सम्मानित किया था। उनका जाना निस्संदेह ताल की दुनिया को सूना कर गया है।

कहीं आप भी तो नहीं हो रहे नकली दवाइयों के शिकार ?

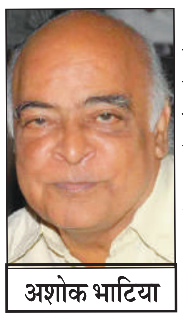

अशोक भाटिया

आज के समाचार पत्रों में प्रमुखता से नकली दवाइयों के जब्ती की खबर छपी है। खबर के अनुसार महाराष्ट्र के ठाणें में जिले में छापेमारी के बाद 1.85 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त की गईं हैं। बताया कि पिछले कुछ महीनों में भिवंडी के एक गोदाम और मीरा रोड इलाके में एक अन्य प्रतिष्ठान पर छापे मारे गए और ये नकली दवाइयां पकड़ी गई । जांच में पता चला कि आरोपी नकली दवाओं का निर्माण और बिक्री कर रहे थे, और वो निर्माता होने का झूठा दावा कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, दवाओं को कई राज्यों में भेजा जा रहा था। समाचार के अनुसार मुंबई में आयुर्वेद के नाम पर नकली दवा बना रही घरवार फार्मा प्राईवेट लिमिटेड पर एफडीए ने रेड मारी थी। एफडीए ने फर्जी दवा बनाने वाली कंपनी पर छापा मारकर 1 करोड़ 27 लाख रुपये की नकली दवा जब्त की है। वहीं करीब 2 करोड़ 93 लाख 255 रुपये की मशीनों को भी सीज किया है। छापेमारी वसई के गीता गोविंद इंडस्ट्री नवघर के शैलेश इंडस्ट्री के 20 नंबर गली में की गई। कार्रवाई में सामने आया कि कंपनी पिछले करीब 7 सालों से नकली दवाओं का निर्माण कर रही थी। ये कंपनी घरवार फार्मा प्रोडक्ट प्राईवेट लिमिटेड और रूसब फार्मा के नाम से थी। इसका लाइसेंस पंचकुला का है, लेकिन दवा का प्रोडक्शन वसई में शुरू था। यह तो केवल एक छापा था उसके आलावा महाराष्ट्र के नागपुर, वर्धा, भिवंडी व अंबाजोगाई सहित राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में नकली दवाईयों के आपूर्ति के मामले सामने आ रहे है और दवा आपूर्ति में होने वाले बोगसगिरी का भंडाफोड हुआ है। जिसके पीछे कोई बडा अंतरराज्यिय रैकेट रहने की संभावना है। विशेष उल्लेखनीय यह है कि, विगत 15 माह से किसी न किसी सरकारी अस्पताल में नकली दवाईयों का स्टॉक मिल रहा है और मामले की जांच भी चल रही है। लेकिन इसके बावजूद अब तक प्रशासन के हाथ पूरी तरह से खाली है। बता दें कि, नागपुर, वर्धा व भिवंडी सहित अब अंबाजोगाई के स्वामी रामानंदा तीर्थ वैद्यकीय महाविद्यालय व अस्पताल में नकली दवाईयों की आपूर्ति होने का मामला सामने आया है। अंबाजोगाई के अस्पताला में एक मरीज का नकली दवा की वजह से रिएक्शन हुई। जिसे लेकर अस्पताल प्रशासन ने अन्न व औषधी प्रशासन के पास शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पता चला कि, नागपुर में भी एजीथ्रोमायसिन की नकली गोलियों की आपूर्ति हुई है। ऐसे में अन्न व औधषी प्रशासन ने इस दवाई के प्रयोग को रुकवाते हुए हॉस्पिटल के स्टॉक की जांच की, तो पता चला कि, अंबाजोगाई के अस्पताल में 25 हजार गोलियों का स्टॉक मिला। साथ ही पता चला कि, एजीथ्रोमायसिन टैबलेट की आपूर्ति का ठेका कोल्हापुर की विशाल इंटरप्राइजेस नामक कंपनी को मिला था और इसी कंपनी ने अंबाजोगाई के स्वामी रामानंदा तीर्थ अस्पताल को दवाईयों की आपूर्ति की थी। साथ ही साथ इसी कंपनी ने नागपुर के सरकारी अस्पताल में भी इस दवा की आपूर्ति की थी और इस कंपनी के खिलाफ नागपुर के अजनी पुलिस थाने में अपराध भी दर्ज है। ऐसे में अब पूरे मामले की सघन जांच की जा रही है। लेकिन आश्चर्य इस बात को लेकर जताया जा रहा है कि, विगत 15 माह से राज्य के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में उजागर हो रहे इन मामलों के बावजूद अब तक पुलिस तथा अन्न व औषधि प्रशासन विभाग के हाथ पूरी तरह से खाली है। गौरतलब है कि दवाएं बीमारी के वक्त शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ गंभीर स्थिति में जीवन रक्षक होती हैं। स्वास्थ्य के लिए वरदान समझी जाने वाली यही दवाएं यदि मुनाफाखोरी का जरिया बन जाएं तो सेहत की दुश्मन बन जाती हैं। पिछले सप्ताह दिल्ली पुलिस ने नकली दवाओं के एक बड़े गिरोह को पकड़ा। पुलिस ने आरोपितों के पास से कैंसर की अलग-अलग ब्रांड की नकली दवाएं बरामद कीं। इनमें सात दवाएं विदेशी और दो भारतीय ब्रांड की हैं।आरोपी कीमोथैरेपी के इंजेक्शन में पचास से सौ रुपये की एंटी फंगल दवा भरकर एक से सवा लाख रुपये में बेच रहे थे। कुछ दिन पहले ही तेलंगाना में औषधि नियंत्रक प्रशासक ने चाक पाउडर से भरी डमी गोलियां बरामद कीं। इसी तरह गाजियाबाद में नकली दवा बनाने वाली एक फैक्ट्री पकड़ी गई थी। देश के अलग-अलग हिस्से से आए दिन गुणवत्ताविहीन और मिलावटी दवाओं के कारोबार से जुड़े मामले प्रकाश में आते रहते हैं। एक ही मर्ज की बाजार में मिलने वाली अलग-अलग ब्रांड की दवाओं की दक्षता में अंतर होना चिंताजनक है। नकली और मिलावटी दवाएं जहां बीमारी से लड़ने में असरदार नहीं होती हैं, वहीं वे दूसरे रोगों का कारक बनती हैं। इनका सेवन गुर्दे, यकृत, हृदय और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। गुणवत्ताविहीन दवाएं निर्यात के मोर्चे पर देश की साख भी कमजोर करती हैं। लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली ये गतिविधियां अब संगठित अपराध की शक्ल ले चुकी हैं। दवा निर्माण एक चरणबद्ध प्रक्रिया है। ये नैदानिक परीक्षण के बाद उपभोक्ताओं तक पहुंचती हैं। दवा कंपनियों में प्रयोगशालाएं होती हैं, जहां प्रत्येक चरण का आकलन कर दवा को अंतिम रूप दिया जाता है। भारतीय भेषज संहिता (आइपीसी) और भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अन्य फार्मूले से दवाओं का निर्माण, परीक्षण और संधारण होता है। हर दवा निर्माता कंपनी के लिए तय प्रोटोकाल का पालन अनिवार्य है। देश में नकली और मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 में दंड और जुर्माने का प्रविधान है। इसके अंतर्गत नकली दवाओं से रोगी की मौत या गंभीर चोट पर आजीवन कारावास की सजा है। मिलावटी या बिना लाइसेंस दवा बनाने पर पांच साल की सजा का प्रविधान है। देश के अलग-अलग राज्यों में 29 दवा परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं। इसके अलावा आठ केंद्रीय लैब भी स्थापित हैं। मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर नियामक एजेंसियों द्वारा कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझ पाना आसान नहीं कि किसी दवा का रासायनिक संयोजन क्या है। मरीजों को दवाओं के बारे में जरूरी और स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी जाती। कई बार तो पर्चे पर लिखी दवा का नाम उच्च शिक्षित व्यक्ति भी नहीं पढ़ पाता। इसके लिए नियामकों द्वारा समय-समय पर चिकित्सकों को दवाओं के नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखने के निर्देश दिए गए हैं। मरीज को लिखी गई दवाओं में किसका क्या काम है, यदि यह जानकारी चिकित्सक द्वारा मरीज को दी जाए तो आपूर्ति तंत्र में घटिया दवाओं की मौजूदगी थमेगी। इससे चिकित्सक-मरीज के बीच भरोसा भी बढ़ेगा। पिछले साल दवाओं में क्यूआर कोड लगाए जाने की पहल शुरू हुई है। यह सभी दवाओं में अनिवार्य किया जाना चाहिए। इससे दवाओं की कालाबाजारी थमेगी। दवाओं की गुणवत्ता तय करने में फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम काफी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों का अध्ययन कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण बनाया जाता है। घटिया दवाओं से जुड़े मामलों की जितनी अधिक शिकायतें होंगी, कानूनी शिकंजा उतना ही सख्त होगा। दवा उद्योग में संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए केंद्र सरकार शिकायत प्रणाली को मजबूत कर रही है। कुछ दिन पहले दवा कंपनियों के लिए यूनिफार्म कोड फार फार्मास्यूटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिस (यूसीएमपी), 2024 लागू किया गया है। इसके तहत अब दवा कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर शिकायत करने की व्यवस्था देनी होगी। कंपनियां चिकित्सकों को प्रचार के नाम पर उपहार नहीं दे सकेंगी। आयोजन में विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किए जाने वाले चिकित्सकों को ही आने-जाने एवं ठहरने की सुविधा दी जा सकती है। ऐसे आयोजनों के खर्च का ब्योरा भी यूसीएमपी के पोर्टल पर साझा करना होगा। यदि फार्मा कंपनियां दवाओं के प्रचार के अनुचित तरीके अपनाती हैं तो सीधे उनके शीर्ष अधिकारी जिम्मेदार होंगे। यूसीएमपी संहिता के एक अन्य प्रविधान के अनुसार एक कंपनी अपनी सालाना बिक्री का सिर्फ दो प्रतिशत निःशुल्क सैंपल दवाएं बांट सकती है। भारतीय दवा उद्योग दुनिया भर में भरोसे का प्रतीक है।

भारत बीमार है ! राहुल को कोई इलाज बताइए !

श्रवण गर्ग

राहुल गांधी एक शरीफ इंसान हैं। आ ख़ि र पा रि वा रि क संस्कार भी कोई चीज होती है। सत्ता की मौजूदा राजनीति में ऐसे लोगों के लिए कम जगहें बची हैं या यूँ कहें कि बची ही नहीं !'गोदी मीडिया' के दलाल पत्रकार उन्हें जगह नहीं देते इसलिए राहुल ढेर सारे वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। अब उन्हें एक वीडियो बनवाकर नागरिकों(कांग्रेसियों से नहीं) से सुझाव माँगना चाहिए कि कांग्रेस को आगे की लड़ाई कैसे लड़ना चाहिए ? लोकसभा के उत्साहजनक परिणामों के बाद और हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों के पहले तक यही माना जा रहा था कि राहुल की लड़ाई संविधान, मोदी,अदाणी और ईवीएम को लेकर है और समूचा इंडिया ब्लॉक उनके साथ एकजुट है। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी हार के तुरंत बाद साफ़ होने लगा कि राहुल की लड़ाई मोदी-अदाणी-संघ के साथ तो है ही, अपनी ही पार्टी के खुर्राट कांग्रेसियों और इंडिया ब्लॉक के सत्ताभोगी सहयोगियों से भी है। हकीकत यह है कि राहुल कहानी तो 'एकलव्य' की सुना रहे हैं पर उनकी ख़ुद की हालत अभिमन्यु जैसी बन रही है। ममता ने भी इंडिया ब्लॉक को 'मज़बूत' करने का बहुत 'सही' वक्त चुना ? वह यह कि यह काम कांग्रेस को कमज़ोर दिखा कर ही संपन्न किया जा सकता है। ममता हाल के उद्बोधनों का सारांश यही समझा जा सकता है कि मोदी का मुक़ाबला सिर्फ़ वे कर सकती हैं, कांग्रेस नहीं। अतः कांग्रेस की जगह वे इंडिया गठबंधन का नेतृत्व सँभालने के लिए तैयार हैं। शरद पवार से लेकर केजरीवाल तक सभी 'दीदी' के पल्ले तले खड़े हो गए हैं।

लालू भी राहुल की बारात में शामिल होने का इंतज़ार छोड़ दीदी के मंगलगान में जुट गए हैं। इंडिया ब्लॉक के कुछ

सहयोगियों द्वारा राहुल को हाल तक यही सलाह दी जा रही थी कि वे अदाणी का पीछा छोड़ दें। अब उमर अब्दुल्ला ने सलाह दे डाली है राहुल ईवीएम की लड़ाई भी बंद कर दें। इसके पीछे उनके तर्क वे ही हैं जो भाजपा के हैं।

(अब्दुल्ला को सरकार चलाने के लिए केंद्र की मदद चाहिए, इंडिया ब्लॉक चलाने के लिए राहुल की नहीं !) ममता की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी उनके भतीजे भी अब्दुल्ला की ज़ुबान बोल रहे हैं। उद्धव के सिपाही बाबरी की बरसी छह दिसंबर पर 'कार सेवकों' की सार्वजनिक रूप से जय-जयकार कर चुके हैं। प्रतीक्षा करना चाहिए कि राहुल द्वारा छेड़ी गई सावरकर की बहस को शिव सैनिक कब तक हज़म कर पाते हैं ! सपा ने कह दिया है कि वह न तो 'सोरोस' मुद्दे के साथ है और न 'अदाणी' मुद्दे के साथ। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों की चर्चा करें तो पूछा जा सकता है अब कौन-कौन बचे हैं जो राहुल के साथ खड़े हुए मोदी को दिखाना चाहते हैं ! कांग्रेस के अलावा ब्लॉक के प्रमुख दलों में शरद पवार की एनसीपी, लालू का राजद, ममता की तृणमूल, अखिलेश की सपा, उद्धव की शिव सेना, केजरीवाल की 'आप' और फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष तरीक़ों से इंडिया ब्लॉक की ज़रूरत के प्रति इरादे ज़ाहिर कर चुके हैं। राहुल के लिये भरोसे के नेताओं में स्टालिन और हेमंत सोरेन बचते हैं। ब्लॉक के बाक़ी बचे सदस्यों में कम्युनिस्ट और अन्य छोटी-छोटी क्षेत्रीय पार्टियाँ ही हैं। यूपी के हाल के उपचुनाव सपा ने बिना कांग्रेस के लड़े थे। हरियाणा के बाद दिल्ली में भी केजरीवाल यही करने वाले हैं। ममता ने न तो लोकसभा में और न विधानसभा के उपचुनावों में कांग्रेस से कोई समझौता किया। लालू के तेवर बताते हैं कि बिहार में भी राजद अकेले ही लड़ने की घोषणा कर सकती है। प्रियंका के लोकसभा में प्रवेश के साथ समझा जा रहा था कि इंडिया ब्लॉक अब मोदी सरकार के ख़िलाफ़ हमलों के लिए ज़्यादा मज़बूत हो जाएगा पर होता उल्टा दिखाई दे रहा है। इंडिया ब्लॉक के पालने में पूतों के पाँवों की बेचैनियों से यही माना जा सकता है कि गठबंधन के विद्रोही स्वर फूट पड़ने के लिए संसद का सत्र ख़त्म होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या नेतृत्व के सवाल पर इंडिया ब्लॉक टूट जाएगा या राहुल कांग्रेस को उससे आज़ाद करके आगे की लड़ाई अकेले लड़ेंगे ?

मोदी-अदाणी के ख़िलाफ़ राहुल लड़ाई में इतना आगे बढ़ चुके हैं कि इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों की सत्ता-समृद्धि के लिए वे न तो अदाणी को छोड़ सकते हैं और न ईवीएम और संविधान को।अनुमान ही लगाया जा सकता है कि इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर नीतीश कुमार इस समय क्या सोच रहे होंगे !

http://shravangarg1717.blogspot.com

निरर्थक चर्चा से संविधान का अपमान हुआ

राजेश कुमार पासी

लोकसभा में 13-14 दिसम्बर और राज्यसभा में 16-17 दिसम्बर को संविधान पर चर्चा हुई है । पक्ष-विपक्ष के सांसदों ने इस चर्चा में भाग लिया लेकिन उनके भाषणों में संविधान कहीं नहीं था । इन सांसदों ने जब भी संविधान का नाम लिया तो वो भी अपने विरोधियों पर हमला करने के लिए लिया । ज्यादातर सांसद जब संसद में बोलते हैं तो वो इसकी तैयारी करके आते हैं लेकिन संविधान की चर्चा करने के लिए आये सांसद संविधान की नहीं बल्कि अपने विरोधी दल पर हमला करने की तैयारी करके आये थे । अगर कोई राजनीति शास्त्र का विद्यार्थी इस बहस को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए देखता तो अपना कीमती समय बर्बाद करता । संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर के नाम का इस्तेमाल भी उनके योगदान को याद करने के लिए नहीं बल्कि अपने विमर्श को चलाने के लिए किया गया। बाबा साहब ने कहा था कि बुरा संविधान भी अच्छा साबित हो सकता है अगर उसको इस्तेमाल करने वाले लोग अच्छे हों लेकिन अच्छे से अच्छा संविधान भी बुरा साबित हो सकता है अगर उसको इस्तेमाल करने वाले लोग बुरे हों । हमने देखा है कि संविधान का अच्छा इस्तेमाल भी हुआ है और बुरा भी हुआ है । पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा की थी । आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की हत्या की गई और देश ने कांग्रेस सरकार की तानाशाही को देखा। संविधान द्वारा दिये गए सभी मौलिक अधिकार खत्म कर दिए गए, यहां तक कि जीवन का अधिकार भी खतरे में पड़ गया। आपातकाल को संविधान की हत्या बताया जाता है लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि आपातकाल संविधान में दिए गए प्रावधानों के अनुसार ही लगाया गया था। इंदिरा जी ने संविधान से बाहर जाकर कुछ नहीं किया था, उन्होंने संविधान का दुरुपयोग किया था। आंतरिक सुरक्षा के नाम पर आपातकाल देश पर थोपा गया जबकि उस समय देश की आंतरिक सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। जनता पार्टी की सरकार ने संविधान संशोधन करके यह सुनिश्चित कर दिया कि अब इस तरीके से संविधान का गलत इस्तेमाल कोई दूसरी सरकार न कर सके । राहुल गांधी पिछले कुछ समय से संविधान को सिर पर उठाकर घूम रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि संविधान की हत्या करने का विमर्श उन्हें मोदी सरकार के खिलाफ बड़े हथियार के रूप में मिल गया है। उनकी सोच की वजह यह है कि इस विमर्श ने उन्हें पिछले लोकसभा चुनाव में फायदा पहुंचाया है। इसके अलावा वो आरक्षण और मुस्लिम उत्पीड़न को मुद्दा बनाकर सरकार को घेरना चाहते हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में मिली बड़ी हार के बावजूद उन्हें अब भी यह समझ नहीं आ रहा है कि उनके मुद्दे काठ की हांडी की तरह थे, जो एक बार चढ़ गई है और अब दोबारा वो चढ़ने वाली नहीं है। राहुल गांधी दो सबसे बड़ी राजनीतिक गलतियां कर रहे हैं जो कांग्रेस को रसातल की ओर ले जा रही हैं। पहली गलती तो यह है कि वो मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति से आगे निकल आये हैं और अब वो हिन्दू विरोध की नीति पर चल रहे हैं। कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण नीति को हिन्दू समुदाय आज़ादी से पहले से देख रहा है और इसका आदी हो गया है लेकिन राहुल गांधी जिस तरह से खुलकर हिन्दू विरोध में उतर आए हैं, उसे हिन्दू समाज स्वीकार नहीं कर सकता। राहुल गांधी और कांग्रेस की दूसरी बड़ी गलती यह है कि अब जनता को उनकी नीयत पर शक होने लगा है। भारतीय राजनीति में जनता नेता और राजनीतिक दल की गलत नीतियों को माफ कर देती है लेकिन जिसकी नीयत पर उसे शक हो जाता है उसकी राजनीति को खत्म कर देती है । भाजपा ने राहुल गांधी का रिश्ता जॉर्ज सोरोस और उनके सहयोगी संगठनों से जोड़कर उन्हें देशद्रोही घोषित कर दिया है लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस इसका ढंग से विरोध भी नहीं कर पा रहे हैं। वास्तव में भाजपा ने संसद और मीडिया में राहुल गांधी पर आरोप पूरे तर्क और तथ्यों के साथ लगाए हैं जिन्हें झुठलाना कांग्रेस के लिए मुश्किल हो रहा है। संविधान पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने जिन मुद्दों को उठाया, उनमें नयापन नजर नहीं आया बल्कि प्रियंका गांधी तो अपने पहले भाषण में राहुल के मुद्दों को ही आगे बढ़ाती हुई नजर आईं। प्रियंका गांधी संसद में पहली बार बोल रही थी और मुद्दा संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर चर्चा करने का था लेकिन उन्होंने एक बार भी बाबा साहेब के योगदान को याद नहीं किया । दोनों भाई-बहन मिलकर यह साबित करने में लगे रहे कि मोदी सरकार संविधान के खिलाफ काम कर रही है। इसके जवाब में मोदी जी ने भी कांग्रेस सरकार के दौरान किये गए कई कार्यों को संविधान के खिलाफ बता दिया। राहुल गांधी पिछले कई सालों से जनता में संविधान बदलने का डर फैला रहे हैं तो मोदी जी ने भी पिछली कांग्रेस सरकारों द्वारा किये गए संविधान संशोधनों को संविधान बदलना बता दिया ।

अस्वीकार्य नहीं है सम्भल में मंदिर खुलासे से पैदा हुए सवाल !

मनोज कुमार अग्रवाल

यह न तो बंटवारे के बाद का पाकिस्तान का इलाका है और न हीं हिन्दुओं को पलायन के लिए मजबूर करने के बाद काश्मीर का कोई इलाका है यह उत्तर प्रदेश के संभल का एक मौहल्ले का मामला है जहां कुछ अराजक कट्टरपंथियों ने पूर्ववर्ती मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति वाली राज्य सरकारों की ढिलाई के चलते एक मंदिर को ही कब्जा कर बंद कर दिया और उसकी कुछ मूर्तियां खंडित कर कुएं में फेंक दी। जी हां इसी संभल में हाल ही में खोले गए 46 साल पुराने शिव मंदिर से लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

पहले जहां मंदिर में शिवलिंग और हनुमान जी की मूर्ति मिली थी, वहीं अब मंदिर के परिसर में मौजूद कुएं की खुदाई के दौरान मां पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय जी की प्राचीन मूर्तियां मिली हैं। उत्तर प्रदेश के संभल में मुस्लिम बहुल इलाके में 46 साल पुराने मंदिर का पता चलने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बयान आया है। सीएम ने रविवार को कहा कि संभल में इतना प्राचीन मंदिर क्या रातोरात प्रशासन ने बना दिया? क्या वहां बजरंगबली की इतनी प्राचीन मूर्ति रातों-रात आ गई? मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उन दरिंदों को आज तक सजा क्यों नहीं मिली, जिन्होंने 46 वर्ष पहले संभल में नरसंहार किया था? इस पर चर्चा क्यों नहीं होती हैमालूम हो कि शनिवार को मंदिर का पता चलने के बाद रविवार को पूजा-पाठ किया गया। हिंदू संगठन के लोग मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। मंदिर में विधि विधान व मंत्रोचारण के साथ पूजा संपन्न होने के बाद आरती की गई। कैसे मिली मंदिर की जानकारी? इलाके में बिजली चोरी की चेकिंग के दौरान मंदिर होने की जानकारी सामने आई थी। मस्जिदों और घरों में छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर बिजली चोरी के खुलासे हुए। लेकिन इसी दौरान शनिवार सुबह पुलिस तब हैरान रह गई जब दीपा राय इलाके में चेकिंग के समय अचानक एक मंदिर मिल गया जो कि सन 1978 का बताया जा रहा है। 46 सालों से बंद पड़ा ये मंदिर सपा सांसद जियाउररहमान बर्क के घर से 200 मीटर की दूरी पर मिला है। मंदिर के अंदर हनुमान जी की प्रतिमा, शिवलिंग और नंदी स्थापित हैं।

फिलहाल यहां डीएम और एसपी ने सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था की है। संभल के क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी ने कहा कि ये मंदिर कई सालों से है। 1978 में जब दंगा हुआ था तब भी मंदिर यहीं था। यहां सभी को पता है कि दंगे के बाद यहां से हिंदू छोड़कर चले गए थे। मंदिर की जानकारी सामने आने के बाद खुदाई में यहां एक कुआं भी मिला है। इस कुआं को ढका गया था। मकान बनाकर मंदिर पर कब्जे की बात सामने आई है एडिशनल एसपी श्रीश चंद्र ने बताया, चेकिंग के दौरान पता चला कि कुछ लोगों ने मकान बनाकर मंदिर पर कब्जा कर लिया है। मंदिर की साफ-सफाई करा दी गई है और जिन लोगों ने मंदिर पर कब्जा किया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहां पर मंदिर में भगवान शिव और हनुमान जी की मूर्तियां हैं।

राजनीतिक रोटी और समाजवादी मसाला

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

राजधानी के केंद्रीय कार्यालय में आज फिर से एक ऐतिहासिक घटना घटने जा रही थी। मुख्यमंत्री जी, जो पिछले कुछ दिनों से अपने कार्यों की 'सतत सफलता' का प्रचार करते नहीं थक रहे थे, आज पूरी तन्मयता से संगठन और प्रशासन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन यह संतुलन कुछ ऐसा था जैसे कोई संतुलन न हो, बस एक ऐतिहासिक त्रासदी हो। मुख्यमंत्री साहब का पंच वाक्य था, हमने प्रशासन को चुस्त किया है, अब संगठन को गड्ढे में डालने का वक्त आ गया है। सुनने वाले अफसरों को लगा, शायद वे कोई कुशल क्यूरेटर हैं, जो किताबों के बीच धूल झाड़ने के बजाय किसी विशाल जंग का आयोजन कर रहे हों। प्रशासन को चुस्त और सक्षम बनाने की उनकी भावना इतनी सशक्त थी कि वह खुद मानने लगे कि प्रशासन ही इस राज्य का एकमात्र सर्वेसर्वा है। बाकी सब तो पंक्तियाँ हैं, जो कभी भटक जाती हैं, कभी खुद रास्ते खोज लेती हैं। संगठन वाले बहुत खुश थे, क्योंकि अब उनका समय आ गया था। उन्होंने यह सोचकर समाजवाद के झंडे तान दिए थे कि जब तक समाजवाद की हवा बहती रहेगी, तब तक उनके स्वार्थ पर कोई आँच नहीं आएगी। समाजवाद तो जैसे 'कला' हो, जो कभी खत्म नहीं होती। नेता, कार्यकर्ता, अफसर—सभी एक-एक रंग के पंख लगाए हुए थे, ताकि उन्हें समाजवाद के मखमली आसमान में उड़ने का मौका मिल सके। मुख्यमंत्री के कानों में बस एक ही मंत्र गूंजता था—संगठन सबसे ऊपर है, प्रशासन पीछे रखना है। यह रणनीति शायद किसी पुराने राजा की युद्ध नीति से निकाली गई थी, लेकिन इस बार गुस्सा और सत्ता का घमंड कुछ ज्यादा ही गहरा हो गया था। अफसरों को अपनी कुर्सी हिलती हुई महसूस हुई, जैसे वे उस सीट पर नहीं, बल्कि किसी ट्रक के पीछे बैठे हों। मुख्यमंत्री जी जो कहते, वे तुरंत सच्चाई बन जाते थे। कभी भी हम निर्णय ले सकते हैं, मुख्यमंत्री की आवाज में वह रौब था जो खुद उनके प्रशासन के भीतर से ही निकलता था, और उसी का शिकार संगठन भी था। अब प्रशासन के लोगों ने यह महसूस किया कि वे हमेशा प्रशासन के चुस्त होने का राग अलापने वाले थे, लेकिन खुद कभी चुस्त नहीं थे। चाय की चुस्की लेते हुए एक अफसर ने कहा, अब तो हम भी यही कहते हैं, 'काम करने का तरीका बदलो, लेकिन काम कभी खत्म मत होने दो।' फिर एक बड़े अफसर ने बड़े धैर्य से जवाब दिया, लेकिन यहाँ कौन सी चाय मिल रही है? यह तो अफसरों की पसंद है कि वह शरबत पिएं या फिर सत्ता के मीठे पानी में डूब जाएं। लेकिन संगठन का खेल तो और भी दिलचस्प था। उनका नया नारा था, समाजवाद की बात करो, सरकार गिराओ। उन्होंने नेता को एक-एक आशीर्वाद दिया, जैसे गड्ढे में गड़ी मटकी को हर रोज सींचा जाता है, ताकि उसकी जड़ें और गहरी हो जाएं। उनकी आवाज में छुपा हुआ मतलब यह था—हम समाजवादी हैं, पर केवल अपने लिए। जब तक गड्ढे में पानी था, उनका तंत्र मजबूत था। जैसे ही पानी की धारा बहने लगी, उनका खुद का बड़बोलापन हवा में उड़ने लगा।

आखिरकार, जब कोई भी अफसर न तो प्रशासन की चुस्ती पर ध्यान दे रहा था, न ही संगठन की समाजवादी चालों पर, तो उन्होंने खुद से सवाल किया, "क्या यह राजनीति है या फिर कोई कॉमेडी शो?" मुख्यमंत्री, जिनकी यह सोच थी कि सब कुछ उनका है, चाय से लेकर संगठन तक, एक दिन अचानक बोले, समाजवाद क्या है? यह तो हमारे खेल का नाम है। हम इसे खुद बुलाते हैं, खुद सजा देते हैं और फिर खुद मस्ती से नाचते हैं। उनका मतलब साफ था—समाजवाद नहीं आएगा, हम उसे बुलाएँगे।

भगवान गणेश के साथ ही बुध ग्रह की पूजा का शुभ योग, हरे मूंग का करें दान और चंद्र को चढ़ाएं अर्घ्य

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त उदयातिथि के अनुसार, साल की आखिरी संकष्टी चतुर्थी 18 दिसंबर को मनाई जाएगी। चतुर्थी तिथि की शुरुआत 18 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 06 मिनट पर होगी और तिथि का समापन 19 दिसंबर को सुबह 10 बजकर 02 मिनट पर होगा। संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रमा को अर्घ्य रात 8 बजकर 27 मिनट पर दिया जाएगा।

बुधवार, 18 दिसंबर को पौष मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी है। इस दिन गणेश चतुर्थी व्रत किया जाएगा। इस दिन भक्त दिनभर निराहार रहते हैं, भगवान गणेश की विशेष पूजा करते हैं। भगवान की कथाएं पढ़ते-सुनते हैं और शाम को चंद्र दर्शन के बाद चंद्र पूजा और गणेश पूजा करके व्रत पूरा करते हैं। बुधवार और गणेश चतुर्थी के योग में भगवान गणपति के साथ ही बुध ग्रह के लिए भी विशेष पूजा-पाठ करनी चाहिए।

ऐसे कर सकते हैं गणेश पूजन

गणेश चतुर्थी व्रत के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने दीपक और धूप जलाएं। भगवान गणेश को जल, दूध, पंचामृत अर्पित करें। हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें। दूर्वा (दूब), लाल फूल, मोदक, गुड़ और नारियल चढ़ाएं।

ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र का जप करें।
गणपति को दूर्वा की 21 गांठ चढ़ानी चाहिए।

व्रत से जुड़ी ये बातें ध्यान रखें

गणेश चतुर्थी का व्रत रखने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। व्रत रखें, दिनभर निराहार रहें और भूखे रहना संभव न हो तो फलाहार करें।

शाम को चंद्रमा को अर्घ्य दें और गणेश पूजन करके व्रत पूरा करें। इस दिन जरूरतमंद लोगों को ऊनी कपड़े, भोजन और दक्षिणा दान करें।

गणेश चतुर्थी पर पूरे परिवार के साथ गणेश पूजा करने से घर में सुख-शांति और एकता बनी रहती है।

बुध ग्रह के लिए कर सकते हैं ये शुभ काम

बुधवार और चतुर्थी के योग में हरे वस्त्र पहनकर बुध ग्रह की पूजा करें। पूजा में बुध के मंत्र ऊँ बुं बुधाय नमः का जप करें। पूजा के बाद हरे मूंग का दान करें।

चंद्रोदय के बाद चंद्र को चढ़ाएं अर्घ्य

इस दिन शाम को चंद्र उदय के बाद चंद्र देव को अर्घ्य चढ़ाना चाहिए। चंद्र को जल, दूध चढ़ाएं।

चंद्र को अर्घ्य देने के लिए चांदी के लोटे या मिट्टी के कलश का इस्तेमाल करना चाहिए। अर्घ्य देते समय मंत्र ऊँ सोमाय नमः का जप करें।

ये हैं पौष मास जुड़ी खास बातें

पौष मास हिन्दी पंचांग का दसवां महीना है। इस मास में सूर्य देव की विशेष पूजा करने की परंपरा है।

रोज सुबह सूर्योदय के समय स्नान करके सूर्य को अर्घ्य देते हैं। सूर्य से जुड़ा ये महीना धर्म लाभ के साथ स्वास्थ्य लाभ भी देता है। पौष मास में योग, ध्यान और साधना करने का विशेष महत्व है। इस मास में व्रत, दान और पूजा-पाठ के साथ ही गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथों का पाठ करना चाहिए।

-पं. भानु प्रताप दुबे

कुंडली में कमजोर सूर्य देता है इन 3 रोगों को दावत

सारे संसार की ऊर्जा और प्रकाश का कारण सूर्य ही हैं। सूर्य ही राज्य, औषधि, पिता और खाने-पीने की चीजों का कारक हैं। सूर्य उपासना व्यक्ति को यशस्वी, तेजस्वी और निरोगी बनाती है। सूर्य उपासना से शरीर का बहुमुखी विकास होता है। सूर्य उपासना से ज्ञान, सुख, पद, प्रसिद्धि और सफलता मिलती है। कारोबार या नौकरी में समस्याएं आ रही हों तो सूर्य की उपासना लाभकारी होती है। सूर्य के कारण व्यक्ति को राजकीय सेवा भी हासिल होती है। कहते हैं कि अगर कुंडली में सूर्य की स्थिति गड़बड़ हो तो कई तरह के रोग आदमी को घेर लेते हैं।

सूर्य का रोगों और बीमारियों से संबंध

हर ग्रह की अपनी अच्छाइयां होती हैं और बुराइयां भी। हर ग्रह शरीर के अलग-अलग भागों को प्रभावित भी करता है। अगर वह ग्रह अच्छा है तो वह हिस्सा मजबूत होता है। अन्यथा उस हिस्से में समस्या आ जाती है। सूर्य हर तरह के स्वास्थ्य की मजबूती से संबंध रखता है। यह शरीर को हर तरीके से स्वस्थ रखने में सहायक है। सूर्य अगर कमजोर हो तो व्यक्ति कभी स्वस्थ नहीं रहता है।

नेत्र रोग

सूर्य मुख्यतः नेत्र ज्योति का कारक होता है। कुंडली में सूर्य की कमजोरी आंखों की समस्या पैदा करती है। सूर्य का मजबूत होना व्यक्ति को आंखों की हर समस्या से निकाल सकता है। सूर्य उम्र बढ़ने के साथ आंखों में ग्लूकोमा और मोतियाबिंद भी पैदा करता है।

उपाय- हर रोज सवेरे सूर्य को जल अर्पित करें। सूर्य के समक्ष बैठकर सूर्य मंत्र का जाप करें। प्रकाश वाले कमरे या घर में रहने का प्रयास करें। सलाह लेकर एक माणिक्य धारण करें।

हड्डियों से जुड़ी समस्या

सूर्य हड्डियों की मजबूती से सीधा संबंध रखता है। सूर्य के कारण विटामिन डी की कमी हो सकती है। सूर्य अगर हड्डियों का रोग दे तो चलने फिरने में मुश्किल होती है। पीठ और रीढ़ की हड्डी की समस्या परेशान करती है।

उपाय- नित्य प्रातः सूर्य को जल अर्पित करें। सूर्य के इक्कीस नामों का उच्चारण करें। प्रातःकाल ही सूर्य की ओर पीठ करके बैठें। सलाह लेकर एक माणिक्य धारण करें। ताम्बे के पात्र से जल पीने प्रयास करें।

हृदय रोग

सूर्य की खराबी अक्सर हृदय रोग का कारण बनती है। सूर्य शनि या सूर्य राहु का संबंध इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। ऐसे लोगों को हर वक्त बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी पड़ती है।

उपाय- अगर सूर्य की वजह से हृदय रोग की अंदेशा हो तो सवेरे-सवेरे जल में रोली मिलाकर सूर्य को जल अर्पित करें। आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

इस दिशा में भूलकर भी न रखें झाड़ू, घर में आती है दरिद्रता

फेंगशुई में घर की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए साफ-सफाई रखना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि घर में गंदगी होने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जिससे व्यक्ति को जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। घर में गृह-क्लेश की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा फेंगशुई में घर में झाड़ू को रखने के कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि झाड़ू को कभी पैर से नहीं लगाना चाहिए। इसके अलावा झाड़ू को उचित दिशा में और उचित तरीके से रखना भी जरूरी माना गया है। आइए जानते हैं फेंगशुई में झाड़ू रखने के नियम...

झाड़ू रखने के नियम

फेंगशुई के अनुसार, झाड़ू को खुले स्थान पर नहीं छोड़ना चाहिए। इस तरह से झाड़ू रखना अपशकुन माना गया है।

मान्यता है कि डायनिंग हॉल में झाड़ू नहीं रखना चाहिए। कहा जाता है कि डायनिंग हॉल में झाड़ू रखना अनाज और धन का साफ हो जाने का प्रतीक है। इसके अलावा रात्रि या सायंकाल में झाड़ू लगाने से बचना चाहिए। मान्यता है कि इससे घर की संपन्नता चली जाती है। फेंगशुई के अनुसार, घर के बाहर या छत पर झाड़ू नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा किचन या ईशान कोण में झाड़ू रखने की मनाही होती है।

फेंगशुई के अनुसार, घर में झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखें। इसे ऐसी जगह रखें, जहां से घर में किसी सदस्य को सामने झाड़ू दिखाई न दें।

मान्यता है कि किसी को भी झाड़ू से मारकर घर से नहीं भगाना चाहिए। झाड़ू को घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा या पश्चिम दिशा में रखना उचित माना गया है।

कहा जाता है कि झाड़ू को कभी भी खड़ी नहीं रखना चाहिए। इसे जमीन पर लिटाकर रखना चाहिए। मान्यता है घर में खड़ी झाड़ू रखने से दरिद्रता का वास होता है।

धैर्य रखें और अभ्यास करें

महाभारत में अर्जुन सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे, लेकिन वे रातोंरात सर्वश्रेष्ठ नहीं बने। अर्जुन ने धैर्य के साथ हार्ड वर्क किया और लगातार प्रैक्टिस करते रहे। धैर्य रखेंगे और अभ्यास करते रहेंगे तो अपने काम में परफेक्ट हो जाएंगे और फिर सफलता जरूर मिलेगी।

नौकरी में चल रही है समस्या गुरुवार से शुरू कर दीजिए उपाय

गुरुवार के दिन हल्दी व केसर का तिलक लगाने के बहुत फायदे हैं। मान्यता है कि हल्दी व केसर का तिलक लगाने से सौंदर्य, आकर्षक और धन-संपदा में वृद्धि होती है और नौकरी व कारोबार में चल रही परेशानियों से मुक्ति भी मिलती है। हल्दी व केसर के तिलक से गुरु ग्रह की स्थिति अनुकूल होती है और भाग्योदय होता है।

इस दिन नमक का ना करें सेवन

नौकरी मिलने में परेशानी आ रही है या ऑफिस में कोई ना कोई परेशानी लगी रहती है तो रविवार के दिन नमक का सेवन ना करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रविवार को सूर्य ग्रह का दिन माना जाता है और इस दिन नमक का सेवन ना करने से शरीर निरोगी रहता है और ऑफिस में बॉस से संबंधों पर सकारात्मक असर भी पड़ता है क्योंकि बॉस का संबंध सूर्यदेव से माना जाता है।

इस उपाय से हर क्षेत्र में मिलेगी तरक्की

नौकरी की परेशानियों से मुक्ति के लिए गुरुवार के दिन गाय को गुड़, चना व दाल खिलाएं और नियमित तौर पर मीठी रोटी खिलाएं। ऐसा करने से जीवन के हर क्षेत्र में तरक्की होती है और बिगड़े हुए काम संवर जाते हैं। साथ ही गाय को मीठी रोटी अथवा गुड़ खिलाने से ग्रहों का शुभ प्रभाव पड़ता है, जिससे जीवन में चल रही समस्याएं कम होने लगती हैं।

पूर्णिमा के दिन करें यह काम

करियर में मजबूती और तरक्की के लिए पूर्णिमा के दिन का व्रत रखें और शाम के समय चंद्रमा को दूध से अर्घ्य देने के बाद अन्न-जल ग्रहण करें। ऐसा करने से कुंडली में चंद्र ग्रह की स्थिति मजबूत होगी और नौकरी में आप अपने लक्ष्यों को आसानी से पूरा भी कर पाएंगे। साथ ही अधिकारियों व सहकर्मियों के साथ भी आपके संबंध अच्छे बने रहेंगे, जिसका फायदा आपको समय समय पर मिलता रहेगा।

सबसे पहले घर में क्यों लगाते हैं झाड़ू
झाड़ू लगाने का सही समय

हमारी माता-बहनें सुबह उठने के तुरंत बाद सबसे पहले घर में झाड़ू लगातीं है। इसका क्या कारण है। वास्तु के अनुसार सुबह सूर्योदय के तुरंत बाद घर में झाड़ू लगाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में झाड़ू लगाने के लिए दिन के पहले चार पहर को सही समय माना गया है। वहीं रात के चार पहरों में झाड़ू लगाने से घर में दरिद्रता आती है और धन की देवी लक्ष्मी नाराज़ हो जाती हैं।

वास्तु के अनुसार सुबह उठने के बाद घर से निकलते समय किसी को झाड़ू लगाते हुए देखना भी अच्छा माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर कई दिनों तक ऐसा हो रहा है, तो समझ लीजिए कि आपके जीवन की तंगी दूर होने जा रही है।

कभी भी ब्रह्म मुहूर्त में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए, ब्रह्म मुहूर्त में झाड़ू लगाना शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि इस समय घर के अंदर सकारात्मक ऊर्जा आती है। ऐसे में अगर इस समय झाड़ू लगाई जाए और कूड़ा घर से बाहर निकाला जाए, तो सकारात्मक ऊर्जा नकारात्मकता में बदल सकती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त का समय देवताओं का समय माना गया है। इस समय उठने वाले व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य बना रहता है। मान्यता है कि इस समय उठने वाला व्यक्ति सेहतमंद रहता है।

अगर किसी कारणवश आपको ब्रह्म मुहूर्त में झाड़ू लगानी भी पड़े, तो इस बात का ध्यान रखें कि झाड़ू लगाने के बाद कचरे को घर से बाहर नहीं निकालना चाहिए, वरना आपको लक्ष्मी माता की भी नाराज़गी झेलनी पड़ सकती है।

धार्मिक या ज्योतिषीय कारणों से ब्रह्म मुहूर्त में झाड़ू लगाने से बचना चाहते हैं, तो आप दिन के किसी अन्य समय घर की सफ़ाई कर सकते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ब्रह्म मुहूर्त में झाड़ू लगाने के लाभों का आनंद लेना चाहते हैं, तो आप इसे साफ़-सफ़ाई के लिए और सकारात्मक भावना के साथ कर सकते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

सूर्यास्त के बाद भी झाड़ू को नहीं छूना चाहिए।

अगर शाम को झाड़ू लगाना है, तो ढली शाम झाड़ू न लगाएं।

सूरज डूबने से पहले ही घर की साफ़-सफ़ाई कर लें।

वास्तु के अनुसार सुबह के समय नमक का पोछा लगाना सबसे शुभ माना जाता है।

दोपहर 12 बजे के बाद पोछा लगाने से बचना चाहिए।

शाम के बाद नमक का पोछा कभी नहीं लगाना चाहिए।

गुरुवार के दिन सामान्य झाड़ू-पोछा लगाने से भी बचना चाहिए।

क्या आप भी आर्थिक तंगी से हैं परेशान?
सिर्फ 5 मिनट के अभ्यास में छिपा है अमीर बनने का गुप्त मंत्र...

योग मुद्राओं के बारे में हम सभी ने कई बातें सुनी होंगी। योगाभ्यास के दौरान इनका उपयोग भी किया जाता है। इन्हीं में से एक है कुबेर मुद्रा, जो मानसिक शक्ति बढ़ाने के साथ-साथ आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करने में लाभकारी है, तो कुबेर मुद्रा के क्या फायदे हैं और इसे कैसे करना चाहिए? इस पर मुद्राओं के विशेषज्ञ उमेश कुलकर्णी ने जानकारी दी है, तो चलिए जानते हैं...

कुबेर मुद्रा के फायदे क्या हैं?

बता दें कि कुबेर स्वामी को भौतिक सुखों का देवता माना जाता है। खासकर, सांसारिक लोगों में इस सुख की तीव्र इच्छा होती है। पैसे कमाने के कई विकल्प होते हैं, लेकिन हर किसी का प्रयास सफल नहीं होता। ऐसे में अन्य उपायों की सहायता लेनी पड़ती है। इन्हीं में से एक उपाय कुबेर मुद्रा है। उमेश कुलकर्णी कहते हैं कि कुबेर मुद्रा करने से सभी समस्याएं दूर हो सकती हैं।

कुबेर मुद्रा से दूर होती हैं आर्थिक परेशानियां

बता दें कि कुबेर मुद्रा को रोज़ कम से कम एक बार जरूर करना चाहिए। इस मुद्रा को करने से मानसिक तनाव कम होता है। साथ ही, अगर किसी को आर्थिक समस्या हो, तो यह मुद्रा उस समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करती है क्योंकि कुबेर को धन का देवता माना गया है और उनकी पूजा करने से अवश्य ही लाभ मिलता है। इसके अलावा, यह मुद्रा हमारी सभी इच्छाओं को पूरा करने में भी सहायक होती है।

विद्यार्थियों के लिए भी लाभकारी है कुबेर मुद्रा

अगर छात्र इस मुद्रा का अभ्यास करते हैं, तो उन्हें भी काफी लाभ होता है। उदाहरण के तौर पर, अगर छात्रों को नौकरी पाने में या किसी अन्य समस्या का सामना करना पड़ रहा हो, तो इस मुद्रा से उन्हें राहत मिलती है। इसलिए, कुबेर मुद्रा का अभ्यास करें और खुद को इसका लाभ पहुंचाएं, ऐसा विद्वान उमेश कुलकर्णी कहते हैं।

कुबेर मुद्रा कैसे करें?

अपने हाथ की अनामिका और छोटी उंगली को हथेली पर रखें। तर्जनी और मध्यमा उंगली को अंगूठे पर रखें। इस प्रकार कुबेर मुद्रा को करना चाहिए, ऐसा अभ्यासकर्ता उमेश कुलकर्णी बताते हैं।

'फौजी' के सेट पर चोटिल हुए प्रभास जापान की जनता से क्यों मांगी माफी?

प्रभास ने नाग अश्विन द्वारा निर्देशित अपनी आखिरी रिलीज 'कल्कि 2898 एडी' के साथ शानदार प्रदर्शन किया। देश समेत दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ने वाली इस फिल्म का प्रीमियर अब जापान में होना है। पहले प्रभास इस इवेंट का हिस्सा बनने वाले थे लेकिन अब ऐसा मुमकिन नहीं है। अभिनेता के लेटेस्ट बयान से साफ हो रहा है कि वह अपनी नई फिल्म की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए हैं, जिसके कारण वह जापान नहीं जा सकेंगे।

'कल्कि' के जापान प्रीमियर का हिस्सा नहीं होंगे प्रभास

सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में, प्रभास ने विदेशी दर्शकों द्वारा उन्हें और उनकी फिल्म को मिले अपार प्यार और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने टिप्पणी की कि वह लंबे समय से जापान का दौरा करने के लिए उत्सुक थे। हालांकि, अभिनेता ने बताया कि वह जापान के 'कल्कि 2898 एडी' के प्रीमियर शो का हिस्सा नहीं बन पाएंगे क्योंकि आगामी फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके टखने में चोट लग गई है।

जापान के लोगों से मांगी माफी

प्रभास ने लिखा, 'मुझ पर और मेरे काम पर हमेशा इतना प्यार बरसाने के लिए धन्यवाद। मैं काफी समय से जापान जाने का इंतजार कर रहा था। हालांकि, मुझे यह कहते हुए बहुत दुख हो रहा है कि फिल्मांकन के दौरान मेरे टखने में मोच आ गई और मैं इवेंट का हिस्सा नहीं बन पाऊंगा। हमारे वितरक, ट्विन, बेहद सहायक रहे हैं और हम 'कल्कि 2898 एडी' को शुक्रवार, 3 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार करने में उनके सभी प्रयासों के लिए आभारी हैं। मुझे आशा है कि आपसे शीघ्र मुलाकात होगी। प्रभास।' जापान में फिल्म 'कल्कि 2898 ई.'का प्रीमियर 18 दिसंबर को होना है।

'फौजी' के सेट पर लगी चोट

प्रभास वर्तमान में निर्देशक हनु राघवपुडी की फिल्म 'फौजी' (अस्थायी शीर्षक) की शूटिंग कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐतिहासिक युद्ध ड्रामा की शूटिंग के दौरान प्रभास को टखने में चोट लग गई। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है और रिपोर्ट्स में कहा गया है कि प्रभास ने फिलहाल के लिए शूटिंग रद्द कर दी है।

प्रभास का वर्कफ्रंट

'फौजी' साल 2025 के अंत में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा अभिनेता के पास कई प्रोजेक्ट कतार में हैं। इनमें उनकी 2023 की फिल्म 'सलार' का सीक्वल 'सलार 2' भी शामिल है। अन्य परियोजनाओं में संदीप रेड्डी वांगा की अत्यधिक महत्वाकांक्षी परियोजना 'स्पिरिट' है। प्रभास विष्णु मांचू की 'कन्नप्पा' में भी एक विशेष भूमिका निभाएंगे।

हीरामंडी 2 को लेकर संजीदा शेख का खुलासा

बताया कैसा होगा संजय लीला भंसाली की सीरीज का दूसरा सीजन

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार के पहले सीजन ने प्रशंसकों का खूब मनोरंजन किया। इस सीरीज का दूसरा सीजन भी आएगा। अब, सीरीज में वहीदा का किरदार निभाने वाली संजीदा शेख ने दूसरे सीजन पर एक बड़ा अपडेट शेयर किया है, जिसे सुनकर हीरामंडी के प्रशंसक बेहद खुश हो जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान संजीदा शेख ने संजय लीला भंसाली की हीरामंडी 2 पर अपडेट दिया है। संजीदा ने कहा कि हीरामंडी का आने वाला सीजन बड़ा और बेहतर होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि शूटिंग की समय सीमा अभी भी तय नहीं हुई है, लेकिन सीरीज के दूसरे भाग के लिए सभी अभिनेता तैयार हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजीदा ने यह भी बताया कि हीरामंडी की रिलीज के बाद से उनकी जिंदगी कैसे बदल गई है। संजीदा ने कहा, निर्माता उनके अभिनय की प्रशंसा करते हैं, जिसे वह अविश्वसनीय रूप से खुद को पुरस्कृत पाती हैं। संजीदा ने कहा कि उनका हमेशा से मानना रहा है कि उनका काम खुद बोलना चाहिए और उन्हें खुशी है कि हीरामंडी के बाद अब उन्हें लोगों को अपने हुनर और अभिनय से परिचित कराने की जरूरत नहीं है।

हीरामंडी वेब सरीजी गूगल ट्रेंड्स पर 2024 में सबसे अधिक खोजे जाने वाले शो और फिल्मों में से एक बन गया है। संजीदा ने इसपर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अभिनेता अपने अभिनय, चरित्र और शो के लिए पहचान चाहते हैं और सबसे ज्यादा खोजे जाने वाले शो का हिस्सा बनना वास्तव में खुशी की बात है।

हीरामंडी सीजन 1 में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, फरदीन खान, शेखर सुमन, शर्मिन सहगल, ताहा शाह और संजीदा शेख सहित कई कलाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। इस सीरीज में स्वतंत्रता-पूर्व युग में वेश्याओं के जीवन और भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में उनके योगदान पर केंद्रित है।

पत्नी शोभिता से सिर्फ तेलुगु भाषा में बात करने को क्यों कहते हैं नागा?

अभिनेता नागा चैतन्य ने हाल ही में अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला के साथ विवाह किया है। 04 दिसंबर को पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ इन्होंने शादी की। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। नागा हाल ही में अपनी शादीशुदा जिंदगी पर बात करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी शोभिता को खुद से सिर्फ तेलुगु भाषा में बात करने को कहा है। इसकी वजह भी बताई है।

तेलुगु भाषा से है लगाव

नागा चैतन्य ने अपनी पत्नी शोभिता से सिर्फ तेलुगु भाषा में बात करने को क्यों कहते हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से ही तेलुगु भाषा से लगाव रहा है, इसलिए, वे ऐसा कहते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स से बात करते हुए नागा चैतन्य ने बताया कि भले ही वे कई अलग-अलग बोलियां बोलने वाले लोगों से मिले हों, लेकिन तेलुगु बोली ने उन्हें हमेशा अपनी ओर खींचा है।

शोभिता से करते हैं गुजारिश

नागा ने बताया कि वे अपनी पत्नी से अक्सर एक अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री में हम अलग-अलग भाषाओं के लोगों से मिलते हैं। इस दौरान एक भाषा (तेलुगु) सुनना और किसी से बात करते समय वही गर्मजोशी महसूस करना, मुझे लगता है कि इसी लगाव ने मुझे इस भाषा के करीब खींचा है। मैं शोभिता से कहता रहता हूं कि वे मुझसे तेलुगु में बात करती रहें, जिससे कि इस भाषा में मैं बेहतर होता रहूं।'

शोभिता से मिलने मुंबई आए थे नागा

नागा ने आगे कहा कि वे शोभिता की तरफ भी इसी वजह से आकर्षित हुए, क्योंकि उन्हें अपनी भाषा और जड़ों के बेहद करीब पाते हैं। इसके अलावा नागा चैतन्य ने अपने और शोभिता के रिलेशनशिप पर भी बात की। शोभिता ने बताया कि नागा उनसे मिलने के लिए मुंबई आए थे और एक कैफे में मिले। उस वक्त उन्होंने लाल रंग की ड्रेस पहनी हुई थी।

खतरों से खेलती नजर आईं मलाइका अरोड़ा, 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का ट्रेन वाला सीन किया रिक्रिएट

फिल्म 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का आइकॉनिक सीन याद होगा। हां, वही राज और सिमरन वाला। बाबू जी के आदेश के बाद सिमरन दौड़ पड़ती है राज के साथ जिंदगी जीने और राज चलती ट्रेन में सिमरन को चढ़ाता है। शाहरुख खान और काजोल के बीच फिल्माया गया यह सीन इतना लोकप्रिय है कि आए दिन लोग इसे रिक्रिएट करते दिखते हैं। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने इस सीन को रिक्रिएट किया है।

दोस्तों के साथ हंसी-तफरी करती आईं नजर

मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे ट्रेन में दरवाजे पर खड़ी नजर आ रही हैं। वीडियो में मलाइका अपने दोस्तों को एक-एक करके ट्रेन में चढ़ा रही हैं। सभी लोग बारी-बारी से अभिनेत्री का हाथ पकड़ते हुए ट्रेन में चढ़ रहे हैं। अंदाज वही है, जैसे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में राज (शाहरुख खान) सिमरन (काजोल) को चढ़ाता है'।

मजेदार अंदाज में रिक्रिएट किया सीन

मलाइका अरोड़ा ने लिखा है, 'अपने अंदर के शाहरुख खान से आपकी मुलाकात करा रही हूं। लेकिन, इस बार ट्रेन के ऊपर छैया-छैया नहीं, बल्कि कुछ और है। यह कुछ इस तरह है 'मेरा हाथ पकड़ो और ट्रेन में चढ़ जाओ'! 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का जादू रिक्रिएट कर रही हूं। इस बार मैं नाटकीय अंदाज में लोगों के हाथ खींच रही हूं और मेरी टीम उसे थामे हुए है'।

वीडियो बनाते हुए सुरक्षा का रखा ख्याल

अपने इस पोस्ट में मलाइका ने रेल मंत्रालय को भी टैग किया है। वीडियो बनाते हुए मलाइका ने अपनी सुरक्षा का भी एकदम ख्याल रखा। मलाइका ने जिस वक्त यह सीन रिक्रिएट किया, उस वक्त ट्रेन चल नहीं रही थी, बल्कि प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेन में उन्होंने यह फनी वीडियो बनाया। मलाइका के इस पोस्ट पर दिलचस्प कमेंट आ रहे हैं। यूजर्स उनके अंदाज की तारीफ करने के साथ-साथ उनसे 'छैंया छैंया' सॉन्ग रिक्रिएट करने को भी कह रहे हैं। मलाइका अरोड़ा ने साल 1998 में आई फिल्म 'दिल से' में 'छैंया छैंया' गाने पर धमाकेदार डांस किया। इसमें वे ट्रेन की छत पर ठुमके लगाती नजर आईं। यह गाना आज भी खूब सुना जाता है।

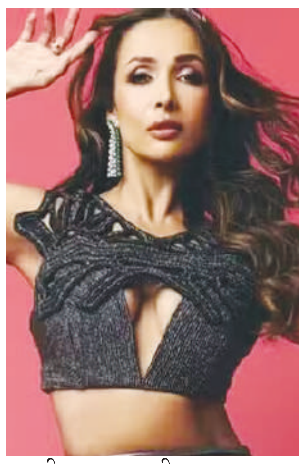

मलाइका ने शुरू किया रेस्टोरेंट

मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने नए रेस्टोरेंट को लेकर भी खबरों में हैं। मलाइका ने अपने बेटे अरहान खान के साथ मिलकर बांद्रा के पाली विलेज में रेस्तरां शुरू किया है। यह रेस्टोरेंट 90 साल पुराने इंडो-पुर्तगाली बंगले में डिजाइन किया गया है।अभिनेत्री करीना कपूर और करिश्मा कपूर बीती रात मलाइका के नए रेस्तरां में पहुंचीं और लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

'डकैत' में श्रुति को मृणाल ने किया रिप्लेस

मृणाल ठाकुर आगामी एक्शन ड्रामा 'डकैतः ए लव स्टोरी' में श्रुति हासन की जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह जानकारी हासन के प्रोजेक्ट से बाहर होने की अफवाहों के बाद आई है। फिल्म में आदिवि शेष भी मुख्य भूमिका में हैं। कास्टिंग परिवर्तन के संबंध में एक आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, शेष द्वारा साझा किए गए नए पोस्टर में मृणाल नजर आ रही हैं और यह फिल्म में उनके होने की पुष्टि करता है।

आज उठेगा पर्दा

आदिवि शेष ने हाल ही में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की। इसने मृणाल ठाकुर के जरिए श्रुति हासन को रिप्लेस किए जाने की अटकलों को जन्म दे दिया है। उन्होंने सोमवार शाम पांच बजकर छह मिनट पर एक आधिकारिक घोषणा की और इशारा करते हुए लिखा, 'बचाया मैंने उसको, लेकिन छोड़ गई, वो कौन है, क्या है, कल पता चलेगा।' इसके साथ ही उन्होंने समय का भी खुलासा किया। आदिवि की पोस्ट से जाहिर होता है कि सुबह साढ़े 11 बजे इस बात से पर्दा उठ जाएगा कि आखिर 'डकैतः ए लव स्टोरी' की मुख्य अभिनेत्री कौन है।

फिल्म से बाहर क्यों हुईं श्रुति?

पहले की रिपोर्टों से पता चला था कि श्रुति हासन ने निर्माताओं के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण यह फिल्म छोड़ दी थी। कुछ सूत्रों ने यह भी दावा किया कि फिल्म के निर्देशन पर शेष के नियंत्रण के कारण उन्होंने इसे करने से मना कर दिया। हालांकि, इन रिपोर्ट्स के बारे में श्रुति हासन या फिल्म निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

'डकैत' की कहानी

एक अन्य रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि श्रुति हासन और आदिवि शेष के सीन को हटा दिया जाएगा, और 'डकैत' टीम वापस से अभिनेता और फिल्म की नई अभिनेत्री के साथ इन सीन को शूट करेगी। शेनिल देव द्वारा निर्देशित उनकी पहली फिल्म 'डकैत' को तेलुगु और हिंदी में एक साथ फिल्माया जा रहा है। 'क्षणम' (2016) और 'गुडाचारी' (2018) जैसी तेलुगु थ्रिलर में सिनेमैटोग्राफर के रूप में अपने काम के लिए जाने जाने वाले देव दो पूर्व प्रेमियों की कहानी ला रहे हैं, जो अनिच्छा से डकैतियों की एक सीरीज के लिए फिर से एकजुट होते हैं जो उनके जीवन को हमेशा के लिए बदल सकता है।

क्या वाकई इस बिजनेसमैन के साथ घर बसाने जा रही हैं कृति? इस वजह से तेज हुई शादी की अफवाह

अभिनेत्री कृति सेनन ने इस साल फिल्म 'दो पत्ती' से बतौर निर्माता डेब्यू किया है। इसमें उन्होंने काजोल के साथ अभिनय भी किया। फिल्म और अभिनय के साथ-साथ कृति इस वक्त अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर वे कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों के अफेयर की खबरों के बीच इनकी शादी की अफवाह फैल रही है। इसके पीछे वजह है कृति की एक तस्वीर।

शादी समारोह में साथ नजर आए

कबीर बहिया के साथ अफेयर की चर्चाओं के बीच हाल ही में कृति सेनन उनके साथ एक शादी समारोह में शामिल हुईं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शादी कबीर के किसी करीबी रिश्तेदार की थी, जिसमें कृति ने भी शिरकत की। यह शादी दुबई में आयोजित हुई। शादी से अभिनेत्री की एक तस्वीर सामने आई है। इसे स्नेहकुमार नाम के यूजर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

क्या अगले साल शादी की तैयारी?

इस शादी समारोह में महेंद्र सिंह धोनी अपनी पत्नी साक्षी के साथ पहुंचे। धोनी के एक फैन पेज से भी इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें कृति भी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद दावा किया जा रहा है कि कृति और कबीर एक-दूसरे को लेकर सीरियस हैं। कहा तो ये भी किया जा रहा है कि दोनों अगले साल शादी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इन खबरों की पुष्टि नहीं हुई है।

जन्मदिन कबीर के साथ ही मनाया।

कृति तोड़ चुकी हैं डेटिंग की खबरों पर चुप्पी

कृति सेनन और कबीर इससे पहले भी कई बार साथ नजर आ चुके हैं। इससे पहले कबीर के साथ अपनी डेटिंग और शादी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ते हुए कृति ने कहा था कि वे अभी शादी करने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने इस तरह की खबरों को परेशान करने वाला बताया। फिलहाल एक बार फिर चर्चाएं तेज होने पर कृति क्या प्रतिक्रिया देती हैं, देखना दिलचस्प होगा।

कौन हैं कबीर बहिया

कबीर बहिया बिजनेसमैन हैं। वे यूके में रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे यूके स्थित ट्रैवल एजेंसी साउथहॉल ट्रैवल के संस्थापक कुलजिंदर बहिया के बेटे हैं। कृति के जन्मदिन पर भी कबीर के साथ उनकी फोटो वायरल हुई थी। कहा गया कि कृति ने अपना

माधुरी दीक्षित ने किराए पर दिया मुंबई का ऑफिस, लाखों में कमाएंगी अभिनेत्री

बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित अब रियल स्टेट बिजनेस में कदम रख चुकी हैं। माधुरी दीक्षित अपने मुंबई ऑफिस को 3 लाख रुपये प्रति महीने किराए पर दे रही हैं। यह ऑफिस मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में है और इसे एक निजी कंपनी को किराए पर दिया गया है।

किराए पर दिया अपना ऑफिस

खबरों की मानें तो माधुरी दीक्षित ये कदम अतिरिक्त आय के लिए उठा रही हैं। चाहे वह आलीशान घर हो या कमर्शियल प्रॉपर्टी - आय के अतिरिक्त स्रोत के रूप में ये फैसला लिया है। माधुरी का ऑफिस 1,594.24 वर्ग फीट में फैला है।

किराए पर उठाया अपार्टमेंट

माधुरी दीक्षित ने मुंबई की रियल स्टेट मार्केट में अपने ऑफिस को किराए पर उठाया है। उन्होंने इस रियल स्टेट मार्केट में 3 लाख रुपये प्रति माह की दर से अपना ऑफिस उठाया है। ये ऑफिस मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में स्थित है। इससे पहले माधुरी लोअर परेल में स्थित अपने लग्जरी अपार्टमेंट खरीद चुकी हैं। इस अपार्टमेंट के लिए उन्होंने 48 करोड़ रुपये अदा किए हैं।

कुछ इतना है घर का एरिया

माधुरी ने इस संपत्ति की रजिस्ट्री 28 सितंबर 2022 को कराई थी। 53वीं मंजिल पर स्थित माधुरी का ये अपार्टमेंट 5384 स्क्वायर फुट में फैला है। अपार्टमेंट के साथ उनको सात कार पार्किंग स्लॉट भी मिला है। बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में माधुरी दीक्षित ने मुंबई में तीन साल के लिए 12.5 लाख रुपये महीने किराए पर एक घर लिया था।

माधुरी ने साझा की ये बात

माधुरी दीक्षित ने साझा किया कि उनका अगला प्रोजेक्ट उनके दर्शकों को आश्चर्यचकित करेगा। अभिनेत्री ने कहा, "मैं इस साल खुद को चुनौती देने जा रही हूं। मैं जल्द ही अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने वाली हूं। यह कुछ बहुत अलग और चुनौतीपूर्ण है, कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है।'

धन्यवाद ! आदर समेटे होता है और अपनेपन से भर देता है

धन्यवाद! एक ऐसा शब्द जो एक अलग तरह की महीनता लिए हुए है। कई बार ऐसा होता है कि सिर्फ़ एक शब्द ही पूरा सुख बुन देता है और 'धन्यवाद' ऐसा ही शब्द है। एक भरा-पूरा शब्द जो किसी भी तरह के सहयोग, सेवा का माल्यार्पण है। हम प्रसन्न होते हैं किसी का सहयोग पाकर और हमारे अंदर भी बहुत कुछ फैलता है, वही कह देता है धन्यवाद। यह शब्द 'धन्य और वाद' के समासीकरण से बना है। इसका समास विग्रह करेंगे तो सामने आएगा- धन्य, ऐसा वाद। धन्य का मतलब 'कृत या कृतार्थ।'

(धन्य – धन + यत) – धनी, धन प्रदान करने वाला, महाभाग, ऐश्वर्यशाली, सौभाग्यशाली, श्रेष्ठ। वैसे अंग्रेजी शब्द 'थैंक्स' के बारे में बात करें तो इसका उद्गम 12 वीं शताब्दी में हुआ। इसका वृहद संदर्भ में अर्थ है- 'आपने जो मेरे लिए किया वो मैं याद रखूंगा।'

असली कमाई है आभार

किसी भी कार्य के बदले भावनाओं को त्वरित अभिव्यक्त करने का सबसे श्रेष्ठ माध्यम है आभार या धन्यवाद ज्ञापित करना। संबंधों की प्रगाढ़ता को यही धन्यवाद चार चांद लगा देता है। धन्यवाद की अनुपस्थिति संबंधों को रूखा कर सकती है और सेवा या किसी कार्य को भविष्य में उसी भाव से करने में व्यवधान पैदा कर सकती है। इसका भाव एहसान या उससे उत्पन्न होने वाले घमंड से परे है। ऐसा कहा जाता है कि जितने धन्यवाद

आप कमाते हैं वही आपकी असली कमाई है। क्योंकि यह सीधे-सीधे तत्काल किसी की मदद और किसी की किसी भी परिस्थिति में मदद से जुड़ा है। यहां कोई दूसरे के लिए कुछ ऐसा कर रहा है कि सामने वाले का मन उसके लिए एक अलग प्रकार की श्रद्धा से भर रहा है। यह श्रद्धा किसी के विश्वास को भी मज़बूत करती है।

भौतिक महत्व भी रखता है

एक मनोवैज्ञानिक प्रयोग में एक दुकानदार ने सिर्फ़ धन्यवाद कहने के लिए सालाना जलसा रखा और अपने ग्राहकों को भोज भी करवाया।

इससे ही उसकी ग्राहकी में सत्तर प्रतिशत बढ़ोतरी देखी गई। धन्यवाद जब अनपेक्षित मिलता है तो उसमें ख़ुशी का एहसास ज़्यादा होता है। अनजानी जगह, अनजाने लोगों के बीच कोई अनजानी सहायता करने के बाद मिले धन्यवाद का एहसास अलग ही होता है। यह हमारे अंदर जोश, आत्मविश्वास और अपनापन भर देता है। सूक्ष्म स्तर पर देखा जाए तो ऐसा है भी, हम सब एक दूसरे के लिए और एक दूसरे से ही बने हैं। इसलिए सभी धर्मों में भी धन्यभागी बन जाने पर ज़ोर दिया गया है।

सनातन धर्म कहता है कि जो लोग अधिक धन्यभागी होते हैं उनका कल्याण का स्तर उच्च होता है। यहूदी धर्म की उक्ति है, 'हे परमेश्वर मैं तुम्हें हमेशा धन्यवाद दूंगा।'

ईसाई धर्म में धन्यवाद को नैतिक गुण माना गया है जो केवल भावनाओं और विचारों का ही नहीं बल्कि कर्म और कार्यों का भी विकास करता है। इस्लाम में कहा गया है कि जीवन में प्रचुरता के लिए आप धन्यवाद करते हैं तो यह आश्वासन है कि यह प्रचुरता जारी रहेगी।

आभारी लोग ज़्यादा ख़ुश, कम उदास, कम थके हुए और अपने जीवन और सामाजिक रिश्तों से अधिक संतुष्ट होते हैं। धन्यभागी लोगों में अपने वातावरण, व्यक्तिगत विकास, जीवन के उद्देश्य और आत्म स्वीकृति के लिए भी नियंत्रण स्तर उच्च होता है। उनके पास जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना करने के लिए अधिक सकारात्मक तरीक़े होते हैं, उन्हें अन्य लोगों से समर्थन मिलने की संभावना अधिक होती है, वे अनुभव की पुनः व्याख्या करते हैं और उससे आगे बढ़ते हैं और समस्या के समाधान के लिए योजना बनाने में अधिक समय लगाते हैं।

कई अध्ययन बताते हैं कि...

धन्यवाद देने का भाव जिन लोगों में प्रबल होता है उनका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा व चारित्रिक गुण अधिक होते हैं। ऐसे लोगों में गुणात्मक विकास बहुत ज़्यादा होता है। धन्यवाद भी संक्रामक की श्रेणी में आता है।

यदि कोई किसी को धन्यवाद ज्ञापित कर रहा है तो सच मानिए तीसरा व्यक्ति भी इसके लिए स्वतः प्रेरित होता है। वास्तव में देखा जाए तो एक छोटा-सा शब्द हमारे मन पर सकारात्मक गहरी छाप छोड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि हमारे हिस्से में भी बहुत सारे धन्यवाद आएं और हम भी बहुत सारे धन्यवाद कर सकें।धन्यवाद पाना और देना दोनों ही हमारे सच्चे बैंक बैलेंस हैं जो हमारे साथ जाने वाले हैं।

बहरेपन के वैसे कई कारण हैं लेकिन शोर-शराबे से भरी जीवनशैली भी इसके लिए काफ़ी हद तक ज़िम्मेदार है...

सुनने की क्षमता में कमी एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इस समय दुनिया में लगभग 47 करोड़ लोग इस समस्या से पीड़ित हैं जो आबादी का लगभग 6.1% है। एडवांस टेक्नोलॉजी, स्मार्टफ़ोन, हाई पावर म्यूज़िक सिस्टम, ईयरफ़ोन के बढ़ते उपयोग के साथ ही नाइटक्लब का शोर युवाओं में बहरेपन की वजह बन रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 12 से 35 वर्ष के लगभग 4.3 करोड़ किशोर व युवा सुनाई कम देने की समस्या से जूझ रहे हैं। इनमें से क़रीब 50 प्रतिशत स्मार्टफ़ोन, म्यूज़िक प्लेयर जैसी पर्सनल ऑडियो-वीडियो डिवाइस की वजह से इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। बच्चों में 60 फ़ीसदी तक बहरेपन की समस्या को रोका जा सकता है। वैसे भी तेज़ शोर के कारण हुए बहरेपन का कोई इलाज उपलब्ध नहीं है इसलिए एकमात्र तरीक़ा बचाव ही है।

8 घंटे तक ही 85 डेसिबल सही

तेज आवाज़ से कान के आंतरिक भाग में स्थित संवेदी कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और इनकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है जिससे शुरुआत में कुछ समय के लिए सुनाई देना कम हो जाता है। लंबे समय तक लगातार तेज आवाज़ के संपर्क में रहने पर यह समस्या स्थायी हो जाती है। ट्रैफ़िक का शोर, अलार्म घड़ी, वॉशिंग मशीन, सामान्य बातचीत यह सब 60 से 80 डेसीबल के दायरे में आते हैं। 85 डेसिबल से कम आवाज़ को भी अधिकतम 8 घंटे तक ही सुरक्षित माना गया है। मोटर साइकिल या ट्रक की आवाज़, एक दूरी पर रखा म्यूज़िक सिस्टम 95 से 100 डेसीबल के दायरे में आते हैं।

संगीत सुनना कितनी देर तक सही

मोबाइल पर बात करने या म्यूज़िक सुनने के लिए, 60/60 के नियम का पालन कर सकते हैं। दिन में 60 मिनट से ज़्यादा कान पर लगाकर मोबाइल से बात ना करें। मोबाइल के अधिकतम तीव्रता को 60 फ़ीसदी से कम स्तर पर रखें। मोबाइल या लैपटॉप से गाने या किसी वीडियो को सुनने के लिए ईयरबड्स/ प्लग अथवा हेडफ़ोन काम में लिए जाते हैं। ईयरप्लग कान के अंदर लगाए जाते हैं, जबकि हेडफ़ोन कान के बाहर लगाते हैं। इन दोनों में से ईयरप्लग ज़्यादा नुक़सान करते हैं।

हो सकता है इंफेक्शन

ईयर बड्स को कहीं भी रख देना या ज़मीन पर गिरने के बाद हल्का-सा झाड़कर वापस कान में लगा लेना बाह्य कान के संक्रमण की एक वजह हो सकती है। शोरगुल वाली जगह पर मौजूद होने के बावजूद ईयरफ़ोन का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि ऐसा होने पर बाहरी आवाज़ से मुक़ाबला करने के लिए हम ईयरफ़ोन का वॉल्यूम बहुत तेज़ कर लेते हैं, जो कान की सेहत के लिए नुक़सानदेह होता है। ड्राइव करते समय कान में हेडफ़ोन लगाकर बात करते हुए जाना या रात को ईयरफ़ोन लगाकर गाने सुनते हुए सोना ग़लत है। लगातार शोर के संपर्क से कान को नुक़सान पहुंचता है।

ये भी हैं कारण

उम्र...

उम्र के अनुसार भी बहरेपन के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। जन्मजात समस्या, कान में संक्रमण के अलावा वृद्धावस्था में सुनाई देने से संबंधित नस में कमज़ोरी के कारण भी यह हो सकता है।

कान बहना...

कान बहना एक आम समस्या है जो किसी भी आयु के लोगों को कभी भी हो सकती है। इससे सुनने की क्षमता भी प्रभावित होती है। यह समस्या समय रहते ठीक हो सकती है। लगातार या लंबे समय से कान बहने का कारण पर्दे में छेद या मैस्टॉइड हड्डी का गलाव होता है। अन्य कारणों में शरीर की सबसे छोटी हड्डी स्टेपिज का स्थिर होना, द्रव्य का बढ़ना, सिर या कान पर चोट लगना भी हो सकते हैं। संक्रमण को दवाओं से ठीक किया जा सकता है। कान के अंदर आवाज़ के मार्ग में बाधा होने जैसे पर्दे में छेद, हड्डी का गलाव या सुनने में सहायक हड्डी का स्थिर होना आदि को सर्जरी से ठीक किया जा सकता है।

आहार में करें शामिल

मैग्नीशियम...

यह फ़्री रेडिकल्स व तेज़ शोर के दुष्प्रभाव से नर्वस सिस्टम व कान की संवेदी कोशिकाओं को बचाता है। एवाकाडो, फल, बादाम, अंजीर, पालक, कद्दू के बीज, ब्लैक बीन्स यानी काला राजमा, अलसी, मूंगफली, साबुत अनाज इसके अच्छे स्रोत हैं।

पोटैशियम...

यह सुनने में सहायक कान के आंतरिक भाग में स्थित द्रव्य को संतुलित रखता है। खाने में केला, तरबूज़, संतरा, किशमिश, सोयाबीन की फलियां, ख़ुबानी, शकरकंद, राजमा, मटर, सफ़ेद बीन्स, पालक, नारियल पानी में पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है।

ज़िंक...

यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कान में संक्रमण व सीटी की आवाज़ को बढ़ने से रोकता है। इसके लिए मसूर की दाल, लहसुन, मशरूम, कद्दू के बीज, दही, दलिया, मूंगफली को अपने आहार में शामिल करना चाहिए।

ओमेगा-3 फैटी एसिड...

आयु जनित बहरेपन को कम करने में यह स्वस्थ वसा के रूप में सहायक है। इसके स्रोत हैं : अखरोट अलसी के बीज चिया बीज, सोयाबीन, फूलगोभी,अंडा, मछली आदि।

इन बातों का भी रखें ख़्याल

सुनाई देने में कमी महसूस होने पर इसकी अनदेखी न करें। समय रहते इलाज से अच्छे परिणाम आते हैं। दवाओं का प्रयोग केवल चिकित्सीय परामर्श से ही करें। यदि पहले से ही कम सुनाई देता है तो किसी भी अन्य रोग की दवा लेते समय चिकित्सक को इसके बारे में बताएं। ज़्यादातर कान के रोग लंबे समय तक ज़ुकाम रहने से भी होते हैं इसलिए ज़ुकाम की अनदेखी ना करें। एलर्जी को नियंत्रण में रखें। धूल, धुआं व ठंड से बचें। कान पर चोट ना लगे इसे लेकर सतर्कता बरतें। ख़ुद ही कान की ईयरबड या तीली से सफ़ाई ना करें।

लिवर में जमा फैट बाहर करेगा त्रिफला चूर्ण
हल्दी वाला दूध और ग्रीन टी भी फायदेमंद

लिवर में एक्स्ट्रा फैट जमा हो जाने से फैटी लिवर की प्रॉब्लम होती है। फास्ट फूड खाने से फैट बढ़ता है जिससे लिवर में सूजन आ जाती है। ज्यादा मात्रा में अल्कोहल पीने से भी फैटी लिवर की समस्या बढ़ती है। ठीक समय पर फैटी लिवर का इलाज न शुरू करने पर लिवर फायब्रोसिस बन जाता है और हालत नाजुक हो सकती है। डॉक्टर श्लेष सिंह बता रहे हैं कि फैटी लिवर में किन चीजों का सेवन फायदेमंद है।

ग्रीन टी है फायदेमंद

ग्रीन टी पीने से फैटी लिवर का प्रॉब्लम कम होगा। एक रिसर्च में लिखा है कि नॉन -अल्कोहॉलिक फैटी एसिड की समस्या को कम करने के लिए ग्रीन टी का सेवन लाभदायक है। पॉलीफेनोलिक कैटेचिन से भरपूर ग्रीन टी में हाइपोलिपिडेमिक, थर्मोजेनिक, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी इफेक्ट होते हैं। इसमें हेपटोप्रोटेक्टिव यानी लिवर को सुरक्षित रखने का भी गुण भी होता है। दिन में एक या दो बार से ज्यादा ग्रीन टी न पिएं।

फैटी लिवर है तो पिएं हल्दी वाला दूध

लिवर से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में हल्दी का सेवन फायदेमंद है। गोल्डन मिल्क यानी कि हल्दी वाला दूध पीने से भी इसमें आराम मिलता है। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लीवर की समस्या को कुछ हद तक कम कर सकता है। फैटी लीवर के लिए, दवा के साथ, डॉक्टरी सलाह पर यह घरेलू नुस्खा आजमाया जा सकता है।

त्रिफला चूर्ण लिवर फैट करेगा दूर

आयुर्वेद में त्रिफला चूर्ण के कई फायदे बताए गए हैं। आंवला, बिभीतकी और हरीतकी को पीस कर त्रिफला चूर्ण तैयार किया जाता है। कब्ज की समस्या में गुनगुने पानी के साथ त्रिफला चूर्ण का सेवन फायदेमंद है। लिवर प्रॉब्लम्स में भी त्रिफला का सेवन फायदेमंद है क्योंकि इसके सेवन से डाइजेस्टिव एंजाइम एक्टिव होते हैं और लिवर से टॉक्सिन्स रिलीज होते हैं।

अल्कोहोलिक फैटी लीवर में मुलेठी गुणकारी

ज्यादा शराब पीने से अल्कोहोलिक फैटी लीवर प्रॉब्लम होती है। मुलेठी के सेवन से अल्कोहोलिक फैटी लिवर की समस्या से राहत मिलती है। मुलेठी में पाए जाने वाले एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सिडेंट गुण फैटी लिवर की समस्या दूर कर सकते हैं। इसमें मौजूद हेपटोप्रोटेक्टिव एलिमेंट लिवर को सुरक्षित रखता है। आधा छोटा चम्मच मुलेठी के बीज का चूर्ण बनाकर इसे गर्म पानी में डालकर 10 मिनट छोड़ें और फिर पी जाएं।

फूड पैकेट के लेबल में छुपी होती है कई जानकारी, सामान ख़रीदने से पहले इसे समझना जरूरी है

खाने के पैकेट पर सामग्री सूची में कुछ सामग्रियां ऐसी भी होती हैं जिनका न तो हम अर्थ जानते हैं और न ही इस्तेमाल। ऐसे में सामान ख़रीदने से पहले इसे समझना समझदारी है।

जब हम कोई पैकेट का सामान ख़रीदते हैं तो सबसे पहले उसका लेबल पढ़ते हैं। उसमें किन सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है और सेहत के लिहाज़ से कितना सही है, ये सब देख-परखकर ही अक्सर ख़रीदते हैं। लेकिन पैकेट के लेबल पर जो लिखा होता है ज़रूरी नहीं कि वह स्पष्ट हो। कई बार सामग्री छुपी हुई होती है या दावे जैसे- हार्ट हेल्दी, नैचुरल या लो फैट आदि हमेशा सही नहीं होते। अगर आप लेबल पढ़कर ही सामान ख़रीदते हैं तो उससे जुड़ी ज़रूरी जानकारी भी रखें।

सामग्री के क्रम पर दें ध्यान

एफएसएसएआई की गाइडलाइन के अनुसार सामग्री वज़न के अनुसार सूचीबद्ध होती है। जिस सामग्री का वज़न यानी जिसकी मात्रा सबसे अधिक है उसे इन्ग्रेडिएंट्स लिस्ट में सबसे पहले रखा जाता है। मिसाल के तौर पर गेहूं के आटे के बिस्किट। अगर इसमें सबसे ज़्यादा इस्तेमाल गेहूं के आटे का हुआ है तो ये सूची में सबसे पहले रखा जाएगा। इसके बाद सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाली सामग्री शक्कर या दूध दूसरे स्थान पर होगी। वहीं सबसे कम इस्तेमाल होने वाली सामग्री को आख़िरी में रखा जाएगा। इससे आप यह पता लगा सकते हैं कि आप जिस सामग्री की वजह से वस्तु ख़रीद रहे हैं उसका कितनी मात्रा में उपयोग हुआ है।

पोषण जो दिख रहा है

कई पैकेट्स पर लिखा होता है वीट फ्लॉर, ब्राउन राइस सिरप और पाम्ल ऑयल जो काफ़ी पौष्टिक लगते हैं। पर वीट फ्लॉर का मतलब मैदे से भी हो सकता है। इसके बजाय होल वीट फ्लॉर लिखा है तो इसमें गेहूं का इस्तेमाल किया गया है। इसी तरह पाम ऑयल बनता पौधे से है लेकिन यह सैचुरेटेड फैट होता है जो अच्छा फैट नहीं है। कई बार पैकेट पर ज़ीरो ट्रांसफैट, लो सोडियम और हाई फाइबर लिखा होता है, जो वाक़ई हो ऐसा ज़रूरी नहीं। बेहतर होगा कि सामग्री सूची में पोषण देखकर ही सामान लें।

शब्दों में न फंसें...

सूची में सामग्री अलग नाम से भी हो सकती है। शक्कर के स्थान पर हाई फ्रुक्टोज़ कॉर्न सिरप, शहद, ब्राउन राइस सिरप जैसे शब्द हो सकते हैं। कुछ शब्दों के अंत में 'ose' का

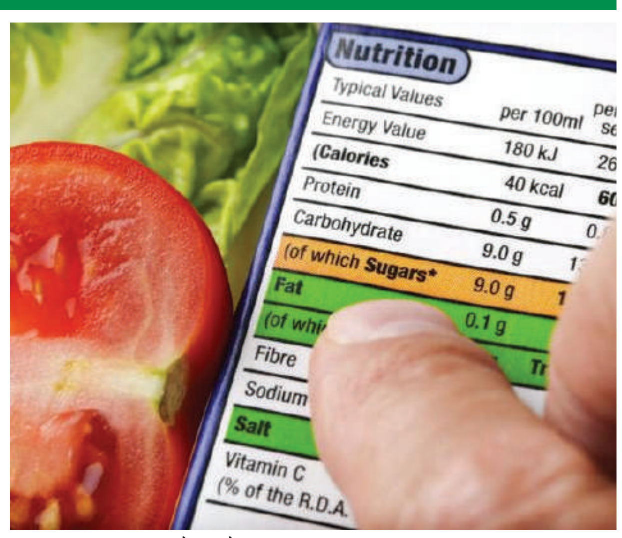

इस्तेमाल होता है, जैसे कि ग्लूकोज, मल्टोज आदि। नमक के लिए बेकिंग सोडा, मोनोसोडियम, ब्राइन और सोडियम बेंज़ोएट। फैट के लिए लार्ड, पार्शियली हाइड्रोजिनेटेड, हाइड्रोजिनेटेड ऑयल, टैलो और शॉर्टनिंग होगा। खाने के रंग के लिए अलग-अलग कोड होते हैं, जैसे E150 भूरे रंग के लिए। हालांकि कुछ सामग्रियां जैसे स्टीवियल ग्लाइकोसाइड, स्वास्थ्यवर्धक हो सकती हैं।

कम शब्दों के इन्ग्रेडिएंट्स

जिन खाद्यों में रासायनिक वस्तुओं का इस्तेमाल नहीं होता उनकी इन्ग्रेडिएंट्स लिस्ट छोटी होती है। इन्हें समझना और सही सामान का चुनाव करना भी आसान होता है।

हमें सदा दूसरों की दशा अच्छी और ख़ुद की स्थिति बुरी लगती है

हवा में इठलाती, लहराती रंग-बिरंगी पतंगों को देखकर मन में यह विचार आ सकता है कि काश! हमारी ज़िंदगी में भी इसी तरह की मस्ती, बेफ़िक्री और आनंद होता। ये तो इंसान की फ़ितरत है कि उसे सदा दूसरों की दशा अच्छी और ख़ुद की स्थिति बुरी लगती है। पतंग के छोटे-से जीवन में भी उतार-चढ़ाव, अस्थिरता और अनिश्चितता जैसी तकलीफ़ें होती हैं। सच कहें, पतले काग़ज़ की बनी, छोटी-सी ज़िंदगी पाने वाली पतंग फिर भी मस्ती और आनंद में झूमती है क्योंकि- वह हर प्रकार के बोझ से मुक्त है, उसने अपनी ज़िंदगी को हवा से भी हल्का बना लिया है। तभी तो पल-पल कटने-फटने या नष्ट हो जाने का ख़तरा मंडराने के बावजूद वह ज़िंदादिली से जीती है। आप भी अपना जीवन पतंग की तरह हल्का बना लें और अपने ऊपर लदे तमाम मानसिक या भौतिक बोझ उतार फेंकें तो मस्ती भरी ज़िंदगी जीने का आनंद ले सकते हैं। आप कहेंगे कि जीवन में बोझ या

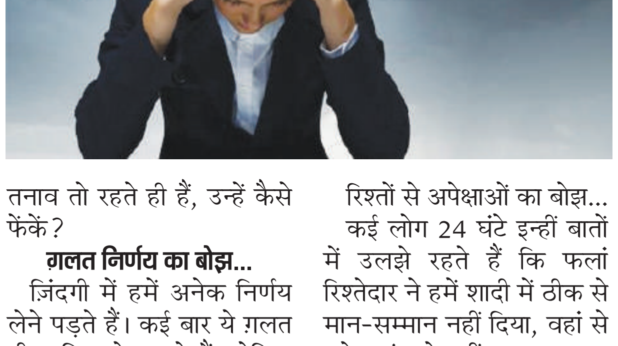

तनाव तो रहते ही हैं, उन्हें कैसे फेंकें?

ग़लत निर्णय का बोझ...

ज़िंदगी में हमें अनेक निर्णय लेने पड़ते हैं। कई बार ये ग़लत भी साबित हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए ज़िंदगीभर पछताने और दुखी रहने से कोई फ़ायदा नहीं होता। इसके बजाय उन अच्छे निर्णयों के लिए ख़ुद को सराहें, जिनके कारण आप आज यहां तक पहुंचे हैं। ध्यान रखें, ग़लत निर्णयों की संख्या कम और सही निर्णयों की अधिक होती है।

रिश्तों से अपेक्षाओं का बोझ...

कई लोग 24 घंटे इन्हीं बातों में उलझे रहते हैं कि फलां रिश्तेदार ने हमें शादी में ठीक से मान-सम्मान नहीं दिया, वहां से न्योता ढंग से नहीं आया, अमुक के घर गए तो सम्मान नहीं किया, खाने के लिए नहीं पूछा, ठीक से बात नहीं की, हम पर ध्यान नहीं दिया आदि। ध्यान रहे, अपेक्षाएं सिर्फ़ दुख-दर्द देती हैं, इसलिए ऐसी बातों पर ज़्यादा ध्यान न दें।

सोशल स्टेटस का बोझ...

कई लोग आमदनी न होने के बावजूद अपने पड़ोसी, मित्रों या रिश्तेदारों के बीच अपना रोब क़ायम रखने व उनकी बराबरी करने के लिए आए दिन महंगे घरेलू उपकरण, गैजेट्स, कपड़े आदि ख़रीदते हैं या फिर ज़रूरत न होने के बावजूद महंगा फ्लैट या कार ख़रीद डालते हैं। इसके बाद लोगों के क़र्ज़ या ईएमआई चुकाने में पूरी ज़िंदगी बिसूरते हुए गुज़ारते हैं। इसलिए उतने ही पैर पसारें जितनी बड़ी चादर हो।

दुनियाभर के कामों का बोझ...

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे पूरी दुनिया का काम अपने सिर पर लाद लेते हैं। चाहे परिवार की बात हो या रिश्तेदार की अथवा दफ़्तर की, ऐसा लगता है जैसे हर किसी की मदद का ठेका उन्होंने ही ले रखा है। अगर आप भी इनमें से हैं, तो इस बोझ को इसी वक़्त उतार फेंकिए। उतना ही काम लीजिए, जिससे आपकी ज़िंदगी दूभर न हो।

कमाई से असंतोष का बोझ...

इच्छाएं और नींद कभी पूरी नहीं होतीं। यक़ीन मानिए

दुनियाभर में आपको ऐसे लोग गिनती के मिलेंगे, जो अपनी आय से संतुष्ट रहते हैं। जैसा कि कहा गया है संतोषम् परम् सुखम्। ये ही लोग दुनिया के सबसे सुखी इंसान होते हैं। आप लगातार पैसा कमाने के पीछे भागते रहेंगे/रहेंगी, तो जो आपके पास मौजूद है उसका उपभोग कभी नहीं कर पाएंगे।

भविष्य की चिंता का बोझ...

कई लोग अच्छी कमाई, अच्छे जीवनसाथी, अच्छे व आज्ञाकारी बच्चों के होते हुए भी अचानक अवसाद के सागर में ग़ोते लगाने लगते हैं। जानते हैं क्यों? वे इस सोच में डूब जाते हैं कि कल को नौकरी छूट गई, जीवनसाथी को कुछ हो गया, बच्चे नालायक़ निकल गए तो क्या होगा?

अंबानी-अदाणी को मिलाकर जितनी संपत्ति

मस्क ने उसका लगभग डेढ़ गुना इसी साल कमा लिए

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की संपत्ति में इन दिनों पंख लग गए हैं। भारत के दो सबसे अमीर लोगों यानी रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी और अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी की संपत्ति जोड़ भी दें तो वे एलन मस्क की संपत्ति के करीब भी नहीं पहुंचते। टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के मुखिया एलन मस्क की संपत्ति दिन दूना और रात चौगुना की कहावत को सच साबित करते हुए लगातार बढ़ रही है। हाल ही में मस्क की कुल नेटवर्थ रिकॉर्ड बनाते हुए 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गई थी। अब उनके नेटवर्थ का आंकड़ा जल्द ही 500 अरब डॉलर के पार भी जाता दिख रहा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार उनकी कुल संपत्ति 474 अरब डॉलर पर पहुंच चुकी है। हालिया रफ्तार जारी रही तो मस्क की कुल संपत्ति जल्द ही 500 अरब डॉलर के पार होगी।

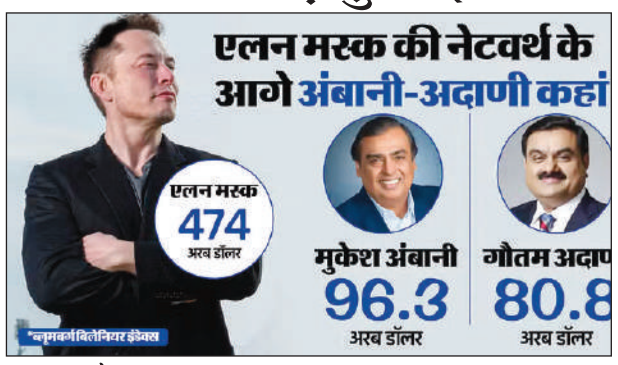

अंबानी और अदाणी की संपत्ति में बीते कुछ महीनों में दिखी गिरावट

साल 2024 की बात करें तो एलन मस्क की संपत्ति में अब तक 245 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है। आप यह जानकार चौंक जाएंगे कि जितनी राशि एलन मस्क ने केवल इस साल कमा ली है, वह भारत के शीर्ष दो कारोबारी मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी की संयुक्त संपत्ति का भी लगभग डेढ़ गुना है। अंबानी और अदाणी की संपत्ति में बीते कुछ महीनों में बड़ी गिरावट दिखी है, दोनों की नेटवर्थ 100 अरब डॉलर से नीचे आ गई है।

दुनिया के अरबपतियों की सूची में अंबानी और अदाणी कितने नंबर पर?

दुनिया के अरबपतियों की सूची ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार मुकेश अंबानी 96.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 17वें नंबर पर हैं। दूसरी ओर, गौतम अदाणी 80.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 19वें नंबर पर हैं। इस साल मुकेश अंबानी की संपति में 55.5 मिलियन डॉलर की गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर, गौतम अदाणी की संपत्ति इस वर्ष 3.52 अरब डॉलर घटी है। 2024 में एलन मस्क की कमाई की बात करें तो उनकी संपत्ति में इस साल अब तक 245 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है। जो अंबानी और अदाणी की संयुक्त संपत्ति 177.1 अरब डॉलर की तुलना में करीब-करीब डेढ़ गुना है।

एक साल में एलन मस्क की संपत्ति कितनी बढ़ी?

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की संपत्ति में बीते कुछ समय में बड़ा इजाफा देखने को मिला। एलन मस्क ने हाल ही में संपन्न हुए अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के पक्ष में खुलकर प्रचार किया था। ट्रंप की जीत के बाद मस्क के कंपनियों के शेयरों में बड़ा उछाल दिखा। 05 नवंबर 2024 को एलन मस्क की नेटवर्थ करीब 260 अरब डॉलर थी जो ट्रंप की जीत के बाद महज एक डेढ़-महीने में ही 214 अरब डॉलर बढ़कर 474 अरब डॉलर के पार पहुंच गई।

टाटा, मित्तल, अंबानी देश की 10 दिग्गज कंपनियों के बाजार में डूबे 2.37 लाख करोड़

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां)। बीते दो दिनों से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। सोमवार के बाद मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी करीब डेढ़ फीसदी तक डूब गए। जिसकी वजह से देश की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप से 2.37 लाख करोड़ करोड़ रुपए साफ हो गए सबसे ज्यादा नुकसान टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज को होता हुआ दिखाई दिया। दोनों के कंबाइंड मार्केट कैप को एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में बीते दो दिनों में मोटा नुकसान हुआ है.अगर बात सेंसेक्स की करें तो सोमवार को 1100 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखने को मिली है। अगर बात बीते दो दिनों की करें तो सेंसेक्स में 1500 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं दूसरी ओर निफ्टी में 464.85 अंकों की गिरावट बीते दो दिनों में देखने को मिल चुकी है। जिसकी वजह से निवेशकों को बीते दो दिनों में 4.59 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार देश की टॉप 10 कंपनियों को कितना नुकसान हुआ है. मंगलवार को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बांबे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1064.12 अंकों की गिरावट के साथ 80,684.45 अंकों पर बंद हुआ। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 1,136.37 अंकों की गिरावट के साथ 80,612.20 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 332.25 अंकों की गिरावट के साथ 24,336.00 अंकों पर बंद हुआ। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी 364.8 अंकों की गिरावट के साथ 24,303.45 अंकों पर बंद हुआ.

भारत की तिजोरी खाली कर रहा चीन,हर साल 115 अरब का हो रहा व्यापार

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर देश में अक्सर चर्चा होती रहती है। सोशल मीडिया पर आए दिन चीन के सामानों का विरोध भी दर्ज कराया जाता है। लेकिन, जब आप असली आंकड़ों पर नजर डालते हैं तो ये आपको हैरान कर देते हैं। खासतौर से चीन से भारत द्वारा मंगाए गए सामानों का आंकड़ा.

साल 2024 में खूब बढ़ा व्यापार

साल 2023 में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी था। लेकिन, साल 2024 में ये दर्जा चीन ने फिर हासिल कर लिया है। व्यापार को लेकर मई 2024 में ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने जो आंकड़े जारी किए थे, उनके अनुसार, 2024 के वित्त वर्ष में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 118.4 अरब डॉलर का रहा है। हालांकि, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मौजूदा वित्तीय वर्ष (2024-25) में अप्रैल से लेकर अगस्त तक अमेरिका मामूली अंतर से व्यापार के मामले में चीन से आगे निकल गया और शीर्ष पर है। अमेरिका और भारत के बीच इस समय में कुल 53 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जबकि भारत-चीन के बीच 52.43 अरब डॉलर का व्यापार हुआ।

चीन ने भारत से कितना पैसा कमाया

मौजूदा वित्तीय वर्ष (2024-25) में अप्रैल से लेकर अगस्त तक चीन ने भारत में 46.6 अरब डॉलर का सामान भेजा। जबकि, भारत ने चीन को 5.7 अरब डॉलर का सामान भेजा जो आयात का सिर्फ 8 फीसदी है। वहीं, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में चीन से भारत का आयात 101 अरब डॉलर रहा।

पिछले पांच वर्षों का आंकड़ा

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 की बात करें तो इस बीच भारत-चीन के बीच लगभग 82 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। इसमें आयात 65 अरब डॉलर का था और निर्यात 16 अरब डॉलर का था। 2020 की बात करें तो इस साल दोनों देशों के बीच लगभग 86.5 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। इसमें आयात 65 अरब डॉलर से अधिक था और निर्यात 21 अरब डॉलर था.2021 की बात करें तो इस साल भारत-चीन के बीच 115 अरब डॉलर का व्यापार हुआ।

45 कोचिंग सेंटर पर केंद्र सरकार की गिरी गाज

61 लाख का जुर्माना, छात्रों को 1.15 करोड़ का रिफंड

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए 45 कोचिंग सेंटर्स को नोटिस भेजा है। 19 कोचिंग संस्थानों पर 61,60,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। सीसीपीए ने यह कार्रवाई छात्रों को गुमराह करने वाले विज्ञापनों के खिलाफ की है। कई कोचिंग सेंटर झूठे दावे करके छात्रों को लुभाते हैं। सीसीपीए ऐसे कोचिंग सेंटर्स पर लगातार नजर रख रहा है।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने छात्रों को फीस वापसी में मदद की है। 1.15 करोड़ रुपये से अधिक की राशि छात्रों को वापस मिली है। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने राज्यसभा में लिखित उत्तर में बताया कि उपभोक्ता मामलों का विभाग उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और उन्हें सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। इसके लिए नए कानून भी बनाए जा रहे हैं। आज के वैश्वीकरण, तकनीक और ई-कॉमर्स के दौर में उपभोक्ता संरक्षण के ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए 1986 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को हटाकर 2019 का उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लाया गया। इसके तहत सीसीपीए यानी केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण बनाया गया है। इसने कोचिंग सेंटर्स के भ्रामक विज्ञापनों पर ऐक्शन लिया है। छात्रों को फीस वापस दिलाने में मदद की है। सीसीपीए 2019 के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 10 के तहत स्थापित किया गया है। इसका काम है उपभोक्ताओं के अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार और भ्रामक विज्ञापनों को रोकना। ये विज्ञापन जनता और उपभोक्ताओं के हितों के खिलाफ होते हैं। सीसीपीए का मकसद उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देना, उनकी रक्षा करना और उन्हें लागू करवाना है। कोचिंग सेंटर्स को भ्रामक विज्ञापन बनाने से रोकने के लिए सीसीपीए ने 13 नवंबर, 2024 को 'कोचिंग सेक्टर में भ्रामक विज्ञापन की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश, 2024' जारी किए हैं। ये दिशानिर्देश कोचिंग सेंटर्स को झूठे या भ्रामक दावे/विज्ञापन करने और भ्रामक या अनुचित व्यवहार करने से रोकने के लिए हैं। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए सीसीपीए ने भ्रामक विज्ञापन के लिए विभिन्न कोचिंग सेंटर्स को 45 नोटिस जारी किए हैं। सीसीपीए ने 19 कोचिंग संस्थानों पर 61,60,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। उन्हें भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार व्यवहार बंद करने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से संचालित राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन देशभर के उपभोक्ताओं के लिए मुकदमेबाजी से पहले उनकी शिकायतों के निवारण के लिए एकल संपर्क बिंदु के रूप में उभरी है। उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1915 के जरिये 17 भाषाओं में देश भर से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। ये शिकायतें एकीकृत शिकायत निवारण तंत्र पर दर्ज की जा सकती हैं।इनग्राम एक ऑम्नी-चैनल आईटी सक्षम केंद्रीय पोर्टल है। उपभोक्ता अपनी सुविधानुसार व्हाट्सएप,एसएमएस, मेल, एनसीएच ऐप, वेब पोर्टल, उमंग ऐप जैसे विभिन्न माध्यमों से शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दूसरी तिमाही में 5.4% की वृद्धि दर उम्मीद से कम

वित्त मंत्री लोकसभा में बोलीं– सुधार जल्द

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में देश की वृद्धि दर 5.4% रही। यह आंकड़ा उम्मीद से कम है, लेकिन आने वाली तिमाहियों में इसमें सुधार होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में यह बात कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम 5.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर एक ''अस्थायी झटका'' है और आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि देखने को मिलेगी। लोकसभा में अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच पर बहस का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने स्थिर और सतत विकास देखा है और पिछले तीन वर्षों में इसकी सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर औसतन 8.3 प्रतिशत रही है। सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही की वृद्धि दर केवल एक अस्थायी झटका है और आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि देखने को मिलेगी। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में कोई व्यापक मंदी नहीं है। समग्र विनिर्माण क्षेत्र के आधे क्षेत्र मजबूत बने हुए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 6.7 प्रतिशत तथा जुलाई-सितंबर अवधि में 5.4 प्रतिशत बढ़ी। मुद्रास्फीति के बारे में सीतारमण ने कहा कि एनडीए शासन में इस पर बेहतर नियंत्रण है, जबकि यूपीए के शासन में यह दोहरे अंक को छू गई थी। सीतारमण ने कहा कि बेरोजगारी दर 2017-18 में 6 प्रतिशत से घटकर अब 3.2 प्रतिशत हो गई है।

वित्त मंत्री ने कहा, पिछले तीन वर्षों में भारत की जीडीपी वृद्धि दर औसतन 8.3 प्रतिशत रही है, इसमें स्थिर व सतत वृद्धि हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही में वृद्धि में गिरावट केवल अस्थायी झटका है। आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि देखने को मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में कोई सामान्य मंदी नहीं है, आधे विनिर्माण क्षेत्र अब भी मजबूत वृद्धि के संकेत दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अप्रैल से अक्तूबर 2024-25 के दौरान खुदरा मुद्रास्फीति 4.8 प्रतिशत रही, यह कोविड महामारी के बाद सबसे कम है।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 1064 अंक टूटा, निफ्टी 24350 से फिसला

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेड के ब्याज दर निर्णय से पहले निवेशकों के सतर्क रुख के बीच व्यापक बिकवाली से मंगलवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ 1,064.12 अंक या 1.30 प्रतिशत टूटकर 80,684.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,136.37 अंक या 1.39 प्रतिशत गिरकर 80,612.20 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 332.25 अंक या 1.35 प्रतिशत गिरकर 24,336 पर आ गया। 30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में सभी कंपनियाँ लाल निशान पर बंद हुईं। भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक सबसे ज्यादा पिछड़े। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही। यूरोपीय बाज़ारों में ज़्यादातर कारोबार नकारात्मक रहा। सोमवार को वॉल स्ट्रीट ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुआ। जानकारों के अनुसार, यूएस फेड, बीओजे (बैंक ऑफ जापान) और बीओई(बैंक ऑफ इंग्लैंड) के प्रमुख नीतिगत

निर्णयों से पहले सभी क्षेत्रों में व्यापक निराशा है। बाजार पहले ही यूएस फेड की ओर 25 बीपीएस कटौती को ध्यान में रखकर किसी भी आक्रामक संकेतों के प्रति सतर्क है।

बीओजे और बीओई की ओर से इस वर्ष के लिए अपनी वर्तमान दरों को बनाए रखने की उम्मीद है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, रुपया के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचपे और व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से बाजार पर दबाव और बढ़ गया है। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 278.70 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.50 प्रतिशत घटकर 73.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सोमवार को 384.55 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 81,748.57 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 100.05 अंक या 0.40 प्रतिशत गिरकर 24,668.25 अंक पर बंद हुआ था।

सोने के दाम में 324 की गिरावट

चांदी का भाव भी 514 रुपए गिरकर 89,001 रुपए पर आया; इस साल 21% महंगा हुए सोना-चांदी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी मंगलवार (17 दिसंबर) को, गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के डेटा के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 324 रुपए गिरकर 76,584 रुपए पर आ गया है। इससे पहले कल सोने की कीमत 76,908 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। चांदी का भाव भी आज 514 रुपए गिरकर 89,001 रुपए पर आ गया है। कल चांदी 89,515 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट स0ोने की कीमत 78,150 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,000 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,500 रुपये है।

इस साल 21% महंगा हुए सोना-चांदी

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक सोने का भाव 20.88% बढ़ा है।

साल के पहले दिन 24 कैरेट 10 ग्राम गोल्ड की कीमत 63,352 रुपए थी, जो अब 13,232 रुपए बढ़कर 76,584 रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 1 जनवरी को 1 किलो चांदी 73,395 रुपए में बिक रही थी, जिसकी कीमत अब 89,001 रुपए पर पहुंच गई है। इन साढ़े ग्यारह महीनों में चांदी 21.26% महंगा हुई है।

अब एक घंटे में लंदन से न्यूयॉर्क! चीन के जीडीपी से ज्यादा है इस टनल का बजट

नई दिल्ली,17 दिसंबर (एजेंसियां)। लंदन से न्यूयॉर्क जाना अब और भी आसान हो जाएगा। अब महज इसे 1 घंटे में कवर किया जा सकेगा। इतने बड़े प्रोजेक्ट का बजट सुन हिल जाएंगे। इसका अनुमानित बजट 20 ट्रिलियन डॉलर है। यह बजट चीन समेत कई देशों के जीडीपी से भी बड़ा है। इस टनल का नाम ट्रांसअटलांटिक टनल है। इस टनल में हाइपरलूप टेक्नोलॉजी के जरिए यात्रा की गति में बढ़ोतरी की जा सकती है। इसे तैयार करने में कई विशाल चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ट्रांसअटलांटिक टनल के में हाइपरलूप तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा है। इस तकनीक में वैक्यूम ट्यूब सिस्टम का इस्तेमाल होता है। इसकी मदद से एयर रेजिस्टेंस को कम किया जा सकेगा। इससे गाड़ियों की गति में बढ़ोतरी होगी। इससे दबाव वाली गाड़ियां 4,800 किमी/घंटा की गति से यात्रा कर सकती हैं। हालांकि ट्रांसअटलांटिक टनल को तैयार करने में बहुत सारी समस्याएं आ सकती हैं। चैनल टनल यूके और फ्रांस को जोड़ता है, उसे पूरा होने में 6 साल से ज्यादा समय लगा था। इसकी लंबाई सिर्फ 37 किमी थी। वहीं, अगर ट्रांसअटलांटिक टनल को उसी गति से बनाया जाए, तो उसे पूरा करने में लगभग 780 साल लग सकते हैं.इस टनल के कई अलग-अलग डिजाइन सामने आए हैं। इनमें से कुछ डिजाइन समुद्र की सतह पर टनल रखने। वहीं कुछ डिजाइन समुद्र के तल पर और कुछ इसे तारों से बांधने का हैं। हाइपरलूप तकनीक अभी भी विकास के चरण में है। इसे लागू करने की कोशिशों में विफलता सामने आई है, जैसे कि रिचर्ड ब्रैंसन की हाइपरलूप वन, जो दिसंबर 2023 में बंद हो गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय -06-43 | सूर्यास्त -17-41
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	06-33 बजे
चंद्र-	कर्क	मे	मकर...	08-39 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	10-30 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	12-08 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	13-44 बजे
शुक्र-	मकर	मे	वृष---	15-29 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	17-30 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	19-42 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	21-54 बजे
			कन्या---	00-01 बजे
			तुला----	02-06 बजे
			वृश्चिक...	04-16 बजे

दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया . 10-05 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - पौष कृष्ण , बुधवार 18 December
नक्षत्र - पुष्य 00-57 तक उपरान्त आश्लेषा
योग - ऐन्द्र 19-32 तक उप वैधृति
करण- विष्टी 10-05 तक उप बव
विशेष:- चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - चन्द्रोदय रात्रि - 21-00

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:13 से 13:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:43 - 08:04	शुभ	लाभ	06:41 - 08:04	शुभ
अमृत	08:04 - 09:27	शुभ	अमृत	08:04 - 09:27	शुभ
काल	09:27 - 10:50	अशुभ	काल	09:27 - 10:50	अशुभ
शुभ	10:50 - 12:13	शुभ	शुभ.	10:50 - 12:13	शुभ
रोग	12:13 - 13:36	अशुभ	रोग	12:13 - 13:36	अशुभ
उत्पात	13:36 - 14:59	अशुभ	उत्पात	13:36 - 14:59	अशुभ
चंचल	14:59 - 16:22	शुभ	चंचल	14:59 - 16:22	शुभ
लाभ	16:22 - 17:41	शुभ	लाभ	16:22 - 17:43	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि , व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरे बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों की इस लहर के घेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगो को प्रेरित करने का प्रयास करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे । यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है,व्हाहे इसके लिए आपको कुछ झुकना ही क्यों न पड़े ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाह्ते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े। घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेह्तर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं । आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा । स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है । आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे । यही बेहतर होगा कि आप किसी को अपने खिलाफ राय बनाने का मौका ना दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कर्नल शमशेर सिंह बोले-भेष बदला, भूख मिटाने को सांप निगला

सीक्रेट ऑपरेशन के लिए नमाज पढ़ना सीखा, पाकिस्तानियों पर अटैक किए तो नंगे पैर भागे

रायपुर, 17 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान ने 16 दिसंबर के दिन घुटने टेके थे। रायपुर के कर्नल जंग शमशेर सिंह कक्कड़ 1971 की जंग में भी शामिल थे। बातचीत में कक्कड़ ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ सीक्रेट ऑपरेशन की तैयारी के दौरान सांप खाया था।

कमांडो ट्रेनिंग के दौरान मुश्किल वक्त में जंगल में कुछ खाने को न मिले, तो सांप के सिर को काटकर कैसे खाना है, ये सिखाया गया था। भेष बदला और 5 वक्त की नमाज पढ़ना, रहन-सहन के तौर तरीके सीखे। हमने जब अटैक किया तो पाकिस्तानी नंगे पैर भागे थे।

कर्नल जंग शमशेर सिंह ने पाकिस्तानी लैंड माइन ब्लास्ट में अपना बायां पैर खोया था। उन्होंने एक पैर पर ही 21 साल तक सेना की नौकरी की। 1971 की लड़ाई से जुड़े दिलचस्प किस्से उन्होंने रायपुर में साझा किया।

जंग और जीत के बीच के दिलचस्प किस्से

लड़ाई में जाने की खबर कैसे मिली, क्या रिएक्शन था फैमिली का?

कर्नल जंग शमशेर सिंह ने कहा मेरे ग्रैंडफादर आर्मी में थे। पंजाब रेजीमेंट में थे, फैमिली अब

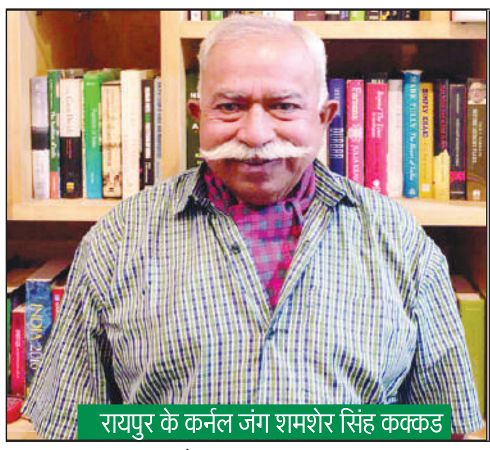
रायपुर के कर्नल जंग शमशेर सिंह कक्कड

पाकिस्तान चली गई है। मेरे फादर महार रेजीमेंट में थे, वे ब्रिटिश आर्मी में ऑफिसर थे। उस ट्रेडिशन के अनुसार 1971 में, मैंने आर्मी जॉइन की। 6 महीने के बाद ही जंग छिड़ गई, मुझे जाने का मौका मिला तो पिता काफी खुश हुए। उन्होंने कहा कि हर एक को मौका नहीं मिलता देश के लिए लड़ने का। मुझे याद आता था कि 1965 की वॉर के समय रेडियो पर कान पर लगाकर हमेशा हम सुनते रहते थे कि इंडियन आर्मी और पाकिस्तान के बीच कैसे लड़ाई चल रही है। जोश आ जाया करता था। लड़ाई के वक्त मेरी डिप्लॉयमेंट जम्मू-कश्मीर में उरी सेक्टर में थी। मैं बिल्कुल बॉर्डर पर ही था। मैंने दुश्मन की पोस्ट के पास से ही लड़ाई लड़ी।

कश्मीर के उरी में आर्मी की एक पोस्ट है उसका नाम कक्कड़ पोस्ट क्यों है?

उन्होंने कहा एक छोटी सी पहाड़ी थी। वो हिस्सा नो मेंस लैंड था। वहां आर्मी नहीं जाती थी, मगर अचानक पाकिस्तान की आर्मी ने आकर उसे कैप्चर कर लिया था। मुझे टास्क दिया गया कि उस जगह को वापस लीजिए। अब अगर हम सामने की तरफ से जाते तो दुश्मन के लिए हम सिटिंग डक (जिस पर आसानी से हमला हो सके) होते।

आराम से वो हमें गोली मार देते। हमने एक नाले के पास से पेड़ों की जड़ों को पकड़कर चढ़ाई की। छुपकर रात के 3:00 बजे पहुंचे। पाकिस्तानी आर्मी के लोग सो रहे थे। हमने इस तरह से सरप्राइज दिया कि वे नंगे पैर भागने लगे। उस जगह पर हमने भारत का झंडा लगाया। मैंने तय किया था कि हम आधी रात लड़ाई शुरू करेंगे। मेरे कमांडर काफी खुश हुए। जब हमने पोस्ट को जीत लिया तो सेना ने उस पोस्ट का नाम कक्कड़ पोस्ट रखा। आज भी वह उरी में है और इंडियन आर्मी वहां बैठकर पाकिस्तान की हरकतों पर नजर रखती है।

आपको ये इंजरी कैसे हुई क्या घटना थी, जिसमें आपका पैर नहीं रहा?

माइन ब्लास्ट हुआ था। पाकिस्तान ने छोटी-छोटी माइंस लगाकर रखी थीं। जमीन की तह के नीचे छुपाकर बम रखे जाते हैं। इसी में मेरा पैर उड़ गया। मैंने आज तक अपने आप को असहाय नहीं समझा। एक पैर पर 21 साल तक सारे प्रमोशन लिए नौकरी की। मुझे आर्टिफिशियल पैर लगाना पड़ा अब मैं इसी के साथ चलता फिरता घूमता हूं कोई दिक्कत नहीं होती। (यह बताते हुए कर्नल कक्कड़ के चेहरे पर एक मुस्कान थी, एक सैनिक ही इस परिस्थिति में मुस्कुरा सकता है)।

लड़ाई छिड़ी होती है, क्या माहौल होता है, क्या सैनिक के दिमाग में तनाव, डर होता है उस समय?

गोली पर किसी का नाम नहीं लिखा होता, जो रास्ते में आए उसके सीने में लगेगी। हम डर-डर के जिएंगे तो लड़ेंगे कैसे। हम तो यह सोच कर रहते थे की गोली लगेगी तो लगेगी। जब आप बैटल फील्ड में होते हैं तो अगर आप यह सोचेंगे कि क्या होगा? तो आप कभी भी अपना टास्क नहीं कर पाएंगे।

फायरिंग होती थी उसके बीच हम जाते थे अपना ऑपरेशन करके लौट आते थे। बस मन में ये बात होती थी कि अब चाहे जो हो उस जगह पर हम अपने देश को धोखा नहीं दे सकते।

पाकिस्तानियों के साथ कभी कोई बातचीत हुई?

एक तो जब मैंने पोस्ट को वापस हासिल किया, तब सामना हुआ था। हालांकि रेडियो सेट हमारे पास भी अमेरिका के थे उनके पास भी अमेरिका वाले ही थे। तो कभी कभी फ्रीक्वेंसी मिल जाती थी। तो फिर एक दूसरे को गालियां दी जाती थीं। हम तो ठहरे सिख लाइट इन्फेंट्री वाले, इधर से गलियों में कोई कमी नहीं रखते थे, पाकिस्तान के लिए।

इन दिनों किस मिशन पर हैं?

रिटायरमेंट के बाद मैंने कई कॉलेज में एमबीए के बच्चों को अलग-अलग स्कूल में सॉफ्ट स्किल्स के बारे में पढ़ाया है। जैसे टाइम मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन स्किल्स और मैनर्स के बारे में। कोविड के समय में मैंने काफी किताबें पढ़ीं। इन दिनों एक किताब लिख रहा हूं, जो यह बताती है कि भारतीय सामाजिक व्यवस्था में जातिवाद था ही नहीं, अंग्रेजों ने लोगों को अलग-अलग वर्गों में बांटकर कास्ट सिस्टम को लाकर फूट डाली थी।

एमपी-सीजी बॉर्डर पर बिछी बर्फ की चादर

2 डिग्री पहुंचा पारा, बिलासपुर में सुबह 8.30 से लगेंगे स्कूल, रायपुर, सरगुजा, बस्तर संभाग में शीतलहर

रायपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में उत्तर से आ रही हवा के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रायपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग में कई जगहों पर शीतलहर चल रही है। अमरकंटक में रात का पारा 2 डिग्री हो गया है। इससे लगे छत्तीसगढ़ की सीमा पर बर्फ की चादर बिछ गई है। ठंड को देखते हुए बिलासपुर में दो शिफ्ट में स्कूल लगेंगे। पहली पाली सुबह 8.30 से 11.30 और दूसरी शिफ्ट 12 से 4 बजे तक रहेगी।

बता दें कई जिलों में रात का पारा सामान्य से 6 डिग्री तक कम हो गया है। रायपुर में सोमवार को न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री कम है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण अगले कुछ दिन समुद्र से नमी वाली हवा आएगी। जिससे कहीं-कहीं पर बादल छाएंगे। इसके बाद कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की भी संभावना है। अमरकंटक से लगे छत्तीसगढ़ के पकरिया, जलेश्वर महादेव, करंगा, धनौली, कबीर चबूतरा, अरपा उदगम में कड़ाके की ठंड है। पेंड्रा में रात का पारा 7 डिग्री पहुंच गया है। यहां 20 दिसंबर से बारिश की संभावना है। सोमवार को बलरामपुर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री रहा। वहीं सरगुजा में रात का पारा 4 डिग्री पारा रहा। मैदानी इलाकों में दुर्ग सबसे ठंडा रहा। यहां रात का पारा 7.2 डिग्री रहा जो औसत से करीब 7 डिग्री कम था। भिलाई और दुर्ग में सुबह और शाम के वक्त अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं जगदलपुर में पारा 8.5 डिग्री रहा जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम रहा। सरगुजा संभाग के जिलों में शीतलहर चलने की संभावना है। प्रदेश में अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

लड़कियों को छेड़ने वाले फिरोज का जुलूस निकाला

लापरवाही पर 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड, आरोपी का सांप्रदायिक तनाव फैलाने में भी हाथ

रांची, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में गिरफ्तार अभियुक्त फिरोज अली उर्फ सुग्गा (29) को पुलिस ने जेल भेज दिया। जेल भेजे जाने से पहले रांची पुलिस ने मेन रोड में उसे घुमाते हुए कोर्ट में पेशी के लिए ले कर गई। इधर, बच्चियों से छेड़खानी मामले में आईजी ने बड़ी कार्रवाई की है। चार पुलिस कर्मियों को लापरवाही बरतने की वजह से सस्पेंड किया गया है। इसमें कोतवाली थाना के एसआई सनातन हेम्ब्रम, मुंशी अविनाश कुमार और महिला थाना की एसआई उषा कुमारी और थाना स्टाफ उर्मिला कोरबा शामिल हैं।

वहीं, सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि फिरोज अली कब से छेड़छाड़ कर रहा है, इसके लिए संबंधित स्कूल के आसपास स्थित दुकानों के सीसीटीवी फुटेज निकाले गए हैं। उनका विश्लेषण किया जा रहा है। फिरोज को पूछताछ के लिए पुलिस जल्द रिमांड पर लेगी। इस मामले को स्पीडी ट्रायल में ले जाया जाएगा।

सिटी एसपी ने बताया कि फिरोज अली वर्ष 2015 में डोरंडा में हुए सांप्रदायिक तनाव मामले में भी जेल गया था। पूछताछ में फिरोज ने बताया कि वह कई स्कूल की छात्राओं के साथ छेड़खानी कर चुका है। पकड़ में नहीं आने से उसकी आदत लगातार बढ़ती चली गई। फिरोज अली को 48 घंटे तक जिसने भी छिपने के लिए संरक्षण दिया है, उसके विरुद्ध भी पुलिस कार्रवाई करने की तैयारी में है। कुछ लोगों के नाम पुलिस को मिले हैं। पुलिस को स्कूल की प्रिंसिपल ने जो शिकायत की है, उसमें बताया है कि एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति कई इलाकों में स्कूल आने वाली छात्राओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। वह हरमू, किशोरगंज, मधुकम, गाड़ीखाना और अपर बाजार स्थित बनारसी मिष्ठान्न भंडार होते हुए सोनार गली में विद्यालय आने जाने वाली छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करता है।

लखमा बोले- मैं क्या पाकिस्तान में रहता हूं

सदन में भिड़े भूपेश और अरुण साव, बिना टेंडर पुल निर्माण पर जमकर हुआ हंगामा

रायपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा के शीतकालीन सत्र का मंगलवार (17 दिसंबर) को दूसरा दिन है। सदन में रायपुर के बूढ़ातालाब प्रोजेक्ट और सुकमा में बिना टेंडर पुल बनाए जाने पर जमकर हंगामा हुआ। वहीं बस्तर के निर्माण के मामले पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल और लोक निर्माण विभाग के मंत्री अरुण साव भिड़ गए। भ्रष्टाचार के आरोप में जमकर नारेबाजी हुई। बवाल के बीच प्रश्न-काल समाप्त हुआ। वहीं पुल निर्माण को लेकर कवासी लखमा ने सुकमा का जिक्र किया, तो अजय चंद्राकर ने कमेंट करते हुए पूछा कि दादी सुकमा कब गए थे। इस पर कवासी लखमा ने कहा कि तो क्या मैं पाकिस्तान में रहता हूं? इस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आपके बड़े नेताओं के विचार तो पाकिस्तानियों जैसे ही हैं।

मंत्री के तंज का जवाब देते हुए लखमा ने कहा कि आपके विचार बांग्लादेशियों वाले हैं क्या। लखमा ने कहा कि इन लोगों को समझ आ रहा है कि आज इनकी पोल खुलने वाली है, इसलिए ऐसा कर रहे हैं। इस पर मुस्कुरा कर डॉ. रमन सिंह ने कहा- आज चंद्राकर, कवासी लखमा को

डिस्टर्ब नहीं करेंगे। स्पीकर रमन सिंह ने कांग्रेस के लगाए नारों को रिकॉर्डिंग से हटवाने के लिए कह दिया है।

लखमा ने पुल को लेकर सवाल उठाया

दरअसल, कवासी लखमा ने सुकमा जिले के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग की तरफ से बनाए गए पुल को लेकर सवाल उठाया। मई में इसका काम तब किया गया था, जब लोकसभा चुनाव की वजह से आचार संहिता लगी थी। इसके निर्माण को लेकर कवासी लखमा ने आपत्ति जताई। मंत्री अरुण साव ने कहा था कि जहां पुल बना वहां आसपास सुरक्षा बलों के कैंप हैं। बारिश में सुरक्षाबलों के राशन पहुंचाने और उनके आने-जाने में होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने पुल का कुछ हिस्सा बनवाया, बाद में इसे रोक दिया गया।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने डिप्टी सीएम साव का जवाब सुनकर और कवासी लखमा का साथ देते हुए खड़े हुए। बघेल ने कहा कि जब मंत्री यह मान रहे हैं कि आचार संहिता में काम हुआ है। राज्य सरकार से अनुमति के बिना काम हुआ। बिना टेंडर के काम हुआ तो आप अफसर और ठेकेदारों पर क्या कार्रवाई करेंगे।

इस पर साव ने भुगतान नहीं किए जाने की बात को दोहरा दिया। इतने में कांग्रेस के सभी विधायकों ने हंगामा करते हुए भ्रष्टाचार के नारे लगाने शुरू कर दिए। भूपेश बघेल ने सख्त लहजे में साव से कहा कि जब आपके संज्ञान में सब कुछ है। आप कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, इसका मतलब यह है कि आपका संरक्षण प्राप्त है। काफी देर तक इस बात पर नारेबाजी होती रही।

राजेश मूणत ने बूढ़ा तालाब का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब स्मार्ट सिटी कह रही है कि काम कंप्लीट कर लिया तो मैं पूछ रहा कि 6 करोड़ का फव्वारा लगा वह आज तक चालू क्यों नहीं हो पाया। बूढ़ातालाब में पर्यटन मंडल ने पहले काम किया, फिर नगर निगम ने काम किया। उसी में स्मार्ट सिटी ने भी काम किया यानी एक तालाब के अंदर इतनी एजेंसी ने काम किए। तीनों एजेंसी ने कौन-कौन से काम किए हैं। स्पेसिफिक, उन अधिकारियों ने अगर उसमें लीपा-पोती की तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद सुनील सोनी खड़े हुए। सुनील सोनी ने कहा कि 5 साल तक नगर पंचायत, नगर निगम की जो हालात हुई, टोटी लगाने का पैसा नहीं था। अनियमिताओं का भंडार हमारी सरकार को मिला है। पूर्व सरकार ने स्मार्ट सिटी का सैकड़ों करोड़ रुपए केवल लूटने का काम किया। जवाब में मंत्री साव ने कहा कि 30 कार्य स्वीकृत हुए थे 30 में से 29 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। चंद्राकर ने पूछा कि आप या आपके अधिकारी आपके सचिव कह रहे हैं कि काम पूरे हो गए हैं। मैं नरैया तालाब बता देता हूं, मटन मार्केट बता देता हूं। ऐसे कई श्रृंखला बता दूंगा जो अधूरे पड़े हैं। जिसको आपने पूरा कहा क्या उसका निरीक्षण करवाएंगे, मेरे साथ चलिए। अधिकांश काम अधूरे पड़े हैं तो क्या इसका परीक्षण रायपुर शहर के चारों विधायकों के सामने करवाएंगे क्या अरुण साव ने कहा कि कामों का परीक्षण करवा लेंगे। धरमलाल कौशिक ने जल जीवन मिशन के अधूरे काम, टेंडर लेने वाली एजेंसियों की बड़ी गड़बड़ी को उजागर करने का दावा किया। कौशिक ने बताया कि- हर घर तक जल पहुंचाने काम काम किया जा रहा था, लेकिन छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती सरकार ने लापरवाही की। मंत्री जी का जवाब आया है कि 2 साल में 2,918 लोगों को नोटिस दी गई है। इसमें प्रमुख कारण है कि काम शुरू नहीं करना, लेट करना या क्वॉलिटी के अनुसार एजेंसियों ने काम नहीं किया।

पति की मौत पर लोगों ने पत्नी को किया निर्वस्त्र

गुमला, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में अंधविश्वास में एक बार फिर एक महिला की लोगों ने पिटाई की। महिला के पति की मौत तालाब में नहाने के दौरान हो गई, पर उसके ससुराल के लोग इसके पीछे बहू को जिम्मेवार मान रहे हैं। जब बहू पति का शव लेकर ससुराल पहुंची तो लोग उस पर टूट पड़े।

लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। यहां तक की महिला को निर्वस्त्र कर दिया। महिला के माता-पिता के साथ भी मारपीट की गई। पूरा मामला सोमवार की देर रात सिमडेगा जिले का है। दरअसल, सिमडेगा जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र के रहने वाले एक शख्स की मौत रविवार को तालाब में डूबने से हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया और पत्नी को सौंप दिया। सोमवार को महिला अपने माता-पिता के साथ शव लेकर ससुराल पहुंची तो उसकी जमकर पिटाई की गई। महिला का आरोप है कि पिटाई के दौरान उसके बाल काटने का भी प्रयास किया गया। इस बीच मौका पाकर सभी वहां से जान बचाकर भाग निकले और रात में गुमला सदर अस्पताल पहुंचे। महिला ने बताया कि वो पति संग मजदूरी कर तीन बच्चों की परवरिश कर रही है।

ढेबर बोले- सरकार भगवान भरोसे चल रही है

पुरंदर ने भाठागांव का नाम बदलने भेजा प्रस्ताव, एमआईसी ने किया रिजेक्ट, फुंडहर में बनेगा इंडोर स्टेडियम

रायपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम मेयर इन काउंसिल की मीटिंग में 11 एजेंडों के अलावा एक्स्ट्रा एजेंडों पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा के भेजे गए प्रस्ताव को मेयर इन काउंसिल ने रिजेक्ट कर दिया गया। उन्होंने भाठागांव का नाम चेंज कर अरिहंतपुरम करने का प्रस्ताव भेजा था। इस पर मेयर एजाज ढेबर ने कहा कि साय सरकार के विधायक अपने क्षेत्र को छोड़कर दूसरे विधायक के क्षेत्र के नामकरण करने का प्रस्ताव भेज रहे हैं। फिल्मों की तरह बीजेपी में ठांय-ठांय, ढिशुम-ढिशुम चल रहा है। ये सरकार भगवान भरोसे चल रही है, समझ ही नहीं आ रहा है। ढेबर ने कहा कि कौन विधायक हैं, इनको पता ही नहीं है। रहते उत्तर में हैं, लेकिन दक्षिण का नाम चेंज कर रहे हैं। अभी तो रुझान आया है, पूरी पिक्चर बाकी है, समझ नहीं आ रहा है कि ये लड़ रहे हैं कि क्या कर रहे हैं। दरअसल, मेयर इन काउंसिल की बैठक में रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा की ओर से दिए नामकरण के पत्र को लाया गया था, लेकिन बैठक में पता चला कि ये क्षेत्र रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी के क्षेत्र में आता है। इस प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया गया। मेयर ने कहा कि किसी भी पुराने स्थान का नाम हम ऐसे परिवर्तित नहीं कर सकते हैं। ब्राम्हण पारा, सुंदर नगर का नाम नहीं बदला जा सकता। उसी तरह से भाठागांव का भी नाम नहीं बदला जा सकता है।

एमआईसी में बैठक में अतिरिक्त एजेंडों में यह चर्चा की गई कि डीकेएस कंपाउंड में मकान बनाया जाएगा। मेयर ने कहा कि जो लोग लंबे समय से अपने मकान का इंतजार कर रहे हैं। वे आज भी शास्त्री बाजार के किनारे रह रहे हैं। उन लोगों के लिए यह जगह आरक्षित की जाएगी। मेयर ढेबर ने कहा कि वर्तमान में बूढ़ापारा में जो चौपाटी का निर्माण किया जा रहा है, उसका एमआईसी विरोध करेगी। निगम की ओर से वहां सौन्दर्यीकरण का काम किया गया है। लेकिन उसे पर्यटन विभाग को सौंपा गया है।

मेयर एजाज ढेबर ने कहा कि रायपुर नगर निगम के प्लेसमेंट कर्मचारी जो तूता धरनास्थल पर हड़ताल कर रहे हैं। उन्हें हमारी परिषद का समर्थन है। उनकी मांग जायज है। उन्हें समर्थन देने हम धरना स्थल भी जाएंगे। मेयर ने कहा कि अमलीडीह जमीन मामले में प्राइवेट बिल्डर को 9 एकड़ दी गई।

सरायकेला पुलिस ने चोरी की 70 बाइक बरामद की

चार अपराधी गिरफ्तार, बाजार और मेले में मोटरसाइकिल की करते थे चोरी

जमशेदपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरजिला बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार कर 70 चोरी की बाइक बरामद की है। इससे पहले अगस्त 2022 में जमशेदपुर के कोतवाली क्षेत्र में 67 चोरी की बाइक बरामद की गई थी।

एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि पकड़े गए अपराधियों में शंकर माझी उर्फ संदीप, भूषण मछुआ, शिव मुंडा उर्फ शिबू मुंडा और मंगल मुंडा शामिल है। एसपी के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि तमाड़ थाना क्षेत्र के तीन

बाइक चोर कुचाई बाजार में चोरी की योजना बना रहे हैं। एसआईटी की त्वरित कार्रवाई में शंकर माझी और भूषण मछुआ को चोरी की बाइक के साथ दबोच लिया गया।

पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने कुबूल किया कि वे सरायकेला, रांची, चाईबासा, खूंटी और जमशेदपुर के हाट-बाजारों और मेलों से 100 से अधिक बाइक की चोरी कर चुके हैं। चोरी की बाइक वे शिव मुंडा और मंगल मुंडा के हवाले करते थे, जो इन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में यह कहकर बेच देते थे कि कागजात बाद में मुहैया करा दिए जाएंगे।

पुलिस ने शिव मुंडा और मंगल मुंडा की निशानदेही पर घर और जंगल से कुल 70 बाइक बरामद की है। इनमें से 30 बाइक उनके ठिकानों से और बाकी बाइक छापेमारी के दौरान मिलीं। एसपी ने बताया कि इस बरामदगी के साथ सरायकेला, रांची, जमशेदपुर, चाईबासा और खूंटी जिलों के 25 मामलों का खुलासा हो गया है। अन्य बाइक का सत्यापन जारी है, जिससे कई और मामलों के सुलझने की उम्मीद है।

सड़क हादसे में 50 वर्षीय महिला की मौत

रामगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ में मंगलवर को सड़क हादसे में एक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। महिला बाइक पर अपने दामाद के साथ पिता के दशकर्म से घर लौट रही थी। इसी दौरान रामगढ़ के कोठार में नशे में धुत्त ट्रक चालक ने महिला को रौंद दिया। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भागने लगा, पर लोगों ने करीब दो किलोमीटर दूर तक पीछा कर उसे पकड़ लिया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान दिगबार हेथबांध निवासी दुलिया देवी (50) के रूप में की गई है। दुलिया जैनामोड़ से अपने दामाद मनोज महतो के साथ बाइक से घर लौट रही थी। दुलिया देवी अपने पिता के दशकर्म में शामिल होने जैनामोड़ गई थी।

दुलिया देवी कोठार पहुंची, एक 10 चक्का ट्रक तेज गति से बगल से गुजरा और बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। दुलिया देवी सड़क पर गिर गई और ट्रक उन्हें रौंदता हुआ आगे निकल गया। इससे मौके पर ही महिला की मौत हो गई। इधर, घटना के बाद सड़क जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय लोग मुआवजे की मांग को लेकर ट्रक के पास ही जुट गए। लोगों का कहना है कि जब तक मुआवजा नहीं मिलेगा, ट्रक नहीं छोड़ेंगे। मौके पर पहुंची पुलिस लोगों को समझाने में जुटी हुई है। वहीं, ट्रक में राज्य खाद्य निगम आवश्यक सेवा का बोर्ड लगा है, जिसमें योजना का खाद्यान्न लिखा हुआ है।

आईआरसीटीसी कर्मचारियों पर हमला

धनबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर सोमवार की रात आईआरसीटीसी के कर्मचारियों पर हमला किया गया। कर्मचारी गैर मान्यता प्राप्त पानी की बोतल जब्त करने गए थे और इसी दौरान पानी माफिया सिंडिकेट ने हमला कर दिया। 8-10 लोगों ने घेर कर आईआरसीटीसी के एरिया ऑफिसर राकेश कुमार और अफताब हुसैन को बुरी तरह पीटा। राकेश और अफताब के सिर पर गंभीर चोट आई है। इधर, घटनास्थल अफरातफरी मच गई और हमलावर फरार हो गए। घायलों को देर रात आरपीएफ ने एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया। आईआरसीटीसी के कर्मचारियों ने बताया कि गंगा-सतलज एक्सप्रेस में ज्यादा कीमत लेने और गैर मान्यता प्राप्त पानी की बोतलों की सप्लाई को लेकर लगातार शिकायत मिल रही थी। सोमवार को आधा दर्जन शिकायत मिलने के बाद एरिया ऑफिसर, अफताब ट्रेन में जांच करने पहुंचे। गंगा सतलज एक्सप्रेस की जांच के दौरान गैर मान्यता प्राप्त पानी की बोतलों की कई पेटियां पकड़ी गई।

टीचर ने छात्राओं को गोद में उठाया, गाल पर लगाई चॉक

स्टूडेंट्स बोलीं- शाहिद सर ने किया बैड टच, फिर कहा-बात यहीं खत्म करो

बलरामपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में सरकारी स्कूल के टीचर ने छात्राओं से छेड़छाड़ की है। छात्राओं ने इसकी शिकायत हॉस्टल के वार्डन और हेडमास्टर से की तो हेडमास्टर ने मीटिंग भी ली, लेकिन अधिकारियों को सूचित नहीं किया। मंगलवार को छात्राओं के परिजन स्कूल पहुंचे। शिकायत अधिकारियों को मिली तो रामानुजगंज बीईओ ने स्कूल पहुंचकर छात्राओं का बयान दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक, कक्षा आठवीं की 6 छात्राओं ने स्कूल के सहायक शिक्षक मो. शाहिद पर बैड टच करने का आरोप लगाया है। छात्राओं का कहना है कि टीचर ने उन्हें गोद में भी उठाया। उनकी गाल और पीठ पर चॉक से लिखा। जब छात्राओं ने ये बात महिला टीचर को बताई तब आरोपी टीचर ने धमकाते हुए बात को आगे नहीं बढ़ाने की बात कही। छात्राओं के अनुसार 5 दिनों पहले अर्धवार्षिक परीक्षा में अंग्रेजी के पेपर के दौरान टीचर ने छात्राओं से छेड़छाड़ की। जिन छात्राओं से छेड़छाड़ हुई वे प्री मैट्रिक हॉस्टल में रहती हैं। छात्राओं ने इसकी जानकारी हॉस्टल वार्डन और स्कूल के हेडमास्टर से भी की। हेडमास्टर मो. इसराइल अली ने छात्राओं एवं टीचर्स की बैठक भी ली, लेकिन कार्रवाई के लिए अधिकारियों को या पुलिस को सूचना नहीं दी।

कनाडा की डिप्टी पीएम का पद से इस्तीफा

पीएम ट्रूडो ने वित्तमंत्री पद छोड़ने को कहा था, ट्रूडो के मुफ्त पैसे बांटने के खिलाफ थीं

ओटावा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा की डिप्टी पीएम और वित्तमंत्री क्रिस्टिया ने सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिस्टिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि प्रधानमंत्री पीएम जस्टिन ट्रूडो ने पिछले शुक्रवार को उनसे वित्तमंत्री का पद छोड़ दूसरे मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा था। इससे नाराज होकर क्रिस्टिया ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है। उन्होंने लिखा कि पिछले कुछ समय से ट्रूडो और वे फैसलों को लेकर सहमत नहीं हो पा रहे थे। क्रिस्टिया लंबे समय से ट्रूडो से की सबसे प्रभावशाली और वफादार मंत्री मानी जाती रही हैं। हाल ही में ट्रूडो ने नागरिकों को मुफ्त में 15 हजार रुपए देने पर क्रिस्टिया ने असहमति जताई थी। उन्होंने कहा था कि कनाडा अमेरिका को होने

वाले निर्यात पर टैरिफ की धमकी का सामना कर रहा है। ऐसे में अधिक खर्च करने से बचना चाहिए। वित्तमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड अमेरिका के संबंधों पर बनी कैबिनेट कमेटी की अध्यक्ष भी थीं। ये कमेटी अमेरिका के संबंधों को बेहतर रखने और मामलों के समाधान के लिए काम करती है। क्रिस्टिया कल अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ की धमकी को लेकर बयान देने वाली थीं। ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको को धमकी दी है कि अगर वे प्रवासियों और ड्रग्स की तस्करी को नहीं रोकते हैं तो अमेरिका उन पर 25% टैरिफ लगाएगा। अपने बयान में क्रिस्टिया उन तरीकों के बारे में जानकारी देने वाली थीं, जिससे कनाडा को टैरिफ से बचाया जा सके। ट्रांसपोर्ट मंत्री अनीता आनंद ने भी क्रिस्टिया के इस्तीफे पर हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि ये खबर झकझोर देने वाली है। मंत्री आनंद ने फिलहाल इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले उन्हें पूरे मामले को समझने की जरूरत है।

कनाडा की प्रमुख विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवर ने कहा कि ट्रूडो ने सरकार पर नियंत्रण खो दिया है। वे सत्ता में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पियरे ने कहा कि अमेरिकी धमकी के समय देश का कमजोर पड़ना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कनाडा में 2025 में प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव होने हैं। ये चुनाव अक्टूबर से पहले कराए जाएंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कहा कि वह अगला चुनाव लड़ने के लिए लिबरल पार्टी का नेतृत्व करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, पार्टी के कई नेता ट्रूडो को प्रधानमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पसंद नहीं कर रहे हैं। ट्रूडो चौथी बार प्रधानमंत्री पद की दावेदारी कर रहे हैं। कनाडा में पिछले 100 सालों में कोई भी प्रधानमंत्री लगातार 4 बार चुनाव जीतकर नहीं आया है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पास संसद में अकेले के दम पर बहुमत नहीं है। ट्रूडो पहली बार 2015 में प्रधानमंत्री चुनकर आए थे। उन्होंने अपनी पहचान उदारवादी नेता के तौर बनाने में कामयाबी हासिल की थी।

जंग ने डॉक्टरों, टीचर और नर्सों को जिस्मफरोशी के धंधे में ढकेला

नेपीडा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध से आई आर्थिक तबाही ने कई शिक्षित महिलाओं को भी देह व्यापार करने पर मजबूर कर दिया है। डॉक्टर, शिक्षिकाएं और नर्स जैसे पेशों से जुड़ी महिलाएं जिंदगी चलाने के लिए इस पेशे में जा रही हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कई ऐसी महिलाओं से बात की है, जो पहले खुशहाल जिंदगी जी रही थीं लेकिन बदले हालात में जिस्मफरोशी के लिए मजबूर हो गई हैं। उनका कहना है कि 2021 में हुए तख्तापलट ने देश की अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। कीमतें आसमान छू रही हैं और कमाई कम हो गई है। इस संकट ने देह व्यापार को बढ़ावा दिया है। म्यांमार में लड़ाई का महिलाओं पर ज्यादा असर हुआ है। कपड़ा कारखाने बंद होने से भी महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हुए हैं। ऐसे में महिलाएं देह व्यापार की ओर आई हैं।

रूस के न्यूक्लियर चीफ की ब्लास्ट में मौत

इलेक्ट्रिक स्कूटर में बम लगाकर उड़ाया, इसमें 300 ग्राम टीएनटी था

मॉस्को, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के न्यूक्लियर चीफ इगोर किरिलोव की मंगलवार को मॉस्को में हुए एक ब्लास्ट में मौत हो गई है। बीबीसी के मुताबिक जनरल किरिलोव अपार्टमेंट से बाहर निकल रहे थे उसी वक्त नजदीक में ही पार्क स्कूटर में ब्लास्ट हो गया। इसमें किरिलोव के साथ-साथ उनका असिस्टेंट भी मारा गया है। धमाका मॉस्को के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन से सिर्फ 7 किमी दूर हुआ है। रूस की जांच एजेंसी ने बताया कि धमाके के लिए 300 ग्राम टीएनटी का इस्तेमाल किया गया था। एजेंसी ने आपराधिक हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किरिलोव की मौत के बाद रूसी संसद के डिप्टी स्पीकर ने कहा है कि उनकी हत्या का बदला जरूर लिया जाएगा। उन्हें अप्रैल 2017 में न्यूक्लियर फोर्सेस का चीफ बनाया गया था। वे रूस के रेडिएशन, केमिकल और जैविक हथियार जैसे विभागों के चीफ रह चुके थे। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक किरिलोव पर कल यानी सोमवार को यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने जंग में बैन केमिकल हथियार इस्तेमाल करने के आरोप में दोषी मानते हुए सजा सुनाई थी। यूक्रेन जंग में भूमिका को लेकर अक्टूबर में ब्रिटेन और कनाडा ने उन पर पाबंदियां लगाई हुई थीं।

यूक्रेन पर डर्टी बम बनाने का आरोप लगाया था

इगोर किरिलोव ने अक्टूबर 2024 में यूक्रेन पर अमेरिका की मदद से डर्टी बम बनाने का आरोप लगाया था। डर्टी बम को बनाने में रेडियोएक्टिव मटेरियल का इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें बनाने में खर्च भी कम होता है। इसके अलावा वे 2018 में अमेरिका पर जॉर्जिया में रूस और चीन बॉर्डर के नजदीक एक गुप्त बायोलॉजिकल हथियार प्रयोगशाला चलाने का आरोप भी लगा चुके थे।

दूसरी ओर यूक्रेन सिक्योरिटी सर्विसेज (एसबीयू) भी किरिलोव पर उनकी लीडरशिप में लगभग 5,000 बार रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करने का आरोप लगा चुकी है। इनमें 700 से ज्यादा बार इनका इस्तेमाल इस साल मई में ही हुआ था।

जॉर्जिया के रेस्तरां में गैस रिसाव, 11 भारतीयों की मौत

कार्बन मोनोऑक्साइड की वजह से दम घुटा, एक ही रूम में सो रहे थे

त्बिलिसी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जॉर्जिया के गुडौरी के एक रेस्तरां में 11 भारतीय समेत 12 लोगों की मौत हो गई। 12वां शख्स जॉर्जिया का ही है। पुलिस के मुताबिक, ये सभी रेस्तरां के दूसरे फ्लोर की एक कमरे में सो रहे थे। तभी कार्बन मोनोऑक्साइड रिसाव से इनका दम घुट गया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में उनके शरीर पर हिंसा या चोट के कोई निशान नहीं मिले। जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में स्थित भारतीय दूतावास इस घटना पर दुख जताया है। दूतावास ने कहा, 'हम स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि शवों को जल्द भारत भेजा जा सके।' जॉर्जिया के गृह मंत्रालय ने कहा कि इस घटना की जांच की जा रही है। कर्मचारियों के बिस्तर के पास एक जनरेटर पाया गया था और शायद बिजली कट जाने के बाद इसे चालू किया गया था। इससे गैस रिलीज हुई। मरने वालों की पहचान अभी जारी नहीं की गई है।

ईरान में 15 साल जेल वाले हिजाब कानून पर रोक

राष्ट्रपति बोले– इसमें सुधार की जरूरत अभी 2 महीने तक जेल का प्रावधान

तेहरान, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने सोमवार को विवादित हिजाब और शुद्धता कानून पर रोक लगा दी है। इसे पिछले शुक्रवार को लागू होना था, लेकिन इसके खिलाफ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते विरोध के कारण यह फैसला लिया गया है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान का कहना है कि यह कानून अस्पष्ट है और इसमें सुधार की जरूरत है। उन्होंने इसके कुछ प्रावधानों पर फिर से विचार करने की बात कही है। इस कानून के मुताबिक जो महिलाएं अपने सिर के बाल, हाथ और पैर पूरी तरह से नहीं ढकेंगी उनके लिए 15 साल जेल और जुर्माने का प्रावधान है।

ईरान में हिजाब लंबे समय से विवाद का मुद्दा रहा है। 1936 में नेता रेजा शाह के शासन में महिलाएं आजाद थीं। शाह के उत्तराधिकारियों ने भी महिलाओं को आजाद रखा लेकिन 1979 की इस्लाम क्रांति में आखिरी शाह को उखाड़ फेंकने के बाद 1983 में हिजाब जरूरी हो गया। ईरान पारंपरिक रूप से अपने इस्लामी दंड संहिता के अनुच्छेद 368 को हिजाब कानून मानता है। इसके मुताबिक ड्रेस कोड का उल्लंघन करने वालों को 10 दिन से दो महीने तक की जेल या 50 हजार से 5 लाख ईरानी रियाल के बीच जुर्माना हो सकता है।

पिछले हफ्ते महिला सिंगर परस्तू अहमदी की गिरफ्तारी के बाद हिजाब कानून को लेकर बहस तेज हो गई है।

परस्तू अहमदी ने बुधवार, 11 दिसंबर को यूट्यूब पर कॉन्सर्ट का वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो में अहमदी स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गा रही थीं। वीडियो अपलोड होने के बाद गुरुवार को एक कोर्ट में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

बोलीविया के पूर्व राष्ट्रपति ने किया 15 साल की किशोरी का यौन शोषण

बच्चा पैदा होने के बाद उठी गिरफ्तारी की मांग

ला पाज, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बोलीविया के पूर्व राष्ट्रपति एक नाबालिग से यौन शोषण के मामले में बुरी तरह फंस गए हैं। अभियोजकों ने यौन शोषण मामले में पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस की गिरफ्तारी की मांग को तेज कर दिया है। आरोप है कि पूर्व राष्ट्रपति मोरालेस ने 15 वर्षीय किशोरी का यौन शोषण किया था, जिससे उनका एक बच्चा भी है। मामले में बयान दर्ज कराने के आदेश की अवज्ञा के बाद मोरालेस की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि इस वारंट को अभी एक न्यायाधीश द्वारा अनुमोदित किया जाना है। मोरालेस, 2019 तक, 13 साल तक बोलीविया की सत्ता में रहे थे। सितंबर में पहली बार यौन शोषण के इस गंभीर आरोप में उनकी गिरफ्तारी की बात सामने आई थी।

दक्षिणी प्रशांत के वनुआतु में 7.3 तीव्रता का भूकंप

कारें दबीं, इमारतों में दरारें, इंटरनेट और फोन सर्विस ठप, सुनामी वॉर्निंग जारी

पोर्ट विला, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिणी प्रशांत महासागर में मौजूद आईलैंड देश वनुआतु में मंगलवार सुबह 7.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया है। भारतीय समय के मुताबिक ये भूकंप सुबह 7 बजकर 17 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र 57 किलोमीटर की गहराई पर राजधानी पोर्ट विला से 30 किलोमीटर पश्चिम में था। भूकंप के बाद 5.5 तीव्रता का आफ्टरशॉक भी आया। इसकी जानकारी अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने दी। भूकंप के बाद हुए नुकसान के बारे में अभी आकलन नहीं लगाया जा सका है। हालांकि, सरकारी की सभी वेबसाइट्स ऑफलाइन हो गई हैं। इसके अलावा पुलिस और दूसरी एजेंसियों के फोन नंबर काम नहीं कर रहे हैं। देश की भूकंप से जुड़ी संस्था ने भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। सोशल मीडिया पर भूकंप के कई वीडियो पोस्ट हुए हैं। इनमें से एक वीडियो के मुताबिक उस

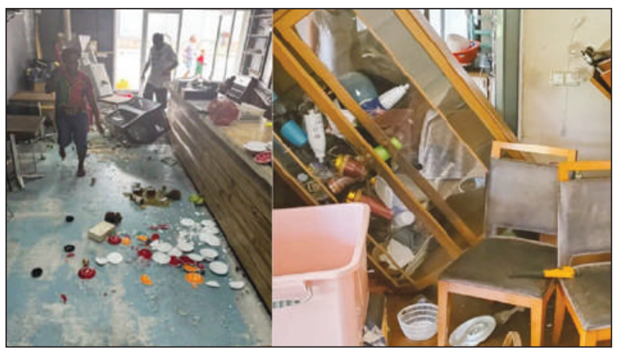

इमारत को भी नुकसान पहुंचा है, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस और न्यूजीलैंड के राजनयिक मिशन हैं। यूएसजीएस ने भूकंप के बाद सुनामी की लहरों की चेतावनी दी है। ये लहरें 1 मीटर तक ऊंची हो सकती हैं। वनुआतु के कई द्वीप समुद्र तल से सिर्फ 3 फीट (1 मीटर) ही ऊंचे हैं। वनुआतु के अलावा पापुआ न्यू गिनी, फिजी और सोलोमन आईलैंड जैसे द्वीपीय देशों के लिए भी सुनामी की चेतावनी दी गई है। हालांकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने अपने नागरिकों को जानकारी देते हुए सुनामी की आशंका से इनकार किया है। यूएस के 'सुनामी वॉर्निंग सिस्टम' के मुताबिक- अगर भूकंप के बाद सुनामी की एडवाइजरी या अलर्ट जारी होता है और इसके बाद समंदर में 1 मीटर ऊंची लहरें उठती हैं तो इसे सुनामी कैटेगरी में रखा जाता है।

इनकी ऊंचाई बाद में 3 से 5 मीटर हो सकती है। अगर 5 मीटर तक लहरें उठती हैं तो इसे 'मेजर सुनामी' कैटेगरी में रखा जाता है।

समुद्र में सुनामी आने से पहले किस तरह के संकेत मिलते हैं?

जब भी भूकंप के बाद सुनामी आती है तो समुद्र के सतह से नीचे चलने वाली लहरें पहले तटों से टकराती हैं। जब समुद्र के नीचे की लहरें तटों की ओर बढ़ती हैं तो नीचे एक वैक्यूम क्रिएट होता है, जो किनारे से ऊपर के पानी को समुद्र की ओर खींचता है। इससे बंदरगाह के किनारे या समुद्र तल की जमीन नजर आने लगती है। समुद्र के पानी का पीछे जाना ये संकेत है कि अब सुनामी आने वाली है। इसके कुछ मिनट या घंटे बाद सुनामी वाली लहर जोरदार ताकत और शोर के साथ किनारे से टकराती है।

सुनामी विनाशकारी लहरों की एक सीरीज होती है, जो एक के बाद एक आती है। इसे 'वेव ट्रेन' कहा जाता है। जैसे-जैसे एक के बाद एक लहरें बीच समुद्र से किनारे की ओर पहुंचती हैं तो सुनामी की ताकत बढ़ती जाती है।

चीन में भ्रष्टाचार की कोई माफी नहीं

देश के सबसे बड़े घोटाले में लिप्त अधिकारी को फांसी पर चढ़ाया

बीजिंग, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन की सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेंस की नीति है और इसी नीति के तहत चीन की सरकार ने अपने एक और शीर्ष अधिकारी को मौत की सजा दे दी है। चीन की सरकार ने मंगलवार को उत्तरी इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के पूर्व अधिकारी ली जियानपिंग को फांसी दे दी। ली जियानपिंग को देश के अब तक के सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया था। यह भ्रष्टाचार 42 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का बताया जा रहा है। ली जियानपिंग चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की कार्यसमिति के सदस्य थे। ली को पूर्व में सितंबर 2022 में ही मौत की सजा दी जानी थी, लेकिन उन्होंने सजा के खिलाफ अपील की थी। अपील के बाद भी चीन के सुप्रीम कोर्ट ने सजा को

बरकरार रखा, जिसके बाद अब ली को फांसी की सजा दी गई। चीन के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ली जियानपिंग को अदालत द्वारा 42 करोड़ डॉलर की अवैध कमाई का दोषी पाया गया था। यह चीन के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला बताया जा रहा है। साल 2012 में चीन की सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भ्रष्टाचार के खिलाफ रुख सख्त रहा है। अब तक शी जिनपिंग के कार्यकाल के दौरान दो पूर्व रक्षा मंत्रियों और दर्जनों सैन्य अधिकारियों समेत दस लाख से अधिक पार्टी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई की गई है। इस साल जनवरी में केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग (सीसीडीआई) के पूर्ण सत्र में दिए गए अपने भाषण में भी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भ्रष्टाचार का डटकर सामना करने का आह्वान किया था।

गौरतलब है कि चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख के बावजूद घोटालों में लिप्त अधिकारियों के सजा पाने के मामले बढ़े हैं। सेना में शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान ने वैश्विक ध्यान खींचा है, जिसके बारे में उनके आलोचकों का कहना है कि इसने उन्हें सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने में सक्षम बनाया है।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने की प्रियंका की तारीफ

फलस्तीन लिखा बैग लेकर संसद पहुंचने पर दिया बयान

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के फलस्तीन लिखा बैग लेकर संसद पहुंचने के कदम की पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने तारीफ की है। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद हसन चौधरी ने एक्स पर प्रियंका गांधी के बैग के साथ तस्वीर साझा की है। उन्होंने लिखा कि जवाहर लाल नेहरू जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पोती से क्या उम्मीद की जा सकती है? प्रियंका बौने लोगों के बीच तनकर खड़ी हुई हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि किसी पाकिस्तानी सांसद ने आज तक ऐसा साहस नहीं दिखाया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं थी, जिस पर 'फलस्तीन' लिखा हुआ था, जो संघर्ष प्रभावित क्षेत्र के लोगों के समर्थन में एक इशारा था। प्रियंका गांधी वाड्रा के हैंडबैग पर 'फलस्तीन' शब्द और

फलस्तीनी प्रतीक दिखाई दिए, जिसमें एक तरबूज की भी तस्वीर दिखी - जिसे फलस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। प्रियंका गांधी वाड्रा गाजा पर इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा रही हैं और उन्होंने फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। जून महीने में, प्रियंका गांधी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की थी, क्योंकि उन्होंने कहा था कि इजरायल सरकार गाजा में 'नरसंहारकारी कार्रवाई' कर रही है।

मोदी की सोशल मीडिया पोस्ट पर बांग्लादेश की आपत्ति

पीएम ने लिखा–1971 की जंग हमारी जीत थी, बांग्लादेशी मंत्री बोले–भारत सिर्फ सहयोगी था

ढाका, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पोस्ट पर आपत्ति जताई है। उनके कानून मंत्री आसिफ नजरुल ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा- 1971 की जीत बांग्लादेश की जीत है, भारत इसमें सिर्फ एक सहयोगी था। नजरुल ने अपनी पोस्ट के साथ पीएम मोदी की पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी लगाया है। दरअसल, पीएम मोदी ने सोमवार को ही 1971 की जंग को लेकर X पर पोस्ट किया था। उन्होंने जंग में जान गंवाने वाले सैनिकों के बलिदान का सम्मान करते हुए उनके योगदान को भारत की जीत में अहम बताया था। भारत और बांग्लादेश ने कल, 16 दिसंबर को 1971 के युद्ध की 53वीं वर्षगांठ मनाई है। दोनों देशों ने कोलकाता और ढाका में इस जीत को लेकर कार्यक्रम भी किए। बांग्लादेश में कल सुबह राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन और अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने राजधानी ढाका में राष्ट्रीय स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बांग्लादेश ने 1971 में 16 दिसंबर के दिन भारत की मदद से पाकिस्तान से आजादी हासिल की थी। बांग्लादेश में स्वतंत्रता दिवस को विजय दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस बार विजय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए, 1971 युद्ध में शामिल आठ भारतीय सिपाही और दो मौजूदा अधिकारी ढाका पहुंचे थे। वहीं बांग्लादेश से मुक्तिवाहिनी के 8 स्वतंत्रता सेनानी और सेना के दो अफसर कोलकाता पहुंचे थे। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश में ये पहला विजय दिवस था। बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इसके बाद से ही ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। यह आरक्षण खत्म कर दिया गया तो छात्रों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं। इसके बाद सेना ने देश की कमान संभाल ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को फासीवादी बताया है। बांग्लादेश के विजय दिवस से एक दिन पहले रविवार शाम को जारी बयान में हसीना ने कहा कि मोहम्मद यूनुस एक फासीवादी सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। ये सरकार आजादी विरोधी और कट्टरपंथियों की समर्थक है। शेख हसीना ने कहा कि देश विरोधी ताकतों ने घरेलू और विदेशी षड्यंत्रों के जरिए अवैध और असंवैधानिक तरीके से सत्ता पर कब्जा कर लिया।

पैसे बचाने के लिए श्रीलंकाई सरकार ने उठाया बड़ा कदम

पूर्व राष्ट्रपतियों की सुरक्षा में की जाएगी कटौती

कोलंबो, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका की सरकार ने वार्षिक बचत के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपतियों को प्रदान की जाने वाली अत्यधिक व्यक्तिगत सुरक्षा में कटौती करने का फैसला लिया है। सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि पूर्व राष्ट्रपतियों को प्रदान की गई कार्मिक सुरक्षा एक जनवरी से कम कर दी जाएगी। श्रीलंकाई मंत्री आनंद विजेपाला ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पूरे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उन्होंने इस फैसले को सरकार की नीति के अनुरूप बताया। विजेपाला ने सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हमने देश से वादा किया है कि जनता के प्रतिनिधियों पर तैनात लोगों को भी आम नागरिकों की तरह सुविधा प्रदान की जाएगी। हम सड़कों पर बड़े वीआईपी काफिलों के कारण जाम लगने की प्रथा को समाप्त करना चाहते हैं। 2024 के दौरान पूर्व राष्ट्रपतियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 1,448 मिलियन खर्च हुए हैं। इस कठिन समय में यह लोगों पर बोझ है। पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे का खर्च सबसे अधिक था। उन्होंने कहा, हमने व्यक्तिगत तौर पर पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को निशाना नहीं बनाया है। हम सभी राष्ट्रपतियों की बात कर रहा हूं। उन्हें अब केवल 60 पुलिसकर्मी उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार के इस फैसले पर विपक्षी पार्टी राजपक्षे की श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना ने प्रतिशोध की एक राजनीतिक कार्रवाई करार दिया है।

छात्रों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि हिंसा

स्कूल में गोलीबारी पर भड़के राष्ट्रपति बाइडन

वॉशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के विस्कोंसिन में एक स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने चिंता जाहिर की। बाइडन ने कहा कि स्कूल में बच्चों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि बंदूक चलाना और हिंसा करना। बाइडन ने देश में बढ़ रही बंदूक संस्कृति को लेकर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि देश की संसद को इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

बाइडन बोले- संसद को तुरंत कदम उठाने की जरूरत

स्कूल में गोलीबारी की घटना पर हैरानी और दुख जताते हुए बाइडन ने कहा कि ऐसी घटनाएं बिल्कुल अस्वीकार्य हैं और हम अपने बच्चों को रखा नहीं कर पा रहे हैं।' व्हाइट हाउस से जारी बयान में कहा गया कि 'आज विस्कोंसिन के मेडिसन के परिवार अपनों को खोने के दुख

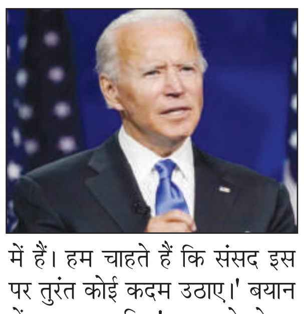

में हैं। हम चाहते हैं कि संसद इस पर तुरंत कोई कदम उठाए।' बयान में कहा गया कि 'न्यूटन से लेकर उवाल्डे, पार्कलैंड और मेडिसन तक स्कूलों में गोलीबारी की कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। हम इसे सामान्य नहीं मान सकते। हर बच्चे का अधिकार है कि उसे स्कूल में पूरी सुरक्षा मिले। स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों को पढ़ना-लिखना सीखना चाहिए न कि हिंसा और गोलीबारी करना।'

विस्कोंसिन के स्कूल में हुई गोलीबारी में पांच की मौत

गौरतलब है कि सोमवार को मैडिसन के एबंडेंट लाइफ क्रिश्चियन स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर सहित पांच लोग मारे गए। मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं। गोलीबारी में पांच लोग घायल भी हुए हैं। हमलावर एक किशोर को बताया जा रहा है, जो स्कूल में मृत पाया गया। अभी गोलीबारी के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। बाइडन ने कहा कि 'मेरी सरकार ने बंदूक हिंसा के खिलाफ काफी काम किया। हमने गन सेफ्टी कानून पारित कराया और अन्य राष्ट्रपतियों की तुलना में बंदूक हिंसा को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए। हालांकि अभी इसे रोकने के लिए काफी कुछ किया जाना बाकी है। खतरनाक हथियारों पर रोक लगनी चाहिए।'

ट्रम्प बोले- पुतिन से डील करने को तैयार रहें जेलेंस्की

यूक्रेन वॉर रोकने के लिए समझौता करना होगा, युद्ध की तबाही 100 साल में ठीक होगी

वॉशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को रूस-यूक्रेन से युद्ध रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे युद्ध रोकने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बात करेंगे।

मीडिया से बातचीत करते हुए ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की को युद्ध रोकने के लिए पुतिन से डील करने के लिए तैयार रहना चाहिए। युद्ध रोकने के लिए दोनों देशों को समझौता करना होगा। हालांकि ट्रम्प ने वॉर रोकने के लिए अपने प्लान की कोई डिटेल नहीं दी।

ट्रम्प ने कहा कि युद्ध की वजह से विवादित क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया है और इसे ठीक करने में 100 साल से ज्यादा वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि कई शहर ऐसे हैं जहां एक भी बिल्डिंग नहीं बची है। सब तबाह हो चुका है।

ट्रम्प ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध की कई तस्वीरें ऐसी हैं, जिनमें शव बुरी हालत में पड़े हैं। इन्हें देखकर मुझे 1861-1865 तक चले अमेरिकन सिविल वॉर की भयानक तस्वीरें याद आती हैं। इससे पहले अमेरिकी चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प यूक्रेन को बाइडन प्रशासन की ओर से दी जाने वाली अरबों डॉलर की मदद पर सवाल खड़े चुके हैं। बीते हफ्ते टाइम मैगजीन को दिए इंटरव्यू में भी ट्रम्प ने कहा था कि वे जल्द से जल्द रूस-यूक्रेन युद्ध रोकना चाहते हैं।

यूक्रेन वॉर में नॉर्थ कोरिया की मौजूदगी से ईयू नाराज

इससे पहले यूरोपीय संघ (ईयू) और कई पश्चिमी देशों ने रूस-यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरिया के शामिल होने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इसके यूरोप और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा के लिए गंभीर परिणाम होंगे। बता दें कि इससे पहले भी कई मीडिया रिपोर्ट्स में नॉर्थ कोरिया के सिपाहियों का रूस की तरफ से युद्ध लड़ने का दावा किया गया है।

यूक्रेन में करीब ढाई साल से चल रहे युद्ध में 43 हजार से ज्यादा यूक्रेनी सैनिक मारे जा चुके हैं। जबकि 3 लाख 70 हजार यूक्रेनी लोग घायल हुए हैं। ये जानकारी जेलेंस्की ने दी है। उन्होंने दावा किया है कि युद्ध में अब तक 1 लाख 98 हजार रूसी सैनिक भी मारे जा चुके हैं, लेकिन रूस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

पीएम की मौजूदगी में सीएम ने पेश किया 1 साल का रिपोर्ट कार्ड

बोले-43000 युवाओं को दी सरकारी नौकरी, 1 लाख से ज्यादा प्रक्रियाधीन

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जयपुर के निकटवर्ती दादिया गांव में प्रदेश सरकार के एक साल पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम शिरकत की। पीएम मोदी ने पहली बार राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच पीकेसी-ईआरसीपी को लेकर फरवरी 2024 में हुए समझौते को सार्वजनिक किया है। पीएम मोदी की मौजूदगी में सीएम भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के एक साल का रिपोर्ट पेश किया। उन्होंने कहा कि एक साल में 43000 युवाओं को सरकारी नौकरी दी है और 1 लाख से ज्यादा नौकरियां प्रक्रियाधीन हैं।

दादिया गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि 17 दिसंबर का दिन हमारे लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। आज का दिन हमारे लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा, क्योंकि आज मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच एमओयू पर दस्तखत हो रहे हैं। ईआरसीपी से 21 जिलों में पानी मिलेगा और ढाई लाख हेक्टेयर में सिंचाई का पानी मिलेगा।

सीएम भजनलाल ने एक साल का रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि राजस्थान के अंदर प्रवासी भाई बहनों द्वारा कर्म भूमि से मातृभूमि के कार्यक्रम के तहत राजस्थान के लगभग 45000 गांवों में 650 करोड़ रुपए के लागत से भूजल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज प्लान बनाया जा रहा है। राजस्थान में लगभग इस तरह के 200 काम चल रहे है। राजस्थान में रिचार्ज के लिए नेटवर्क लग रहे हैं।

युवाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार ने एक साल में 43000 युवाओं को नौकरी दी।

1 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरियां देने की प्रक्रिया चल रही है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से राजस्थान के 1700 गांवों में पक्की सड़कें बनेंगी।

सीएम भजनलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विद्युत उत्पादन और प्रसारण में अच्छा सुधार हुआ है। 1 साल में 10 लाख नए पेयजल कनेक्शन दिए गए है।

बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

पीएम के मार्गदर्शन में केंद्र की उपकरणों द्वारा राज्य में विद्युत उत्पादन को प्रसारण में निवेश में जो रुचि दिखाई गई है, उसे विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में राजनीति की आत्मनिर्भर बन सकेगा।

उपचुनाव की हार के बाद कमजोर पड़ी कांग्रेस

डोटासरा बोले- काम नहीं करने वालों की छुट्टी करेंगे

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि जो लोग पार्टी के लिए काम नहीं कर रहे हैं, उनकी संगठन से छुट्टी की जाएगी। उपचुनाव में बुरी तरह हारी कांग्रेस अब राजस्थान में खुद को फिर से खड़ा करने के लिए रिस्ट्रक्चरिंग प्रोग्राम तैयार कर रही है। इसके लिए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की गोविंदसिंह डोटासरा की अध्यक्षता में अहम बैठक संपन्न हुई।

बैठक में डोटासरा ने प्रदेश प्रभारी पदाधिकारियों से जिलों का फीडबैक लिया। इसमें ज्यादातर की शिकायत यह थी कि कई पदाधिकारी कांग्रेस में सिर्फ पद लेकर बैठे हैं और पार्टी तथा संगठन के लिए काम नहीं कर रहे हैं। बैठक में प्रदेश की बी जे पी सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए अभियान शुरू करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद थे।

18 को कांग्रेस का पैदल मार्च

राहुल गांधी अडानी के जिस मुद्दे को संसद में लगातार उठा रहे हैं, उसे लेकर कांग्रेस अब राजस्थान में भी बड़ा प्रदर्शन करने जा रही है। अडानी की जांच की मांग को लेकर राजस्थान कांग्रेस 18 दिसंबर को जयपुर के शहीद स्मारक से राजभवन तक पैदल मार्च निकालकर विरोध-प्रदर्शन करेगी।

डोटासरा ने सभी पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत करने के लिए राय मांगी। बैठक में यह तय हुआ है कि 19 दिसंबर से एक माह तक प्रदेशभर में कांग्रेस पार्टी आम जनता के बीच जाकर भाजपा की प्रदेश सरकार की विफलताओं को उजागर करने के साथ ही पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों पर प्रदेशवासियों से चर्चा करने का कार्य करेगी। इसमें 20 और 21 दिसंबर को संभाग मुख्यालयों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष प्रेसवार्ता को संबोधित करेंगे।

22 और 23 दिसंबर को जिला मुख्यालयों पर तथा 24 और 25 दिसंबर को ब्लॉक स्तर पर प्रेसवार्ता कर राज्य सरकार की विफलताएं बताई जाएंगी। वहीं 27 दिसंबर को कांग्रेस स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर सभी जिला कांग्रेस कमेटियां कार्यक्रम करेंगी तथा 28 दिसंबर को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित होगा।

लोकेश शर्मा के सरकारी गवाह बनने से फोन टैपिंग मामले में आया नया मोड़

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा के सरकारी गवाह बनने के बाद राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस में चर्चित विधायकों के फोन टैपिंग मामले में नया मोड़ आया है। माना जा रहा है कि अब पूर्व सीएम अशोक गहलोत की मुश्किलें बढ़ सकती है। क्योंकि दिल्ली क्राइम ब्रांच इस मामले में अशोक गहलोत सहित फोन टैपिंग से जुड़े गृह विभाग व पुलिस के तत्कालीन अधिकारियों से पूछताछ कर सकती है।

दरअसल, दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने लोकेश शर्मा को सरकारी गवाह बनने की अनुमति दी। लोकेश शर्मा की ओर से कोर्ट में इसी माह सरकारी गवाह बनने को लेकर प्रार्थना पत्र पेश किया गया था। जिसे अब कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। ऐसे में अब दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम गहलोत सहित कई अधिकारियों से पूछताछ के लिए जयपुर आ सकती है।

अभी ऑडियो टैप की एफएसएल जांच रिपोर्ट आना बाकी

इस मामले में ऑडियो टैप की एफएसएल जांच की रिपोर्ट आना बाकी है। रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई आगे बढ़ा सकती है। इसके आधार पर कुछ और लोगों के बयान लिए जा सकते हैं। दिल्ली क्राइम ब्रांच इस मामले में आगे की पड़ताल करने और इस प्रकरण से जुड़े मामलों में जानकारी के लिए राजस्थान आ सकती है।

गहलोत सहित कई अधिकारियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

चर्चा है कि लोकेश के सरकारी गवाह बनने से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और फोन टैपिंग से जुड़े गृह विभाग व पुलिस के तत्कालीन अधिकारी जांच के दायरे में लिए जा सकते हैं, जिससे उनकी मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं।

2020 के 'सियासी संकट' से जुड़ा है पूरा मामला

यह पूरा मामला वर्ष 2020 में कांग्रेस सरकार के सियासी संकट से जुड़ा हुआ है।राजस्थान की सियासत में 2020 में हुई उथल-पुथल को लेकर कुछ ऑडियो वायरल हुए थे।

इसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश की जा रही है। यह ऑडियो अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने जारी किया था।

इसको लेकर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मार्च 2021 में दिल्ली की क्राइम ब्रांच में एफआइआर दर्ज कराई थी। जिसमें कहा था कि ऑडियो टैप फर्जी हैं और इसे अवैध तरीके से बनाकर राजनीतिक मंशा से लीक किया गया है। एफआइआर में इस मामले की जांच कराने का आग्रह किया गया था।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था और मामले की सीधी जांच एसओजी और एसीबी को दी थी।

7 जिलों में शीतलहर, शेखावाटी में पारा माइनस में, 2 डिग्री और आएगी गिरावट

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कई शहरों में पारा जीरो डिग्री के आसपास चल रहा है। सीकर के फतेहपुर में बीते 4 दिनों से पारा माइनस में चल रहा है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार प्रदेश में शीतलहर का ये दौर अभी कुछ दिन और जारी रहने वाला है।

जयपुर मौसम केंद्र ने आज प्रदेश के 7 जिलों में अति शीतलहर और शीतलहर की चेतावनी जारी की है, इसमें सीकर में अति शीतलहर तथा अलवर, भीलवाड़ा, चूरू, झुंझनू, हनुमानगढ़ और नागौर में शीतलहर की चेतवानी दी गई है। शेखावाटी क्षेत्र में शीतलहर का प्रभाव सबसे ज्यादा महसूस हो रहा है। यहां फतेहपुर में पारा माइनस 0.4 दर्ज किया गया है। मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि यहां न्यूनतम पारे में अभी 2 डिग्री तक की गिरावट और हो सकती है। इसके साथ ही इस सप्ताह प्रदेश में वर्षा का भी पूर्वानुमान जारी किया गया है। अमूमन बारिश के बाद तापमान में तेज गिरावट देखने को मिलती है।

सर्दी की हालत यह है कि प्रदेश के कई इलाकों में फसलों पर पाला मार गया है। खेतों और मकानों पर बर्फ की चादर जम रही है। शहरी क्षेत्र और अंदरूनी ग्रामीण इलाकों में न्यूनतम तापमान में 4 से 5 डिग्री तक का फर्क देखने को मिल रहा है।

राजधानी जयपुर में वेदर स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री दर्ज किया गया है, जबकि जयपुर के एमईटी यूनिवर्सिटी के मौसम केंद्र पर न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम तापमान की बात करें तो बाड़मेर में अधिकतम तापमान 28.6 और फतेहपुर में निम्नतम न्यूनतम तापमान माइनस 0.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं भीलवाड़ा में न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री, अलवर में 2.2 डिग्री, पिलानी में 2.7 डिग्री, सीकर में 2.5 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 3.7, चूरू में 1.5 डिग्री, माउंट आबू में 2 डिग्री, नगौर 3.0 डिग्री, संगरिया 2.7 डिग्री, जालौर 3.6 डिग्री दर्ज किया गया।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की कार्रवाई

40 करोड़ की एमडी ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़, हथियार बरामद

चित्तौड़गढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने प्रतापगढ़ जिले के अरनोद थाना क्षेत्र के देवल्दी गांव में एमडी ड्रग को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने दो फार्म हाउस पर दबिश देकर करोड़ों रुपये मूल्य की एमडी ड्रग बनाने की फैक्ट्री का खुलासा किया। छापेमारी में लगभग 12 किलो एमडी ड्रग, ड्रग बनाने के उपकरण, बड़ी मात्रा में रसायन, अवैध पिस्टल के साथ तीन कारतूस बरामद किए गए। इस जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 40 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि देवल्दी गांव में कुछ लोग एमडी ड्रग निर्माण और इसकी तस्करी में शामिल हैं। एजीटीएफ ने अरनोद थाना पुलिस के साथ मिल कर दो फार्म हाउस पर दबिश दी। पुलिस की भनक लगते ही मुख्य आरोपित याकुब, जमशेद और शाहील मौके से फरार हो गए। तलाशी के दौरान फार्म हाउस से 11 किलो 450 ग्राम लिक्विड एमडी ड्रग, 14 किलो 770 ग्राम केमिकल और अन्य ड्रग सामग्री जब्त की गई। इसके अलावा एक देशी पिस्टल, मैगजीन और तीन कारतूस भी बरामद किए गए।

भोपाल में पकड़ी 1800 करोड़ की ड्रग से कनेक्शन

एजीटीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि देवल्दी गांव के मुख्य आरोपी गुजरात एटीएस द्वारा भोपाल में पकड़ी गई 1800 करोड़ की एमडी ड्रग मामले से जुड़े हुए हैं। गुजरात एटीएस की कार्रवाई में पकड़े गए मुख्य आरोपी शोएब के करीबी रिश्तेदार याकुब, जमशेद और शाहील ड्रग निर्माण और तस्करी में सक्रिय हैं।

दूसरे फार्म हाउस पर मिली अवैध पिस्टल

पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि ड्रग तस्करी के मामलों में वांछित और 25 हजार के इनामी बदमाश शाहरुख उर्फ टोनी देवल्दी गांव में चमन खान के फार्म हाउस पर छिपा हो सकता है। फार्म हाउस पर दबिश के दौरान शाहरुख नहीं मिला।

टीम ने तलाशी ली तो यहां पर एक बिना नंबर की बाइक और तकिए के नीचे छिपी पिस्टल मय मैगजीन और तीन कारतूस बरामद हुए।

पुलिस टीम की बड़ी सफलता

इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल महावीर सिंह व कांस्टेबल नरेन्द्र पाटीदार की अहम भूमिका रही। अरनोद थाने के एसएचओ हजारी लाल, एएसआई शिवलाल और पुलिस टीम के अन्य सदस्यों ने भी सराहनीय योगदान दिया। एडीजी दिनेश एमएन ने कहा कि यह कार्रवाई राजस्थान में ड्रग माफिया के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की बड़ी सफलता है। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपित याकुब, जमशेद और शाहील समेत कई अन्य फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। वहीं, 1800 करोड़ की भोपाल ड्रग केस से जुड़े अन्य तारों की जांच भी जारी है।

घर में बने टैंक में डूबने से सरकारी-टीचर की मौत

दौसा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले में सरकारी टीचर की घर में बने पानी के टैंक में डूबने से मौत हो गई। मंगलवार सुबह 6 बजे टीचर नहाने के लिए वाटर टैंक से पानी लेने गए थे। इस दौरान वे फिसल गए और 15 फीट गहरे टैंक में गिर गए। जब काफी देर तक पानी लेकर नहीं लौटे तो परिजन को चिंता हुई। परिजन टैंक के पास पहुंचे तो बाहर उनकी शॉल पड़ी मिली। टैंक में झांका तो अंदर शव पड़ा था। मामला बांदीकुई में बसवा थाना इलाके के पंचमुखी इलाके का है। बसवा थाने के हेड कॉन्स्टेबल राजवीर सिंह ने बताया- पंचमुखी कॉलोनी में रहने वाले ललित मोहन सैनी (46) राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल, मोराडी (बांदीकुई) में ग्रेड थर्ड टीचर के पद पर कार्यरत थे। उन्हें स्कूल जाने के लिए तैयार होना था। मंगलवार सुबह 6 बजे बाल्टी लेकर वे घर के पास बने वाटर टैंक पर गए थे। पुलिस को परिजन से मिली जानकारी के अनुसार- ललित मोहन रोजाना स्कूल जाने के लिए जल्दी उठते थे। वे घर में बने टैंक से बाल्टी भरकर नहाने के लिए बाथरूम में पानी लाते थे।

अंडर गारमेंट में छुपाकर लाया साढ़े तीन किलो सोना

शारजाह से जयपुर पहुंचा था; पहली बार मिला था तस्कर को बड़ा टारगेट

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर शारजाह से अंडर गारमेंट में साढ़े तीन किलो गोल्ड छुपाकर लाया युवक पकड़ा गया। पकड़े गए गोल्ड की कीमत 2 करोड़ रुपए है। युवक इससे पहले भी कई बार यूएई से गोल्ड राजस्थान ला चुका था।

कस्टम अधिकरियों ने बताया कि जयपुर में सुबह पांच बजे शारजाह से आने वाली फ्लाइट में गोल्ड तस्करी की सूचना थी। बताया गया था कि ये तस्करी राजस्थान का ही व्यक्ति कर रहा था। यात्री फ्लाइट से उतरा और उससे एयरपोर्ट पर ही पूछताछ की।

इसके बाद जब सामान देखा तो उसमें भी गोल्ड नहीं था। उसके कपड़ों की जांच की तो पता चला कि अंडर गारमेंट में उसने साढ़े तीन किलो गोल्ड छुपा रखा है। तस्कर ने गोल्ड का पेस्ट बनाकर प्राइवेट पार्ट के पास रखा हुआ था। पूछताछ में पता चला कि तस्कर शेखावाटी का रहने वाला है और एयरपोर्ट के बाहर ही उसे सप्लाई करना था। आरोपी गोल्ड तस्कर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

पहली बार मिला था इतना बड़ा असाइनमेंट

पूछताछ में तस्कर ने बताया कि वह खाड़ी देशों सेराजस्थान में गोल्ड तस्करी करता है। इससे पहले भी वह कई बार सोने की तस्करी कर चुका था। पहली बार उसे इतना बड़ा असाइनमेंट मिला था, लेकिन वह पकड़ा गया।

गौरतलब है कि टीम ने तीन महीने पहले ही खाड़ी देशों से भारत में सोने की अवैध तस्करी करने वाले कुख्यात तस्कर मुनियाद अली को गिरफ्तार किया था। इंटरपोल की मदद से राष्ट्रीय जांच एजेंसी(NIA) उसे यूएई से भारत लेकर आई थी। । मुनियाद ने ही खाड़ी देशों से भारत तक गोल्ड तस्करी का अवैध नेटवर्क तैयार किया था।

वहीं 2 महीने पहले अक्टूबर में भी एक आरोपी को जयपुर एयरपोर्ट पर पकड़ा गया था। इस दौरान अबूधाबी से पहुंचे पैसेंजर के रेक्टम से करीब एक किलो वजन के गोल्ड के 3 टुकड़े निकाले गए थे। इनकी कीमत 90 लाख रुपए से ज्यादा की थी डॉक्टर्स ने दो दिन में अलग-अलग ऑपरेशन कर गोल्ड को रिकवर किया था।

तस्करी के लिए बदल देते हैं गोल्ड का रंग

गोल्ड एक कठोर और दुनिया की सबसे महंगी धातुओं में से एक है। तस्करी के लिए सबसे पहले इसकी पहचान सुनहरे रंग को ही बदल देते हैं। केमिकल के जरिए सोने को व्हाइट या पिंक कर दिया जाता है। ताकि एयरपोर्ट पर सामान खुलवाकर कोई अधिकारी चेकिंग करे तो उसकी समझ में नहीं आए कि ये क्या चीज है।

दूसरा तरीका गोल्ड को लिक्विड पेस्ट में बदलने का है। इससे गोल्ड एक जेल की तरह बन जाता है, जिसे किसी भी आइटम में आसानी से भरा जा सकता है। अगर कोई महिला यात्री है, तो वह उसे नेल पॉलिश की बोतल में भी भरकर ला सकते हैं।

भीषण सड़क हादसा

आग के गोले में बदली गाड़ियां, जिंदा जलने से 2 की मौत

नागौर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। आमने-सामने की टक्कर व आग लगने से वाहन में सवार चालक व खलासी फंस गए और जिंदा जल गए।

दुर्घटना की सूचना मिलने पर नागौर की सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि उसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग में जिंदा जलने वालों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

वहीं हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची।

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वहीं हादसे के बाद हाइवे पर जाम भी लग गया। जिसे पुलिस ने खुलवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोऑपरेटिव बैंक से 8 लाख की चोरी का खुलासा, हरियाणा के तीन आरोपी गिरफ्तार

जेल में रची गई थी साजिश

भरतपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के भुसावर थाना क्षेत्र स्थित दी कोऑपरेटिव बैंक में 5-6 दिसंबर की मध्यरात्रि को हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में हरियाणा के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने बैंक का जंगला और तिजोरी काटकर 8 लाख 14 हजार 200 रुपये की चोरी की थी। पुलिस ने घटना में उपयोग की गई एक ईको गाड़ी भी बरामद की है।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। शुरुआत में साइबर सहयोग से ठोस सबूत नहीं मिले, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक ईको गाड़ी की पहचान की गई, जिसका रजिस्ट्रेशन हरियाणा के जींद का निकला। स्थानीय स्पेशल टीम ने जींद और करनाल पुलिस की मदद से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जेल में बना प्लान, गूगल से जुटाई जानकारी

गिरफ्तार आरोपियों में मास्टरमाइंड अमित उर्फ टाकन (जींद), मक्खन (करनाल), और वतन महाजन (जींद) शामिल हैं। तीनों आरोपियों की मुलाकात हरियाणा की जेल में हुई थी। जेल में ही उन्होंने बैंक चोरी की योजना बनाई और बाहर निकलने के बाद गूगल पर बैंकों की जानकारी जुटाई। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दी कोऑपरेटिव बैंकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होते, इसलिए वे इन्हें टारगेट करते थे।

आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड

अमित उर्फ टाकन इस मामले का मास्टरमाइंड पहले भी 6 कोऑपरेटिव बैंकों में चोरी कर चुका है और जेल जा चुका है। मक्खन इसके खिलाफ 11 मामले दर्ज हैं, जिनमें से 9 नकबजनी के हैं। भुसावर बैंक में तिजोरी काटने का काम मक्खन ने ही किया था। वतन महाजन इस पर मारपीट का एक मामला दर्ज है।

पुलिस कार्रवाई जारी

पुलिस ने चोरी की रकम बरामद करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। घटना में शामिल आरोपियों से और पूछताछ की जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस सफलता से यह स्पष्ट हुआ है कि संगठित अपराध को रोकने के लिए बेहतर निगरानी और सुरक्षा उपायों की जरूरत है।

घरेलू विवाद में भाई ने ही पीट-पीटकर कर दी मौसेरे भाई की हत्या

प्रतापगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजगढ़ में मामूली घरेलू झगड़े में एक भाई ने दूसरे भाई की लाठी से पीट-पीट कर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार राजगढ़ गांव में मांगीलाल एवं उसकी मां के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान मांगीलाल का मौसेरा भाई राजू मौके पर पहुंचा।

लाठी से किया था हमला

मां-बेटे के झगड़े में बीच-बचाव करने आए राजू ने मांगीलाल को समझाने की कोशिश की। इसी दौरान मांगीलाल एवं राजू की आपस में लड़ाई हो गई। आवेश में आकर राजू ने मांगीलाल पर लाठी से हमला कर दिया। हमले में मांगीलाल गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना पर पारसोली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल मांगीलाल को हॉस्पिटल पंहुचाया। प्राथमिक उपचार के बाद मांगीलाल को चित्तौड़गढ़ के लिए रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान मांगीलाल पुत्र भागा बैरवा की मौत हो गई। प्रतापगढ़ पुलिस ने मृतक मांगीलाल का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया व राजगढ़ निवासी राजू पुत्र डालचंद बैरवा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया।

आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने राजू को गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार किसी बात को लेकर मांगीलाल व उसकी मां के बीच में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

इसको लेकर राजू ने मांगीलाल से समझाइश की, लेकिन मांगीलाल ने नहीं माना। इस पर राजू ने मांगीलाल पर लाठी से हमला कर दिया।

हैदराबाद और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में शीतलहर

पारा एक डिग्री तक गिरा

हैदराबाद, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और राज्य के अन्य जिलों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है और मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान मावला, आदिलाबाद में 5.9 डिग्री सेल्सियस और हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) परिसर में 7.8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद के कई क्षेत्रों में मंगलवार को न्यूनतम तापमान एकल अंक में दर्ज किया गया। बीएचईएल फैक्ट्री और पटनचेरु में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मौला अली में पारा गिरकर 8.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। राजेंद्रनगर में न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि शिवरामपल्ली में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गाचीबोवली में न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हैदराबाद के अन्य क्षेत्रों मर्रेदपल्ली, कुथबुल्लापुर, सरूरनगर, अलवाल, बालानगर, मलकाजगिरी, शेखपेट, बहादुरपुरा और गोलकोंडा में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

जिलों में, आदिलाबाद, संगारेड्डी, निर्मल और कामारेड्डी में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस और 6.9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा जबकि मावला (आदिलाबाद) में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, मंगलवार को बेला और भीमपुर (आदिलाबाद) में न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस, संगारेड्डी के कोहिर में 6.7 डिग्री सेल्सियस और संगारेड्डी के जहीराबाद में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आदिलाबाद, निर्मल, कुमराम भीम आसिफाबाद, संगारेड्डी, रंगारेड्डी, मेदक, निज़ामाबाद, विकाराबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, कामारेड्डी, पेद्दापल्ली, सिद्दीपेट, वारंगल और नगरकुर्नूल में कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान एकल अंक (10 डिग्री सेल्सियस से नीचे) तक गिरने के कारण शीत लहर की स्थिति व्यापक थी।

छात्रावास में कक्षा 7 के छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर स्थित एक आवासीय विद्यालय में मंगलवार तड़के कक्षा 7 के एक छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे में आत्महत्या कर ली। स्कूल परिसर में स्थित छात्रावास में रहने वाला 12 वर्षीय बालक किसी बात से परेशान था और उसने यह कदम उठाया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को अपने रूममेट की अनुपस्थिति में बालक ने यह कदम उठाया।

जब बार-बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसके दोस्तों को शक हुआ। उन्होंने हॉस्टल के अधिकारियों को सूचित किया, जिन्होंने बल प्रयोग कर दरवाजा तोड़ा, लेकिन लड़के की मौत हो चुकी थी। हयातनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।

आदिवासी किसानों को रिहा करें : श्रवण

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद बीआरएस कैडर ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर ज्ञापन सौंपकर लगाचेरला आदिवासी किसानों की अवैध गिरफ्तारी और अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा की। सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. दासोजू श्रवण ने रेवंत रेड्डी सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, सरकार दमनकारी क्रूरता के साथ काम कर रही है, निर्दोष आदिवासी किसानों पर थर्ड-डिग्री टॉर्चर कर रही है और उन्हें अवैध रूप से हिरासत में ले रही है। यह सत्ता का राक्षसी उत्सव और संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ एक शर्मनाक विश्वासघात है।

इस तरह की कार्रवाई हमारे संविधान के निर्माता डॉ.बी.आर. अंबेडकर के आदर्शों का सीधा उल्लंघन है, जिन्होंने उत्पीड़ितों और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने अदालतों को गुमराह करने और किसानों को जमानत मिलने से रोकने के लिए अनावश्यक बाधाएं पैदा करने, सलाखों के पीछे उनकी पीड़ा और अन्यायपूर्ण पीड़ा को बढ़ाने के लिए सरकार की आलोचना की। रेवंत रेड्डी सरकार सबसे गरीब किसानों की आवाज दबाने, उन्हें न्याय से वंचित करने के लिए कानूनी अड़चनें डालने और उनके दुख का जश्न मनाने पर उतर आई है। यह इस दमनकारी शासन का असली चेहरा दिखाता है। चोट पर नमक छिड़कते हुए, सरकार विधानसभा में इस गंभीर मुद्दे पर बहस की अनुमति देने से भी इनकार कर रही है, जिससे उनकी जवाबदेही का डर उजागर होता है। डॉ. श्रवण ने मांग की कि किसानों और पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी के खिलाफ दर्ज किए गए मनगढ़ंत मामलों को तुरंत वापस लिया जाए और आदिवासी किसानों को बिना देरी किए रिहा किया जाए। किसानों के अधिकारों की रक्षा करना दान नहीं, बल्कि किसी भी सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। इस तरह के क्रूर और असंवैधानिक कार्यों का सहारा लेकर रेवंत रेड्डी सरकार ने डॉ. अंबेडकर के मूल्यों और बलिदानों का अनादर किया है और इस देश की लोकतांत्रिक नींव को रौंद दिया है। इस सरकार को यह समझना चाहिए कि कोई भी बल या दमन सत्य को चुप नहीं करा सकता है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था और पार्टी से किसानों के साथ एकजुटता से खड़े होने का आग्रह किया था। आह्वान का जवाब देते हुए, खैरताबाद बीआरएस नेताओं, जिनमें डॉ. दासोजू श्रवण, पार्षद मन्ने कविता, मन्ने गोवर्धन रेड्डी, पूर्व निगम अध्यक्ष बी श्रीधर रेड्डी, विप्लव, महेश यादव, रामचंदर, विजय और कई अन्य नेता और पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे, ने ज्ञापन सौंपने में भाग लिया। श्रवण ने दोहराया कि बीआरएस पार्टी किसानों के अधिकारों के लिए लड़ती रहेगी और कांग्रेस सरकार के निरंकुश आचरण को उजागर करेगी, यह सुनिश्चित करते हुए कि उत्पीड़ितों को न्याय और सम्मान मिले।

कवाल टाइगर रिजर्व में पाया गया दुर्लभ शटलकॉक मशरूम

मंचेरियल, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण खोज में उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान अनुसंधान विद्वान वेंकट अनगंधुला ने तेलंगाना के कवाल टाइगर रिजर्व में माइकोलॉजिकल विविधता पर अपने अध्ययन के दौरान एक दुर्लभ कवक, क्रैंब्रस डेलिकेटस (जिसे आमतौर पर शटलकॉक मशरूम के रूप में जाना जाता है) दर्ज किया। वेंकट ने दावा किया कि कवल टाइगर रिजर्व में फंगस प्रजाति की खोज पूर्वी घाट में इसकी मौजूदगी का पहला पुष्ट रिकॉर्ड है, जो इसके भौगोलिक वितरण को दर्शाता है। इस खोज ने अकादमिक महत्व और पारिस्थितिक महत्व ग्रहण कर लिया है क्योंकि पहले माना जाता था कि क्रैंब्रस डेलिकेटस पश्चिमी घाट तक ही सीमित है, जो महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमी क्षेत्रों में फैला हुआ है। शोधकर्ता ने कहा कि इस खोज ने इस दुर्लभ कवक प्रजाति की आवास वरीयताओं और सीमा के बारे में पहले की धारणाओं को भी चुनौती दी है और पूर्वी घाट की पारिस्थितिक विशिष्टता को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कवक की उपस्थिति भारत के कम खोजे गए क्षेत्रों में कवक विविधता के आगे व्यवस्थित सर्वेक्षण की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

मोहन बाबू की पत्नी निर्मला ने बेटे मनोज के आरोपों को किया खारिज

कहानी में नया मोड़

हैदराबाद, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मोहन बाबू के परिवार को लेकर चल रहे विवाद में एक नया मोड़ तब आया जब दिग्गज अभिनेता की पत्नी एम. निर्मला ने पुलिस को एक पत्र लिखकर स्पष्ट किया कि उनके जन्मदिन के अवसर पर उनके बड़े बेटे और अभिनेता मंचू विष्णु ने कोई झगड़ा या उपद्रव नहीं किया था, जैसा कि उनके छोटे बेटे मंचू मनोज कुमार ने आरोप लगाया और शिकायत की।

पहाड़ीशरीफ पुलिस को लिखे पत्र में निर्मला ने कहा कि 14 दिसंबर को उसके जन्मदिन पर विष्णु जलपल्ली स्थित उनके घर आया और केक लेकर आया तथा जश्न मनाया। बाद में उन्हें पता चला कि मनोज ने विष्णु और उसके साथियों के घर में घुसने का सीसीटीवी फुटेज जारी कर दिया था और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि विष्णु ने झगड़ा किया था और घर में लगे जेनरेटर से भी छेड़छाड़ की थी, जिसके कारण जेनरेटर खराब हो गया था। निर्मला ने लिखा कि मेरे जन्मदिन के अवसर पर विष्णु केक लेकर घर आया था। वह कुछ देर मेरे साथ रहा और केक काटकर जश्न मनाया। मेरे छोटे बेटे मनोज का इस घर पर उतना ही अधिकार है जितना मेरे बड़े बेटे विष्णु का है। उसने घर में किसी तरह की हिंसा या लड़ाई-झगड़े के लिए प्रवेश नहीं किया। विष्णु का इसमें कोई हाथ नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि मनोज की शिकायत में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि घर में काम करने वाले लोगों ने भी काम करना बंद कर दिया और कहा, 'हम यहां काम नहीं कर सकते।'

7वीं कक्षा के छात्र की मौत पर प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर स्थित निजी आवासीय स्कूल के छात्रावास के कमरे में मंगलवार को कक्षा सात के एक छात्र की मौत के बाद परिजनों और छात्र संगठनों ने स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे हल्का तनाव व्याप्त हो गया। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षकों और प्रबंधन पर उत्पीड़न और लापरवाही का आरोप लगाया, जिसके कारण लड़के को यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारे लगाए और छात्र के परिवार के लिए न्याय की मांग की। हयातनगर पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया। प्रदर्शनकारियों को शांत किया गया और स्थिति को नियंत्रण में लाया गया। स्कूल परिसर में स्थित छात्रावास में रहने वाले 12 वर्षीय बच्चे ने परेशान होकर यह कदम उठाया। अपने रूममेट की अनुपस्थिति में, लड़के ने पंखे से लटककर अपनी जान दे दी।

मिधानि में स्वच्छता पखवाड़ा संपन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) हैदराबाद के कंचनबाग प्लांट में स्वच्छता पखवाड़ा का समापन हुआ। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान कर्मचारियों, उनके परिवारों और स्थानीय निवासियों को स्वच्छता संबंधी विभिन्न पहलुओं में शामिल करके स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई। इसके अलावा, पुरानी फाइलों और कार्यालय उपकरणों का भी निपटान किया गया। साथ ही वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए मिधानि ने 'सिंगल यूज प्लास्टिक' और अन्य प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने तथा दैनिक जीवन में स्वच्छता का महत्व विषय पर व्याख्यान भी आयोजित किए। मिधानि ने बीपीडीएवी स्कूल में निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करके स्कूल के छात्रों को भी स्वच्छता अभियान में शामिल किया गया।

किसानों की जमानत पर बाधा डालने का आरोप

सूर्यापेट, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने सूर्यापेट में डॉ बीआर अंबेडकर की प्रतिमा पर एक ज्ञापन सौंपा और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार की लोकतंत्र विरोधी नीतियों के खिलाफ हस्तक्षेप करने की उनसे अपील की। बीआरएस नेताओं ने रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सरकार पर अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान में निहित लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार की कार्रवाइयों पर प्रकाश डाला, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह लोगों, खासकर लागाचेरला के आदिवासी किसानों के हितों के खिलाफ है।

ज्ञापन में लागाचेरला में आदिवासी किसानों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जाने के आरोपों का विस्तृत ब्यौरा दिया गया। बीआरएस नेताओं ने सरकार पर इन किसानों की जमानत में बाधा डालने का आरोप लगाया, जिससे उन्हें बुनियादी चिकित्सा सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने इन झूठे मामलों को तत्काल वापस लेने की मांग की। बीआरएस नेताओं ने मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार से अंबेडकर के ज्ञान से प्रेरित होने और लोगों से किए गए वादों को पूरा करने का आग्रह किया।

उस्मानिया अस्पताल को गोशामहल मैदान में स्थानांतरित नहीं करने के लिए तेलंगाना सरकार के खिलाफ सर्वदलीय बैठक और विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। उस्मानिया अस्पताल हटाओ गोशामहल मैदान बचाओ नारे के साथ प्रदर्शन का नेतृत्व करते जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल, लालसिंह एवं पार्षद शंकर यादव बेगमबाजार, पांडु यादव गोलकोंडा जिला अध्यक्ष आदि।

हथकड़ी पहने बीआरएस विधायकों ने लागाचेरला पर की चर्चा की मांग

हैदराबाद, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। लागाचेरला किसानों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए, बीआरएस ने राज्य में उद्योगों की स्थापना के लिए किसानों से कृषि भूमि के जबरन अधिग्रहण पर चर्चा के लिए विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। पार्टी ने किसानों की गिरफ्तारी और उनकी तत्काल रिहाई की आवश्यकता पर भी चर्चा करने की मांग की। बीआरएस विधायक टी हरीश राव, जी जगदीश रेड्डी, वेमुला प्रशांत रेड्डी, गंगुला कमलाकर और अन्य ने इस संबंध में अध्यक्ष को नोटिस दिया। इससे पहले, बीआरएस विधायक काली पोशाक और हथकड़ी पहनकर विधानसभा और विधान परिषद पहुंचे और लगाचेरला के किसानों को जेल में बंद करने के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। उन्होंने किसानों के लिए न्याय और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की।

मिशन भागीरथ के कार्यकर्ता हड़ताल पर

76 गांवों में पानी की आपूर्ति बाधित

संगारेड्डी, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यालकल, झारासंगम और रायकोड़े मंडलों के 76 गांवों में पेयजल की आपूर्ति 22 नवंबर से बंद है, क्योंकि पिछले 10 महीनों से वेतन न मिलने के कारण मिशन भागीरथ के 26 ऑपरेटर और लाइनमैन हड़ताल पर चले गए हैं। राघवपुर फिल्टर बेड, जहां से इन गांवों को पानी की आपूर्ति की जाती है, तब से काम करना बंद कर दिया है। इन ऑपरेटरों ने इन गांवों में मिशन भागीरथ के साथ आठ से 10 साल तक काम किया है।

उन्हें 9,500 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जा रहा था। हालांकि, उन्हें आखिरी बार एक साल पहले वेतन मिला था। जब उन्होंने 22 नवंबर को विरोध प्रदर्शन शुरू किया था, तो ठेकेदार ने उनसे 10 दिसंबर तक पूरा बकाया वेतन देने का वादा किया था। फिर भी, ठेकेदार ने वादा पूरा नहीं किया, जिससे उन्हें विरोध जारी रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। इन मंडलों के कई गांव वाले पानी की भारी कमी से जूझ रहे हैं। जहां कुछ अधिकारियों ने टैंक लगाकर पानी की आपूर्ति करने जैसे वैकल्पिक इंतजाम किए हैं, वहीं अन्य गांवों के लोग अपने खर्च पर पानी ला रहे हैं। गोपाल रेड्डी नामक लाइनमैन ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप कर उनके संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर ठेकेदार लंबित वेतन का भुगतान कर दें तो वे अपना काम फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। केवल इन 26 ऑपरेटरों को ही नहीं, बल्कि पूरे जिले में कार्यरत 60 से अधिक ऑपरेटरों को उनका वेतन नहीं दिया जा रहा है। हालांकि बाकी ऑपरेटर अपना काम कर रहे हैं, लेकिन वे जल्द ही विरोध प्रदर्शन में शामिल हो जाएंगे।

चीकुर्थी निवासी भूमि रेड्डी ने कहा कि पिछले 27 दिनों से गांव में पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण निवासी संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे कर्मचारियों को वेतन देकर तुरंत जलापूर्ति बहाल करें। इस बीच, मिशन भगीरथ के कर्मचारियों ने भी सरकार से वेतन बढ़ाने की मांग की है। वे पहचान पत्र, पीएफ, ईएसआई और अन्य लाभ भी चाहते हैं।

2 किसानों ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर रैतु बीमा का किया दावा

मेदक, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक मंडल के गुट्टाकिंडी पल्ली गांव में दो किसानों ने कथित तौर पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर 5-5 लाख रुपये का रैतु बीमा जीवन बीमा लाभ प्राप्त कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि ग्राम पंचायत के रजिस्टर में दो किसानों बिटला श्रीनिवास और एलीगंती मल्लेशम को मृत दिखाया गया है, साथ ही उनकी मृत्यु की तारीख भी दर्ज है। चूंकि पंचायत सचिव ने दोनों किसानों को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया था, इसलिए पुलिस को पूरे मामले में पंचायत सचिव का हाथ होने का संदेह है। सूचना मिलने के बाद कृषि विस्तार अधिकारी भार्गवी ने दोनों किसानों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

चूहे के काटने से छात्रा लकवाग्रस्त, 15 बार चूहों ने काटा

खम्मम, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी छात्रावासों से एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां खम्मम के दानवईगुडेम स्थित बीसी वेलफेयर छात्रावास में कक्षा 10 की छात्रा को चूहों ने कई बार काटा, जिसके कारण अब उसके दोनों पैर लकवाग्रस्त हो गए हैं। छात्रा लक्ष्मी भवानी कीर्ति को चूहों ने 15 बार काटा था और मार्च से नवंबर तक हर बार उसे एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई थी। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि इसके कारण उसे लकवा मार गया। पूर्व मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार के निर्देश पर छात्रा को मुफ्त इलाज देने के लिए अस्पताल आगे आया और उसे खम्मम के ममता जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि छात्रा फिलहाल ठीक हो रही है, लेकिन उसे न्यूरोलॉजिकल समस्याएं हैं।

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने छात्र की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की और कांग्रेस सरकार पर सरकारी आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के प्रति लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है कि कांग्रेस के शासन में जिन छात्रों को स्कूलों में पढ़ना चाहिए था, वे बीमार पड़ रहे हैं और अस्पताल के बिस्तरों पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जब एक छात्रा को 15 बार चूहों ने काटा तो अधिकारियों ने क्या किया और कई बार अस्पताल जाने के बाद भी उसे उचित उपचार क्यों नहीं दिया गया?

हरीश राव ने मांग की कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और गंभीर रूप से बीमार छात्र को हैदराबाद के निम्स अस्पताल में स्थानांतरित किया जाना चाहिए और उसे सर्वोत्तम संभव उपचार दिया जाना चाहिए। इस बीच, सथुपल्ली के पूर्व विधायक सैंड्रा वेंकट वीरैया ने अस्पताल का दौरा किया और छात्र की मां और अन्य परिजनों से बात की। उन्होंने जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान से चूहों के काटने, छात्रावासों में सुविधाओं की कमी और बार-बार एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाने की शिकायत की और कलेक्टर से छात्र को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने को कहा।

वसंत पंचमी पर वटुकों का होगा उपनयन संस्कार

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक में निर्णय लिया गया कि दो फरवरी को वसंत पंचमी पर समाज का सामूहिक उपनयन संस्कार आयोजित किया जाएगा। निर्दोष भवन खैरताबाद में सम्पन्न बैठक में बीते मीटिंग में लिए गए निर्णयों की समीक्षा के साथ आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया। कन्या विवाह सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों पर गहन विचार के बाद उसका भी निपटारा किया गया। उपनयन कार्यक्रम की रूपरेखा के तहत सामूहिक यज्ञोपवीत के पंजीकरण के लिए बटुकों के अभिभावकों को सूचित किया गया है कि जो भी अपने बालकों का जनेऊ करवाना चाहते हों, वे निर्दोष भवन पंजीकरण करा सकते हैं। बैठक की अध्यक्षता डॉ. रामकुमार तिवारी ने की। बैठक में गोपाल प्रसाद शुक्ला, सूर्य प्रकाश शुक्ला, विनोद प्रसाद तिवारी, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, विजय पाल पाण्डेय, रत्नकला मिश्रा, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, शोभा दुबे, बाला प्रसाद तिवारी, जयशंकर प्रसाद तिवारी ने भाग लिया।

कीमतों में उतार-चढ़ाव से लाल चना उत्पादक परेशान

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कीमतों में उतार-चढ़ाव और बाजार की अस्थिरता किसानों के बीच असंतोष का कारण बन रही है। नारायणपेट जिले में लाल चना किसानों ने अचानक 2,000 रुपये प्रति क्विंटल की कीमत में गिरावट के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस तीव्र गिरावट से किसानों में भारी संकट पैदा हो गया है, जो आय के मुख्य स्रोत के रूप में लाल चने पर निर्भर हैं। तेलंगाना में लाल चने के सबसे बड़े विनियामक बाजारों में से एक सूर्यपेट में मंगलवार को सीजन की शुरूआत सिर्फ एक लॉट की आवक के साथ हुई, जिसका मूल्य लगभग 6,800 रुपये प्रति क्विंटल था। दिसंबर 2024 तक, तेलंगाना में लाल चने का औसत बाजार मूल्य लगभग 7,305 रुपये प्रति क्विंटल है। हालांकि, विभिन्न बाजारों में कीमतों में काफी भिन्नता रही है। नारायणपेट में सोमवार को कीमतें 10,537 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गईं, लेकिन अगले दिन 2,000 रुपये तक गिर गईं। किसान लाल चने के खरीद मूल्य में तत्काल वृद्धि की मांग कर रहे हैं। वे कीमतों को स्थिर करने और उन्हें अचानक गिरने से बचाने के लिए उपाय करने की भी मांग कर रहे हैं।

पशुओं में परजीवियों के प्रभाव पर 3 दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन शुरू

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुओं में परजीवियों के प्रभाव पर तीन दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन आज पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना राज्य पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में शुरू हुआ, जिसका आयोजन पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, राजेंद्रनगर के परजीवी विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। 17 से 19 दिसंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन का आज विश्वविद्यालय के सभागार में उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन के विशेष मुख्य सचिव और पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना राज्य पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति सब्यसाची घोष उपस्थित थे। घोष ने इस बात पर जोर दिया कि पशुओं में परजीवियों के कारण होने वाले नुकसान से किसानों को काफी वित्तीय नुकसान होता है। उन्होंने वैज्ञानिकों और पशु चिकित्सकों से इन नुकसानों को रोकने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया, उन्होंने सुझाव दिया कि परजीवी नियंत्रण के लिए नए उपचार और प्रबंधन रणनीतियां (जो अनुसंधान के माध्यम से विकसित की जा रही हैं) उन्हें विश्वविद्यालय के विस्तार प्रभाग के माध्यम से पशु चिकित्सकों और किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान आईसीएआर के पूर्व डीडीजी केएमएल पाठक को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले संकाय सदस्यों और छात्रों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। डीन डॉ. उदय कुमार (जो सम्मेलन के आयोजन सचिव भी हैं) के नेतृत्व में विश्वविद्यालय को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सराहना मिली। विशिष्ट अतिथि राजेंद्रनगर के राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) के प्रमुख बिजय कुमार बेहरा भी सम्मेलन में मौजूद थे। अन्य सम्मानित अतिथियों में पीवी नरसिम्हा राव तेलंगाना राज्य पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. शरत चंद्र, राजेंद्रनगर के पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की एसोसिएट डीन डॉ. माधुरी, भारतीय पशु चिकित्सा परजीवी संघ के अध्यक्ष डॉ. शंकरन, इसी संघ के सचिव डॉ. अनीश यादव और विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. हरिकृष्ण शामिल थे।

व्यक्ति ने की आत्महत्या

मेदक, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन लोन ऐप के जरिए 3.20 लाख रुपये उधार लेने वाले एक व्यक्ति ने रामायमपेट मंडल के कटरियाल में कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली।

मड्डी गंगाधर (30) ने 1.20 लाख रुपये का लोन चुका दिया था। लेकिन, जब वह समय पर बाकी रकम चुकाने में देरी करने लगा, तो लोन ऐप के अधिकारियों ने कथित तौर पर उसे परेशान करना शुरू कर दिया। उत्पीड़न बर्दाश्त न कर पाने की वजह से उसने तीन दिन पहले कीटनाशक पी लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंडिया ने फॉलोऑन बचाया

पहली पारी में स्कोर 252/9; बुमराह-आकाश की जोड़ी नाबाद लौटी

ब्रिसबेन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में चौथे दिन का खेल खत्म हो गया. दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम अपने सिर पर मंडरा रहे खतरे को टालने में कामयाब रही. भारत अब ऑस्ट्रेलिया से पहली पारी में 193 रन पीछे हैं. बुमराह और आकाशदीप अब भी नाबाद हैं.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेला जा रहा है. लेकिन इस मैच में अभी तक बारिश हावी रही है, जिसके चलते पहली पारी का खेल भी पूरा नहीं हुआ है. इस टेस्ट मैच का पहला दिन बारिश में धुल गया था और सिर्फ 13.2 ओवर का ही खेल हो सका था. वहीं, दूसरे दिन कुल 88 ओवर फेंके गए. लेकिन तीसरे दिन भी बारिश खेल पर भारी रही और सिर्फ 23 ओवर का खेल हुआ. हालांकि, टीम इंडिया इस मुकाबले में काफी मुश्किल में नजर आ रही है.

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 51 रन ही बना सकी है और 4 विकेट गंवा दिए हैं. ऐसे में खेल के चौथे दिन भारतीय बल्लेबाजों को कुछ खास प्रदर्शन करना होगा.

फॉलोऑन टला, चौथे दिन का खेल खत्म

ब्रिसबेन टेस्ट में भारत ने फॉलोऑन टाल दिया है. इसी के साथ चौथे दिन का खेल भी खत्म हो गया.

बुमराह और आकाशदीप के बीच 10वें विकेट के लिए हुई 39 रन की नाबाद साझेदारी की बदौलत भारतीय टीम अपने सिर पर मंडरा रहे फॉलोऑन के खतरे को टालने में कामयाब रही.

पीएम मोदी ने दी भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को बधाई

चीन को 3-2 से हराकर एशिया कप का खिताब सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशिया कप खिताब जीतने पर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि, इस सफलता से विशेषकर युवाओं में हॉकी के प्रति बढ़ते जुनून का पता चलता है। बता दें कि, रविवार को मस्कट में खेले गए फाइनल मैच में भारत ने पेनाल्टी शूटआउट में तीन बार के चैंपियन चीन को 3-2 से हराकर महिला जूनियर एशिया कप हॉकी में अपना खिताब सुरक्षित रखा। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, एशिया कप खिताब जीतने के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को बधाई। टीम ने बहुत धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। इस सफलता से विशेषकर युवाओं में हॉकी के प्रति बढ़ते जुनून का भी पता चलता है। टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

शूटआउट से पहले भी भारतीय गोलकीपर निधि चीन के लगातार हमलों के आगे दीवार बनकर खड़ी रही थीं। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर था। चीन की जिनजुआंग ने 30वें मिनट में बढ़त बनाई थी पर कनिका के गोल से भारत ने 41वें मिनट में बराबरी कर ली थी शूटआउट में साक्षी ने गोल कर बढ़त दिलाई और गोलकीपर निधि ने चीन के प्रयास को विफल कर दिया। चीन ने हाओ के सटीक निशाने से बराबरी कर ली। इशिका ने स्कोर 2-2 किया। चीन के दो प्रयास विफल रहे सुनेलिता ने गोल कर यादगार जीत दिलाई। भारत की महिला जूनियर एशिया कप जीत की सूत्रधार रहीं दीपिका ने सफलता का श्रेय टीम के सामूहिक प्रयास को दिया और कहा कि यह उनकी साथी खिलाड़ियों के समर्थन के बिना संभव नहीं होता। दीपिका ने टूर्नामेंट का समापन शीर्ष गोल स्कोरर के रूप में किया और उनके नाम 12 गोल रहे जिसमें से पांच गोल पेनाल्टी कॉर्नर से आए। शुरुआती चार मैच में 11 गोल करने वालीं दीपिका ने कहा, मैं बेहद खुश हूं कि मैं इतने गोल करने में सफल रही लेकिन यह मेरी साथियों की मदद के बिना संभव नहीं होता।

नॉर्वे शतरंज में कार्लसन से होगा विश्व चैंपियन गुकेश का सामना

26 मई से खेला जाएगा टूर्नामेंट

स्टावेंजर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सबसे युवा विश्व चैम्पियन गुकेश डोम्माराजू का सामना अगले साल नॉर्वे शतरंज में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से होगा। टूर्नामेंट यहां 26 मई से छह जून तक खेला जाएगा।

18 साल के गुकेश ने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स जीता, शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण दिलाया, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में चमके और पिछले सप्ताह सिंगापुर में विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीता। गुकेश ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मैं दुनिया के सबसे मजबूत खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ फिर नॉर्वे में भिड़ने को लेकर रोमांचित हूं। आर्मागेडोंस मजेदार होगा।'

गुकेश पिछले साल यहां तीसरे स्थान पर रहे थे लेकिन इस बार विश्व चैम्पियन के रूप में कार्लसन को उनके घर में चुनौती देंगे। नॉर्वे शतरंज के संस्थापक और टूर्नामेंट निदेशक जेल मेडलैंड ने कहा, 'यह मुकाबला शानदार होगा । देखना दिलचस्प होगा कि विश्व चैम्पियन का सामना नंबर एक खिलाड़ी से कैसा रहता है । पूरी दुनिया की इस पर नजरें होंगी।' नॉर्वे शतरंज में दुनिया के शीर्ष पुरूष और महिला खिलाड़ी छह खिलाड़ियों के दोहरे राउंड रॉबिन प्रारूप में खेलेंगे।

विराट-रोहित को लेकर अनिल कुंबले को देनी पड़ी सफाई

किया साजिश का खुलासा

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व कोच और महान स्पिनर अनिल कुंबले ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर उनके नाम से गलत तरीके से फैलाई जा रही सोशल मीडिया पोस्ट पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने खुलकर उन बातों का विरोध किया है जो उनका बयान बताकर ऑनलाइन फैलाई जा रही हैं।

इसमें विराट कोहली के खेल और रोहित शर्मा की कप्तानी पर निशाना साधा जा रहा था। कुंबले ने कहा कि सभी बातें बेबुनियाद हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है।

कुंबले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मेरी जानकारी में कुछ सोशल मीडिया पर पोस्ट पर गई हैं जिनमें मेरी तस्वीर का इस्तेमाल कर कुछ कोट्स मेरे नाम पर फैलाए जा रहे हैं।

मैं साफ तौर पर इन अकाउंट्स और उनकी बातों से अपना किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार करता हूं। यह बयान मेरे विचार नहीं हैं और किसी भी तरह से मेरी राय को नहीं दर्शाते हैं। मैं सभी से सतर्क रहने और सोशल मीडिया पर जो कुछ भी वे देखते हैं, उस पर तुरंत विश्वास ना करने की गुजारिश करता हूं।

कृपया किसी भी जानकारी को शेयर करने से पहले उसकी प्रामाणिकता की पुष्टि करें। मेरे आधिकारिक सोशल मीडिया चैनल मेरे विचारों और बयानों के लिए एकमात्र विश्वसनीय स्रोत हैं।'

खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित-विराट

बता दें कि कुंबले की फर्जी पोस्ट के जरिए मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी और विराट के फॉर्म पर सवाल उठाए गए थे।

पोस्ट से रोहित-विराट की फॉर्म पर सवाल उठाए गए, लेकिन हकीकत में दोनों ही खिलाड़ी इस समय खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट की तरह ही विराट और रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन के गाबा में चल रहे तीसरे टेस्ट में भी बुरी तरह विफल रहे।

मैच की पहली पारी में रोहित ने सिर्फ 10 रन बनाए, जबकि कोहली केवल 3 रन ही बना पाए। दोनों के इस खराब प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर उनको जमकर ट्रोल किया गया और संन्यास लेने के लिए कहा गया।

रोहन जेटली लगातार दूसरी बार बने डीडीसीए के अध्यक्ष

कीर्ति आजाद को हराया

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। डीडीसीए में लगातार दूसरी बार रोहन जेटली ने अपनी पैंठ बरकरार रखी है. वो फिर से दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष चुन लिए गए हैं. इस रेस में रोहन जेटली को कीर्ति आजाद से कड़ी टक्कर मिली. लेकिन, आखिर में वो बाजी मारने में कामयाब रहे. पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण जेटली के बेटे रोहन जेटली ने कीर्ति आजाद को आधे से भी ज्यादा वोटों के अंतर से हराया. डीडीसीए प्रेसीडेंट के इलेक्शन में रोहन जेटली को 1239 वोट मिले, जबकि कीर्ति आजाद को 610 वोट मिले.डीडीसीए के इलेक्शन में कुल 2413 वोट पड़ते हैं, जिसमें जीतने वाले कंडिडेट के पास 1207 वोट होने जरूरी होते हैं.

डीडीसीए में कौन क्या बना?

रोहन जेटली के अलावा वाइस प्रेसीडेंट के पद पर शिखा कुमार को चुना गया है, जिन्हें 976 वोट मिले. उन्होंने राकेश कुमार बंसल को हराया और सुधीर कुमार अग्रवाल को हराया. राकेश बंसल को 434 वोट जबकि सुधीर अग्रवाल को 381 वोट मिले हैं. सेक्रेटरी के पोस्ट पर रोहन जेटली कैंप के अशोक शर्मा विजयी रहे हैं. वहीं हरीश सिंगला ने 1049 वोट के साथ ट्रेजरार के पद पर बाजी मारी है. अमित ग्रोवर डीडीसीए के जॉइंट सेक्रेटरी चुने गए हैं.

रोहन जेटली का फर्स्ट टर्म कैसा रहा?

रोहन जेटली के पिता अरुण जेटली 14 साल तक डीडीसीए के प्रेसीडेंट रहे थे. रोहन जेटली ने डीडीसीए में कदम 4 साल पहले ही रखा, जब वो पहली बार इसके अध्यक्ष बने.

रोहन जेटली की अध्यक्षता में अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम ने पिछले साल 5 वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी की. इसके अलावा इस साल दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट का आगाज भी हुआ. उसका पहला एडिशन खेला गया, जिसमें ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा जैसे स्टार खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया. कीर्ति आजाद का डीडीसीए के चुनाव में मुख्य मुद्दा करप्शन था. हालांकि, वो इस मुद्दे के साथ रोहन जेटली को हराने में नाकाम रहे. 2019 में भारतीय जनता पार्टी से निकाले गए कीर्ति आजाद ने बाद में कॉग्रेस जॉइन किया. फिर वो 2021 में ममता बनर्जी की तृणमूल कॉग्रेस के साथ जुड़ गए.

मनिका की टीम एशिया बनी वाल्डनर कप चैंपियन

टीम वर्ल्ड को 14-0 से हराया

ओस्लो, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा सितारों से सजी 'टीम एशिया' का हिस्सा थीं जिसने वाल्डनर कप के पहले आयोजन में 'टीम वर्ल्ड' को हराया। टीम एशिया में मनिका के अलावा टेबल टेनिस के दिग्गज चीन के मा लोंग, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन मेंग, दक्षिण कोरिया के शिन युबिन और कजाकिस्तान के किरिल गेरासिमेंको शामिल थे।

टीम एशिया ने रविवार को टीम वर्ल्ड को 14-0 से हराया। टीम वर्ल्ड में ट्रुल्स मोरेगार्ड, दिमित्रिज ओवत्चारोव, ह्यूगो काल्डेरानो, एड्रियाना डियाज़ और बर्नाडेट स्जोक्स जैसे खिलाड़ी थे।

स्वीडन के महान खिलाड़ी जान-ओवे वाल्डनर ने टेबल टेनिस को शीर्ष वैश्विक खेल बनाने के उद्देश्य से इस टूर्नामेंट की स्थापना की है।

आईसीसी को मेरे पांव धोकर पीना चाहिए

सबसे तेज गेंद के रिकॉर्ड पर ये क्या बोल गए शोएब अख्तर?

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर अभी तक के सबसे तेज गेंदबाज हैं. वह अपने खेल के समय में अपनी तेज रफ्तार के लिए जाने जाते थे, जिसके आगे बडे़-बड़े बल्लेबाज फ्लॉप हो जाते थे. वहीं, अब अख्तर अपने अजीबोगरीब बयानों की वजह से फैंस के बीच सुर्खियों में रहते हैं. उन्होंने हाल ही में एक दावा किया है. उनका कहना है कि अगर वह चाहे तो 6 महीने में उनका सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड टूट सकता है. इसके अलावा उन्होंने आईसीसी को उनके पांव धोकर पीने की बात भी कही है.

शोएब अख्तर का अजीबोगरीब बयान

दरअसल, शोएब अख्तर हाल ही में टीएनकेएस पॉडकास्ट में नजर आए थे. इस यूट्यूब शो पर जब शोएब अख्तर से पूछा गया कि क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में कोई उनका सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड तोड़ सकता है? इस सवाल का जवाब देते हुए अख्तर ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा हो सकता है. अगर मैं दुनियाभर में गेंदबाज इकट्ठा करूं तो मेरे ख्याल में 6 महीने के अंदर ये रिकॉर्ड टूट सकता है. अगर मैं दुनियाभर से दो-तीन हजार खिलाड़ी इकट्ठा करने में कामयाब हो जाऊं तो मैं अपना रिकॉर्ड तुड़वा दूंगा. युवा खिलाड़ी 160-170 तक भी गेंदबाजी कर सकते हैं. अगर कुछ भी नहीं हुआ ना तो मैं आपको 150, 140 और 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज की बड़ी तादाद में दे दूंगा. तब भारत-पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश उन्हें मौका दें या ना दें, उनकी मर्जी है.'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं खिलाड़ी को खिलाने के लिए पोल कराऊंगा. लोग वोट करेंगे और बताएंगे कि किसे खिलाना है और किसे नहीं. मैं वाकई चाहता हूं कि कोई आए और मेरा रिकॉर्ड तोड़े. एक ही बॉल फेंकनी है. अगर 150 किलोमीटर की गति से फेंक वाले गेंदबाज बड़ी तादाद में दुनिया को मिल गए तो फिर आईसीसी को मेरे पांव धोकर पीना चाहिए.'

सालों से नहीं टूटा अख्तर का रिकॉर्ड

शोएब अख्तर ने 2003 वर्ल्ड कप के दौरान सबसे तेज गेंदबाज फेंकने का रिकॉर्ड बनाया था. उन्होंने इस टूर्नामेंट के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 161.3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी. ये क्रिकेट के इतिहास में अभी तक की सबसे तेज गेंद थी. यानी पिछले 21 साल से कोई भी गेंदबाज इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सका है. अख्तर अपनी रफ्तार की वजह से ही एक सफल गेंदबाज बने थे. उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर के दौरान पाकिस्तान के लिए 224 मैचों में 444 विकेट चटकाए थे.

रिंकू सिंह बने कप्तान, यूपी टी20 लीग टूर्नामेंट के लिए मिली बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को इस बार यूपी टी20 लीग में कप्तानी करते हुए देखा गया था। वहीं अब एक बार फिर से नए टूर्नामेंट के लिए रिंकू को कप्तान बनाया गया है। आईपीएल 2025 से केकेआर के इस धाकड़ खिलाड़ी को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। अब रिंकू आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे।

यूपी टीम की मिली कमान

सीनियर चयन समिति ने 19 सदस्यीय यूपी टीम का ऐलान किया है। यूपी टीम ने अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों को कप्तान बनाया है। आर्यन जुयाल रणजी ट्रॉफी में कप्तान थे, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में टीम की अगुआई की थी, अब रिंकू सिंह को टीम की कमान सौंपी गई है।

यूपी टीम में आईपीएल स्टार की भरमार

यूपी टीम की सबसे खास बात यह रही कि उनकी टीम आईपीएल स्टार से भरी हुई है, जिसमें भुवनेश्वर कुमार, नितीश राणा, मोहसिन खान और शिवम मावी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। रिंकू सिंह ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी कमाल का प्रदर्शन किया था। इस टूर्नामेंट में रिंकू ने केवल 9 मैचों में 69 की औसत और 152 की स्ट्राइक रेट से 277 रन बनाए थे।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए यूपी टीम का स्क्वॉड

रिंकू सिंह (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, माधव कौशिक, करण शर्मा, प्रियम गर्ग, नितीश राणा, अभिषेक गोस्वामी, अक्षदीप नाथ, आर्यन जुयाल, आराध्य यादव, सौरभ कुमार, कृतज्ञ कुमार सिंह, विप्रज निगम, मोहसिन खान, शिवम मावी, आकिब खान, अटल बिहारी राय, कार्तिक्य जयसवाल, विनीत पनवार।

आरसीबी को लग सकता है बड़ा झटका

टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी जोश हेजलवुड ने बढ़ाई टेंशन

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। इन दिनों टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है, जहां दोनों टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जिसका तीसरा मैच गाबा में खेला जा रहा है। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया टीम की तरफ से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का इस बार का सबसे महंगा खिलाड़ी भी खेल रहा है। जो गाबा टेस्ट के चौथे दिन चोटिल होकर अस्पताल पहुंच गया। जी हां हम बात कर रहे हैं ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की। जो गाबा टेस्ट के चौथे दिन पहले सेशन के दौरान ही चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए थे। जो ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

आरसीबी की बढ़ सकती है टेंशन

जोश हेजलवुड भी इस बार आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन का हिस्सा थे, उनका बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये थे। इस धाकड़ तेज गेंदबाज पर मेगा ऑक्शन से इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भरोसा जताया। आरसीबी ने इस खिलाड़ी को 12.50 करोड़ रुपये में खरीदा है। इस बार मेगा ऑक्शन में हेजलवुड आरसीबी के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे हैं। ऐसे में अगर हेजलवुड की इंजरी ज्यादा गंभीर होती है और उनको सर्जरी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा तो लंबे समय तक ये खिलाड़ी क्रिकेट मैदान से दूर रह सकता है। जो आगामी सीजन में आरसीबी के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

इससे पहले भी आईपीएल में कई बार ऐसा देखने को मिला है। जब सीजन शुरू होने से पहले ही खिलाड़ी चोटिल होकर बाहर हो गए थे।

बेन स्टोक्स के साथ भी ऐसा देखने को मिला था, जिनको सीएसके ने 16 करोड़ रुपये खर्च करके अपनी टीम में शामिल किया था, लेकिन स्टोक्स पूरे सीजन से बाहर हो गए थे। ऐसे में आरसीबी फैंस चाहेंगे कि जोश हेजलवुड जल्दी से फिट होकर मैदान पर वापसी करे।

विराट को किया था आउट

चोट के चलते जोश हेजलवुड एडिलेड टेस्ट नहीं खेल पाए थे। जिसके बाद गाबा टेस्ट में उनकी वापसी हुई और एक बार फिर से उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया।

पहली पारी में जोश हेजलवुड ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए विराट कोहली को आउट किया था। कोहली महज 3 रन बनाकर आउट हो गए थे।

पुलिस कंप्यूटर सेवा और मानकीकरण विंग को एक और पुरस्कार

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य तकनीकी सेवाएं अतिरिक्त डीजीपी वी.वी. श्रीनिवास राव, आईपीएस ने अभिनव परियोजना 'ईपेटी केस सिस्टम: डिजिटल साक्ष्य-आधारित प्रवर्तन के माध्यम से सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाना' के लिए 'एमगवर्नेंस इनिशिएटिव ऑफ द ईयर' श्रेणी के तहत 15वें राष्ट्रीय डिजिटल परिवर्तन पुरस्कार 2024 जीतने में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पीसीएस एंड एस टीम को बधाई दी। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 13 दिसंबर को गुवाहाटी में केएसपीवी पवन कुमार, आईएफएस, विशेष सचिव (आईटी) और निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटीईसी), असम सरकार द्वारा अनुराग गोयल, आईएएस, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, असम सरकार की उपस्थिति में प्रदान किया गया। तेलंगाना पुलिस का प्रतिनिधित्व करते हुए, यह पुरस्कार सुश्री किरण कुमारी, एसपी, पीसीएस एंड एस, एस. रविचंद्र, डीएसपी आईटी द्वारा प्राप्त किया गया। वी.वी. श्रीनिवास राव ने पुलिस मानकों को बढ़ाने के लिए डिजिटल समाधानों का लाभ उठाने में उनके समर्पण और नवाचार के लिए टीम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि तेलंगाना पुलिस की बेहतर सार्वजनिक सुरक्षा, पारदर्शिता और साक्ष्य-आधारित प्रवर्तन के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ईपेटी केस सिस्टम ने कुशल और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है। ईपेटी केस सिस्टम ने वास्तविक समय में साक्ष्य संग्रह, जियो-टैगिंग और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि को सक्षम करके छोटे अपराध प्रबंधन में क्रांति ला दी है, जिससे त्वरित समाधान सुनिश्चित हुआ है और कानून प्रवर्तन में जनता का अधिक विश्वास बढ़ा है। यह पुरस्कार देश भर में डिजिटल शासन और अभिनव पुलिसिंग विधियों में तेलंगाना पुलिस के नेतृत्व को और मजबूत करता है।

अभिनेत्री से साइबर जालसाजों ने 50,000 ठगे

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक उभरती अभिनेत्री को साइबर जालसाजों ने 50,000 रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने दावा किया कि वे फिल्म कलाकार संघ की सदस्यता दिला सकते हैं। देर से प्रकाश में आई इस घटना में, कुंदनबाग की 25 वर्षीय अभिनेत्री को एक व्यक्ति ने फोन किया और दावा किया कि वह फिल्म निर्माता है तथा बाद में एक अन्य महिला ने भी पीड़िता को फोन किया और दावा किया कि वह सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) की एचआर एक्जीक्यूटिव है।ुलिस अधिकारियों ने बताया कि जालसाज ने पीड़िता से कहा कि एसोसिएशन में आजीवन सदस्यता पाने के लिए 50,000 रुपये का एकमुश्त भुगतान करना होगा।

सीपी व स्वास्थ्य सचिव ने भगदड़ में घायल बालक से मुलाकात की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद और तेलंगाना सरकार की स्वास्थ्य सचिव डॉ. क्रिस्टीना ने संध्या थियेटर में घायल हुए 9 वर्षीय लड़के श्रीतेज की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए तेलंगाना सरकार की ओर से किम अस्पताल का दौरा किया। दो हफ्ते पहले थिएटर में भगदड़ मची थी। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि भगदड़ में दम घुटने से घायल हो चुके श्रीतेज को ठीक होने में काफी समय लगेगा, उनका इलाज वेंटीलेटर सपोर्ट पर किया जा रहा है और डॉक्टरों ने बताया है कि लंबा इलाज संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर जल्द ही श्रीतेज के स्वास्थ्य पर मेडिकल हेल्थ बुलेटिन जारी करेंगे। वहीं, स्वास्थ्य सचिव डॉ. क्रिस्टीना ने कहा कि हम श्रीतेजा की स्वास्थ्य स्थिति की नियमित रूप से निगरानी कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। कार्यक्रम में अस्पताल की मेडिकल टीम, श्रीअक्षम यादव, आईपीएस डीसीपी सेंट्रल ज़ोन और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक पर छापा, दवाएं जब्त

हैदराबाद, 17 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने वानापर्थी जिले के पेद्दामंदाडी मंडल के जंगमईपल्ली गांव में एक झोलाछाप डॉक्टर बथुला रामुलु के क्लिनिक पर छापा मारा और 1.5 लाख रुपये मूल्य की दवाएं जब्त कीं, जिन्हें अवैध रूप से बिक्री के लिए रखा गया था। छापेमारी के दौरान, डीसीए की टीमों ने एनाल्जेसिक, एंटीबायोटिक्स जैसे सेफपोडॉक्सिम, सेफिक्सिम, एमोक्सिसिलिन, स्टेरॉयड, एंटीअल्सर दवाओं सहित लगभग 42 प्रकार की दवाएँ जब्त कीं, जिन्हें अवैध रूप से बिक्री के लिए संग्रहीत किया गया था। डीसीए अधिकारियों को झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक में प्रेडनिसोलोन, डेक्सामेथासोन सहित स्टेरॉयड भी मिले। डीसीए तेलंगाना औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार दवाओं के भंडारण और बिक्री के लिए औषधि लाइसेंस जारी करता है। औषधि लाइसेंस के बिना बिक्री के लिए दवाओं का भंडारण करना औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत दंडनीय है, जिसके लिए पांच साल तक की सजा हो सकती है। टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलसन रेड्डी ने कहा कि आम जनता आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्षेत्रों में मादक दवाओं और मनोदैहिक पदार्थों सहित दवाओं से संबंधित किसी भी संदिग्ध विनिर्माण गतिविधि की रिपोर्ट कर सकती है, साथ ही दवाओं से संबंधित अवैध गतिविधियों के बारे में कोई भी अन्य शिकायत औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना टोल-फ्री नंबर 1800-599-6969 के माध्यम से कर सकती है, जो सभी कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक चालू रहता है।

पैरा-ओलंपिक पदक विजेता ने 'फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान' को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिट इंडिया अभियान ने आज सुबह पूरे भारत में 1000 विभिन्न स्थानों पर एक साथ आयोजित 'फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान' के शुभारंभ के साथ एक स्वस्थ और हरित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, पैरा-ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुमारी जीवनजी दीप्ति ने आज हैदराबाद के गच्चीबोवली स्टेडियम के हॉकी कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'फिट इंडिया साइकिलिंग मंगलवार' को हरी झंडी दिखाई। साइकिलिंग को परिवहन के एक स्थायी और स्वस्थ तरीके के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से 3 किलोमीटर की इस राइड में करीब 90 साइकिलिंग उत्साही शामिल हुए। इस कार्यक्रम में एथलीटों, युवाओं और नागरिकों सहित लगभग 125 प्रतिभागियों की उपस्थिति देखी गई। यह अभियान प्रधानमंत्री के संदेश फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज से मेल खाता है।

एससीआर मुख्यालय में पेंशन अदालत आयोजित

> 229 मामलों का समाधान किया गया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने एससीआर मुख्यालय, रेल निलयम, सिकंदराबाद में पेंशन अदालत-2024 आयोजित की। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर, नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर, एस विवेकानंद, प्रमुख वित्तीय सलाहकार, एससीआर, डॉ. निरमाला राजाराम, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एससीआर, जीआरएस राव, मुख्य कार्मिक अधिकारी, (प्रशासन) एससीआर, अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इसके साथ ही, जोन के सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुतकल, गुंटूर और नांदेड़, कार्यशालाओं और अन्य इकाइयों ने सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए अपने-अपने परिसर में अलग-अलग पेंशन अदालत आयोजित की। इस अवसर पर बोलते हुए अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने कहा कि जोन कई मोर्चों पर तेजी से प्रगति कर रहा है और जोन के पेंशनभोगी भी इस प्रगति में भागीदार हैं।

अरुण कुमार जैन ने लंबित मामलों की संख्या में भारी कमी लाकर पेंशनभोगियों की समस्याओं और शिकायतों को हल करने में कार्मिक और लेखा विभागों के कर्मचारियों द्वारा किए गए अच्छे काम की सराहना की। महाप्रबंधक ने पेंशनभोगियों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की और उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता पर किसी भी लंबित शिकायत के शीघ्र निपटारे का आश्वासन दिया। जीआरएस राव, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) ने पेंशनभोगियों की शिकायतों को प्रशासन के ध्यान में लाने के लिए रेलवे पेंशनर्स फेडरेशन और एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशन अदालत का आयोजन केवल पेंशन संबंधी शिकायतों के लिए ही नहीं बल्कि अन्य मुद्दों के लिए भी किया जाता है। पेंशन अदालत में बड़ी संख्या में शामिल हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी शिकायतों के बारे में अधिकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने पेंशनभोगियों को सलाह दी कि भविष्य में कोई भी शिकायत होने पर सूचित करें, ताकि मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाया जा सके। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। पेंशन अदालत के दौरान कुल 271 मामले प्राप्त हुए और 229 मामलों का समाधान किया गया।

तेलंगाना में सोयाबीन की अतिरिक्त खरीद की अनुमति देने का आदेश

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने तेलंगाना में अतिरिक्त 25,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद का आदेश दिया है।

मानसून फसल सीजन-2024 के दौरान, राज्य सरकार ने मार्कफेड नोडल एजेंसी के माध्यम से, 4,892 रुपये के समर्थन मूल्य पर किसानों से 59,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद पहले ही कर ली है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और जिला कलेक्टरों के अनुरोध पर, राज्य सरकार ने किसानों से अतिरिक्त सोयाबीन खरीदने का फैसला किया है। मंगलवार को यहां एक विज्ञप्ति में, तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र से अनुरोध किया है कि वह तेलंगाना में सोयाबीन किसानों को समर्थन मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए 25,000 मीट्रिक टन की अतिरिक्त खरीद की अनुमति दे, और प्रस्ताव अब केंद्र सरकार के विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में मार्कफेड के 49 केंद्रों के माध्यम से सोयाबीन की खरीद प्रक्रिया किसानों के लिए बिना किसी परेशानी के सुचारू रूप से जारी है। मंत्री ने कहा कि आदिलाबाद जिले में सबसे अधिक 27,811 मीट्रिक टन संग्रह किया गया है, इसके बाद निर्मल में 14,476 मीट्रिक टन, कामारेड्डी में 7867.75 मीट्रिक टन, निजामाबाद में 5413.85 मीट्रिक टन और संगारेड्डी में 3,339 मीट्रिक टन संग्रह किया गया है।

विधानसभा का सत्र बुधवार तक के लिए स्थगित

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा का सत्र बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। स्पीकर ने कहा कि सत्र सुबह 10 बजे फिर से शुरू होगा। इस बीच, विपक्षी दलों ने विधानसभा में लगाचेरला घटना पर चर्चा करने पर जोर दिया है। आरएस और भाजपा सदस्यों द्वारा स्थगन प्रस्ताव की मांग के विरोध के बावजूद, सदन ने विरोध के बीच तीन प्रमुख विधेयक पारित किए। यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बिल, यूनिवर्सिटीज एक्ट संशोधन विधेयक और राज्य जीएसटी संशोधन विधेयक बिना किसी बहस के पारित हो गए। तेलंगाना की पर्यटन नीति पर संक्षिप्त चर्चा के बाद, स्पीकर गड्डाम प्रसाद कुमार ने घोषणा की कि सदन बुधवार तक के लिए स्थगित रहेगा।

राष्ट्र निर्माण और तकनीकी उन्नति में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका : राज्यपाल

एमसीईएमई, सिकंदराबाद में 106वां दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डिग्री इंजीनियरिंग कोर्स-105 और तकनीकी प्रवेश योजना कोर्स-42 के ईएमई अधिकारियों को बी.टेक डिग्री प्रदान करने के लिए आज मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई), सिकंदराबाद में दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा थे। लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय, वीएसएम, कमांडेंट एमसीईएमई और कर्नल कमांडेंट, कोर ऑफ ईएमई और विभिन्न नागरिक और सैन्य गणमान्य व्यक्तियों और स्नातक पाठ्यक्रमों के गौरवान्वित माता-पिता की उपस्थिति में मुख्य अतिथि द्वारा विदेशी अधिकारियों सहित कुल 49 अधिकारियों को बी.टेक डिग्री प्रदान की गई। अधिकारियों को अपने उद्घाटन संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने जीवन और सैन्य कैरियर में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत, लचीलापन, ईमानदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युद्ध में इस्तेमाल की जा रही उभरती प्रौद्योगिकियों और सेना और राष्ट्र की सेवा में सभी ईएमई अधिकारियों के लिए अपने तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के महत्व पर भी जोर दिया। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने फील्ड आर्मी के लिए सर्वश्रेष्ठ युद्ध-तैयार तकनीशियनों के पोषण में एमसीईएमई में अनुकरणीय प्रशिक्षण मानकों की सराहना की। उन्होंने राष्ट्र निर्माण और तकनीकी उन्नति में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, उनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ता और उत्कृष्टता की खोज के लिए स्नातक अधिकारियों की भी प्रशंसा की। उन्होंने स्नातकों को याद दिलाया कि उनकी शिक्षा केवल एक उपलब्धि नहीं है, बल्कि सशस्त्र बलों और राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने की जिम्मेदारी है। समारोह के दौरान, टीईएस-42 के सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंड स्टूडेंट ऑफिसर के लिए जीओसी-इन-सी एआरटीआरएसी ट्रॉफी लेफ्टिनेंट मुदित गुप्ता को प्रदान की गई और ईएमईओडीई-105 के ओवरऑल ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम स्थान पर आने के लिए स्वर्ण पदक मेजर अमृत यादव को प्रदान किया गया। समारोह की एक खास विशेषता फील्ड आर्मी के उपयोग के मामलों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, ऑटोनॉमस रोबोट और मशीन लर्निंग के क्षेत्रों में एमसीईएमई के अधिकारियों द्वारा डिजाइन और विकसित की गई अभिनव परियोजनाओं की प्रदर्शनी थी।

उत्तम ने तेलंगाना में लंबित परियोजनाओं को पूरा करने का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को विधानसभा को आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना में लंबित सभी सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इन पहलों के महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने कई प्रमुख परियोजनाओं के लिए विस्तृत योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिनमें कालेश्वरम परियोजना, लिफ्ट सिंचाई योजनाएं और जलाशय सरेखण शामिल हैं। विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान सवालों के जवाब में, मंत्री ने घोषणा की कि कालेश्वरम परियोजना के तहत पैकेज 17, 18 और 19 अगले दो वर्षों के भीतर पूरे हो जाएंगे। उन्होंने पैकेज 19ए की उपेक्षा के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की, जिसे 39,000 एकड़ अयाकट को सिंचाई के तहत लाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। सिंगुर जलाशय के लिए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि जलाशय को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक वित्तीय सरेखण प्रस्ताव वर्तमान में विकसित किए जा रहे हैं। इस बीच, नारायणखेड़ निर्वाचन क्षेत्र में पेद्दारेड्डीपेट लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए सर्वेक्षण अनुमान चल रहा है, जिसका उद्देश्य 39,000 एकड़ नया अयाकट बनाना है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूरा होने के बाद परियोजना पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। मंत्री ने विधानसभा को यह भी बताया कि सरकार भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में वेंगलाराया सागर परियोजना की स्थिति की बारीकी से समीक्षा कर रही है। इसकी वर्तमान स्थिति के आधार पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। बसमेश्वर और संगमेश्वर परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य नारायणखेड़ और जहीराबाद निर्वाचन क्षेत्रों को उपजाऊ बनाना था। हालांकि, उन्होंने टिप्पणी की कि पिछली बीआरएस सरकार महत्वपूर्ण प्रगति करने में विफल रही।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि वर्तमान सरकार बिना देरी के संबंधित लिफ्ट और लिंक परियोजनाओं को पूरा करेगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने राज्य भर में सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने, कृषि विकास के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने और किसानों की लंबे समय से लंबित मांगों को संबोधित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.30247549, दिनांक :11.12.2024

कार्य का नाम : (1) वारंटी अवधि : आपूर्ति की तारीख के बाद 30 महीने के साथ वाइड बेस्ड कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति (मात्रा : 10948 संख्यक)। (2) वारंटी अवधि : आपूर्ति की तारीख के बाद 30 महीने के साथ वाइड बेस्ड कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति (मात्रा : 5218 संख्यक)। (3) वारंटी अवधि : आपूर्ति की तारीख के बाद 30 महीने के साथ वाइड बेस्ड कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति (मात्रा : 5212 संख्यक)। (4) वारंटी अवधि : आपूर्ति की तारीख के बाद 30 महीने के साथ वाइड बेस्ड कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति (मात्रा : 4940 संख्यक)। (5) वारंटी अवधि : आपूर्ति की तारीख के बाद 30 महीने के साथ वाइड बेस्ड कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रैकेट की आपूर्ति (मात्रा : 4864 संख्यक)।

TPI द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 31182।

द्रष्टव्य : सामग्री 90 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 10.01.2025 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण उपलब्ध होंगे www.ireps.gov.in में।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-807/P/24-25

हाइड्रा प्रमुख ने कामुनी और मैसम्मा चेरुवु का दौरा किया

नए अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने आज कामुनी चेरुवु और मैसम्मा चेरुवु का दौरा किया और झीलों की सुरक्षा और अतिक्रमणों को दूर करने के निर्देश जारी किए। आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि केवल जुलाई 2024 के बाद बनी संरचनाओं को ही ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भले ही वे वैध हों या अवैध, इस अवधि से पहले की संरचनाओं को छुआ नहीं जाएगा। उन्होंने स्थानीय राघवेंद्र कॉलोनी निवासियों को आश्वासन दिया कि पुरानी संरचनाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी। दौरे के दौरान, आयुक्त रंगनाथ ने अधिकारियों को हाल ही में किए गए किसी भी अतिक्रमण को हटाने और झील के बांधों की सुरक्षा के लिए उपाय करने का आदेश दिया। उन्होंने वासावी सरोवर डेवलपर्स को निर्देश दिया कि वे तब तक निर्माण कार्य जारी न रखें जब तक कि अनिवार्य रूप से 17 मीटर चौड़ा नाला न बन जाए। नाला कामुनी चेरुवु और मैसम्मा चेरुवु के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है, जो झीलों के बीच उचित जल प्रवाह सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि एचएमडीए झील के चारों ओर पैदल मार्ग विकसित कर रहा है। इस बीच, जीएचएमसी के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि झीलों से जलकुंभी खरपतवारों को हटाने के लिए अर्थ मूवर्स और लॉरियों को तैनात किया गया था। हालांकि, इस प्रक्रिया में, झील के बांध का एक हिस्सा गलती से हट गया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि बांध को संरक्षित करने के लिए तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी, जबकि आक्रामक जलकुंभी को हटाने के प्रयास जारी रहेंगे।

परीक्षा स्थगित करने की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम)/ बहुउद्देशीय स्वास्थ्य देखभाल सहायकों (एमपीएचए) के 1900 पदों पर भर्ती के लिए 29 दिसंबर को होने वाली कंप्यूटर आधारित परीक्षा को स्थगित करने की मांग करते हुए, राज्य भर की आशा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को हैदराबाद के कोटि में डीएमई कार्यालय में धरने में भाग लिया।

तेलंगाना वैद्य आरोग्य उद्योग संघलु पोराटा समिति के तत्वावधान में आउटसोर्सिंग/अनुबंध मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे जब तक राज्य सरकार उनकी समस्याओं को हल करने का ईमानदार प्रयास नहीं करती। प्रदर्शनकारी आशा कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले 20 सालों से बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर अपनी ड्यूटी निभा रही हैं। आज करीब 700 आशा कार्यकर्ता ऐसी हैं जिनकी उम्र 55 साल से ज्यादा है और वे रिटायरमेंट के करीब हैं। ऐसी आशा कार्यकर्ताओं के साथ न्याय करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। हालांकि, समिति द्वारा अपनी सिफारिशें देने से पहले ही राज्य सरकार ने यह परीक्षा आयोजित करने का फैसला कर लिया, जो हमें मंजूर नहीं है।

हरि ॐ हरि ॐ

द्वितीय पुण्यतिथि

स्व.श्री दोलारामजी काग

: सुपुत्र : स्व.श्री भेरारामजी काग - मरुधर मे कोलपुरा (राज.)

(स्वर्गवास: 18.12.2022)

जीवन के हर पल में, आपकी कमी महसूस करते है हम।
द्वितीय पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

नोजीबाई (धर्मपत्नी), स्व.पेमाराम, मेगाराम (भाई), स्व.जसाराम, हीराराम, केसाराम, भीमाराम, भँवरलाल, ताराराम (पुत्र), स्व.कुकीबाई, मांगीबाई, पेपीबाई (पुत्री), स्व.देवाराम, रमेश, वोराराम, नारायणलाल, सुरेश, प्रवीण, नरेश, विकास, मनोहर, सुरेन्दर, हीतेश, हिमांशु (पौत्र), मुकेश, कुशाल, दिनेश, मनोज, महेश (पड़पौत्र), दिपु, दिया, नीतू, भावना, दिव्या (पड़पौत्री) एवं समस्त काग परिवार

श्री रामदेव इलेक्ट्रीकल्स | महालक्ष्मी इलेक्ट्रीकल्स | रामदेव इन्टरप्राईजेस | अम्बीका इलेक्ट्रीकल्स

शापुरनगर, हैदराबाद

Mob.No. : 9440608339, 8000801658, 9490175248

P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.